



**SSC
WALLAH**

दक्ष करेंट अफेयर्स अगस्त - 2026

फीफा विश्व कप 2026: 23वें संस्करण
का विजेता बना स्पेन

भारत ने BIMSTEC सुरक्षा प्रमुखों की
5वीं बैठक की मेजबानी की



भारत के 31वें थल सेनाध्यक्ष: जनरल धीरज सेठ

एंडी बर्नहैम ने ब्रिटेन के नए प्रधानमंत्री
के रूप में शपथ ली

SSC CGL, CHSL और अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए

लेखक के विचार

- लेखकों के विचार और मत उनके अपने हैं, और जरूरी नहीं कि यह करंट अफेयर्स पत्रिका या फिजिक्सवाला प्राइवेट लिमिटेड को प्रतिबिंबित करें। उन्हें लेखक या लेखकों के व्यक्ति के दृष्टिकोण के रूप में देखा जाना चाहिए। पत्रिका के विज्ञापन में बताए गए विचारों और विचारों का फिजिक्सवाला प्राइवेट लिमिटेड समर्थन नहीं करता है, न ही यह उनमें किए गए किसी भी दावे की सत्यता को प्रमाणित करता है। यद्यपि पत्रिका में प्रकाशित जानकारी की शुद्धता और वैधता सुनिश्चित करने के लिए बहुत सावधानी बरती गई है, न तो प्रकाशक, संपादक और न ही इसके किसी भी कर्मचारी को किसी भी गलत, संक्षिप्त, निरस्त, छोड़े गए या गलत तरीके से डाले गए डेटा के लिए कोई दायित्व नहीं लेता है।
- सभी अधिकार फिजिक्सवाला प्राइवेट लिमिटेड के द्वारा सुरक्षित हैं। प्रकाशक के लिखित सहमति के बिना, इस प्रकाशन के किसी भी भाग का पुनरुत्पादन नहीं बनाया जा सकता है, पुनः इसे किसी भी रूप में रखा नहीं जा सकता है, या किसी भी तरह से प्रसारित नहीं किया जा सकता है, चाहे वह इलेक्ट्रॉनिक, यांत्रिक, फोटोकॉपी, रिकॉर्डिंग, या अन्य किसी भी रूप में हो।

समावेश

1. राष्ट्रीय समाचार	1
2. अंतरराष्ट्रीय समाचार	11
3. राज्य समाचार.....	16
4. व्यवसाय और अर्थव्यवस्था	22
5. विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी	28
6. रक्षा समाचार.....	33
7. नियुक्तियाँ.....	36
8. समझौता ज्ञापन.....	38
9. शिखर सम्मेलन	40
10. रिपोर्ट्स और सूचकांक.....	42
11. खेल समाचार	47
12. पुरस्कार और सम्मान समाचार.....	51
13. सरकारी योजनाएँ.....	58
14. निधन समाचार.....	62
15. पुस्तकें और लेखक समाचार.....	64
16. महत्वपूर्ण दिवस समाचार	65

सरकार ने बंदरगाह सुरक्षा ब्यूरो (बीओपीएस) की स्थापना की



- भारत सरकार ने समुद्री सुरक्षा को सुदृढ़ करने के लिए बंदरगाह, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय के अधीन बंदरगाह सुरक्षा ब्यूरो (बीओपीएस) की स्थापना की।
- बीओपीएस को देशभर में जहाजों, बंदरगाहों और उनसे संबंधित अवसंरचना की सुरक्षा के लिए शीर्ष नियामक प्राधिकरण के रूप में स्थापित किया गया।
- इस ब्यूरो का गठन नागरिक उड्डयन सुरक्षा ब्यूरो (बीसीएस) की तर्ज पर किया गया है।
- इसे बंदरगाह एवं जहाज सुरक्षा का विनियमन करने, निरीक्षण और लेखा-परीक्षण करने, सुरक्षा मानकों का अनुपालन सुनिश्चित करने तथा विभिन्न सुरक्षा एजेंसियों के बीच समन्वय स्थापित करने की जिम्मेदारी सौंपी गई है।
- ब्यूरो का विशेष ध्यान समुद्री साइबर सुरक्षा पर भी रहेगा, ताकि बंदरगाहों की सूचना प्रौद्योगिकी प्रणालियों और महत्वपूर्ण डिजिटल अवसंरचना को साइबर खतरों से सुरक्षित रखा जा सके।
- प्रारंभिक चरण में बीओपीएस को समुद्री प्रशासन महानिदेशालय (डीजीएम) के अधीन रखा गया है, जिसे पहले नौवहन महानिदेशालय के नाम से जाना जाता था।
- संक्रमण अवधि के दौरान श्याम जगन्नाथन को इस ब्यूरो की देखरेख की जिम्मेदारी सौंपी गई है।
- केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) को बंदरगाह सुविधाओं के लिए मान्यता प्राप्त सुरक्षा संगठन नामित किया गया है तथा उसे सुरक्षा आकलन करने और निजी सुरक्षा कर्मियों के प्रशिक्षण की जिम्मेदारी भी सौंपी गई है।

वर्ष 2025 में भारत दुनिया का सबसे बड़ा जहाज पुनर्चक्रण देश बना



- भारत वर्ष 2025 में दुनिया का सबसे बड़ा जहाज पुनर्चक्रण देश बनकर उभरा। वैश्विक जहाज पुनर्चक्रण में भारत की हिस्सेदारी वर्ष 2024 के 30.1 प्रतिशत से बढ़कर वर्ष 2025 में 35.4 प्रतिशत हो गई।
- संयुक्त राष्ट्र व्यापार और विकास सम्मेलन (यूएनसीटीड) के अनुसार, भारत ने वर्ष 2025 में 29.9 लाख ग्रांस टनेज (जीटी) के जहाजों का पुनर्चक्रण किया।
- इस प्रकार, वर्ष 2025 में जहाज पुनर्चक्रण की मात्रा के मामले में भारत ने सभी देशों को पीछे छोड़ दिया।
- इस उपलब्धि के साथ भारत ने मैरिटाइम इंडिया विजन 2030 का लक्ष्य निर्धारित समय से लगभग पाँच वर्ष पहले ही हासिल कर लिया।
- शिप ब्रेकिंग क्रेडिट नोट योजना, अलंग जहाज पुनर्चक्रण यार्ड का आधुनिकीकरण तथा अंतरराष्ट्रीय पर्यावरणीय मानकों को अपनाने जैसी सरकारी पहलों ने इस सफलता में महत्वपूर्ण योगदान दिया।
- जहाज पुनर्चक्रण से मूल्यवान सामग्रियों की पुनर्प्राप्ति, रोजगार सृजन और सतत समुद्री गतिविधियों को बढ़ावा देकर परिपत्र अर्थव्यवस्था को समर्थन मिलता है।

स्टैटिक जीके

- अलंग जहाज पुनर्चक्रण यार्ड भारत का सबसे बड़ा जहाज तोड़ने का यार्ड है।
- मैरिटाइम इंडिया विजन का उद्देश्य वर्ष 2030 तक भारत के समुद्री क्षेत्र को सशक्त बनाना है।
- भारत की तटरेखा लगभग 7,516 किलोमीटर लंबी है।
- संयुक्त राष्ट्र व्यापार और विकास सम्मेलन (यूएनसीटीड) संयुक्त राष्ट्र का एक स्थायी अंतर-सरकारी निकाय है।

दीक्षा स्कूल शिक्षा के लिए 'एक राष्ट्र, एक डिजिटल मंच' बना



- केंद्र सरकार ने 28 जून 2026 को दीक्षा को स्कूल शिक्षा के लिए भारत का 'एक राष्ट्र, एक डिजिटल मंच' घोषित किया।
- वर्ष 2017 में शुरू किया गया दीक्षा मंच आधारभूत स्तर से कक्षा 12 तक पाठ्यक्रम-आधारित डिजिटल शिक्षण संसाधन उपलब्ध कराता है।
- यह मंच संघीय मॉडल पर आधारित है, जिससे राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को अपनी आवश्यकताओं के अनुसार शैक्षणिक सामग्री तैयार करने की सुविधा मिलती है।
- इस मंच पर 36 भारतीय भाषाओं और 7 विदेशी भाषाओं में क्यूआर-कोड युक्त पाठ्यपुस्तकें, वीडियो, एनीमेशन, वर्चुअल प्रयोगशालाएँ तथा सांकेतिक भाषा संबंधी सामग्री उपलब्ध है।
- दीक्षा निष्ठा जैसे कार्यक्रमों के माध्यम से शिक्षकों के प्रशिक्षण का भी समर्थन करता है तथा स्व-गति प्रमाणन मॉड्यूल उपलब्ध कराता है।
- यह मंच डाउनलोड की जा सकने वाली सामग्री और दिव्यांग शिक्षार्थियों के लिए सुलभता संबंधी सुविधाओं के माध्यम से समावेशी तथा ऑफलाइन शिक्षा भी सुनिश्चित करता है।

स्टैटिक जीके

- दीक्षा का पूर्ण रूप डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर फॉर नॉलेज शेयरिंग है।
- दीक्षा की शुरुआत वर्ष 2017 में की गई थी।
- राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी), केंद्रीय शैक्षिक प्रौद्योगिकी संस्थान (सीआईईटी) के सहयोग से दीक्षा का संचालन करती है।
- निष्ठा दीक्षा से जुड़ा एक शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम है।

भारत ने महाराष्ट्र में पहले अपतटीय हवाई अड्डे को मंजूरी दी



- भारत ने महाराष्ट्र के पालघर जिले के कोरे बीच के निकट देश के पहले अपतटीय हवाई अड्डे के लिए विस्तृत परियोजना प्रतिवेदन (डीपीआर) तैयार करने को मंजूरी दे दी।
- प्रस्तावित हवाई अड्डे की योजना मुंबई महानगर क्षेत्र के तीसरे अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के रूप में बनाई गई है।
- इस परियोजना में दो समानांतर रनवे होंगे, जिनकी वार्षिक क्षमता 9 करोड़ यात्रियों और 30 लाख मीट्रिक टन माल परिवहन की होगी।
- इस परियोजना को उत्तन-विरार सी लिंक, मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन और वधावन बंदरगाह जैसी प्रमुख अवसंरचना परियोजनाओं से जोड़ा गया है।
- इस परियोजना से क्षेत्रीय संपर्क, लॉजिस्टिक्स और आर्थिक विकास को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है।
- निर्माण कार्य वर्ष 2026 में शुरू होने तथा हवाई अड्डे के 2030 के शुरुआती वर्षों में परिचालन शुरू करने की संभावना है।

स्टैटिक जीके

- पालघर जिला महाराष्ट्र में स्थित है।
- छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा मुंबई का प्रमुख परिचालित हवाई अड्डा है।
- अपतटीय हवाई अड्डों का निर्माण पुनः प्राप्त भूमि (रिक्लेम्ड लैंड) या समुद्री संरचनाओं पर किया जाता है।
- वधावन बंदरगाह महाराष्ट्र की एक प्रमुख प्रस्तावित बंदरगाह परियोजना है।

मातृ स्वास्थ्य के लिए 'सुमन रोडमैप 2030' लॉन्च



- केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जगत प्रकाश नड्डा ने 29 जून 2026 को नई दिल्ली में सुमन रोडमैप 2030 का शुभारंभ किया।
- यह रोडमैप सतत विकास लक्ष्यों के अनुरूप मातृ एवं नवजात स्वास्थ्य सेवाओं के लिए एक रणनीतिक रूपरेखा प्रदान करता है।

- इसका उद्देश्य शून्य मातृ मृत्यु, शून्य शिशु मृत्यु, सार्वभौमिक प्रसवपूर्व देखभाल, संस्थागत प्रसव और पूर्ण टीकाकरण सुनिश्चित करना है।
- इस रूपरेखा में गर्भधारण-पूर्व, प्रसवपूर्व, प्रसव और प्रसवोत्तर देखभाल को शामिल करते हुए जीवन-चक्र आधारित दृष्टिकोण अपनाया गया है।
- 13 उच्च-प्राथमिकता वाले राज्यों के 130 जिलों में लक्षित हस्तक्षेप की योजना बनाई गई है।
- इस रोडमैप में डिजिटल निगरानी, उच्च जोखिम वाली गर्भावस्थाओं का प्रबंधन, सामुदायिक भागीदारी तथा मातृ स्वास्थ्य अवसंरचना को सुदृढ़ बनाने पर विशेष बल दिया गया है।

स्टैटिक जीके

- मातृ मृत्यु अनुपात (एमएमआर) प्रति 1,00,000 जीवित जन्मों पर मापा जाता है।
- नवजात मृत्यु दर (एनएमआर) जन्म के बाद पहले 28 दिनों के भीतर होने वाली मृत्यु को दर्शाती है।
- शिशु मृत्यु दर (आईएमआर) एक वर्ष की आयु पूरी होने से पहले होने वाली मृत्यु को दर्शाती है।
- आशा (ASHA) कार्यकर्ता भारत की सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रणाली के अंतर्गत कार्यरत सामुदायिक स्वास्थ्य कार्यकर्ता हैं।

आकाशवाणी ने भारत की 90 वर्ष की संगीत विरासत के उपलक्ष्य में 'स्वर प्रेरणा वीथिका' की शुरुआत की



- आकाशवाणी ने अपनी 90वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में तथा वर्ष 2027 में भारत में रेडियो प्रसारण के 100 वर्ष पूरे होने से पहले 'स्वर प्रेरणा वीथिका' नामक महान भारतीय संगीतकारों को समर्पित एक स्थायी फोटो गैलरी की शुरुआत की।
- इस गैलरी का उद्घाटन पद्म विभूषण पंडित हरिप्रसाद चौरसिया ने नई दिल्ली स्थित आकाशवाणी रंग भवन सभागार में किया।
- गैलरी के प्रथम चरण में 20 प्रतिष्ठित संगीतकारों के चित्र प्रदर्शित किए गए हैं, जिनमें भारत रत्न से सम्मानित एम.एस. सुब्बुलक्ष्मी, पंडित रवि शंकर, लता मंगेशकर, उस्ताद बिस्मिल्लाह खान, पंडित भीमसेन जोशी और भूपेन हजारिका शामिल हैं।

- यह पहल आकाशवाणी से जुड़े कलाकारों को सम्मानित करने के साथ-साथ भारत की संगीत विरासत के संरक्षण और भावी पीढ़ी के संगीतकारों तथा शोधकर्ताओं को प्रेरित करने के उद्देश्य से शुरू की गई है।
- आकाशवाणी ने पिछले लगभग नौ दशकों से शास्त्रीय, लोक, भक्ति एवं क्षेत्रीय संगीत के संरक्षण और महान कलाकारों की प्रस्तुतियों के रिकॉर्ड सुरक्षित रखने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका को भी रेखांकित किया।
- आकाशवाणी ने यूट्यूब, न्यूज़-ऑन-एयर ऐप तथा वेब्स ओटीटी प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध 24x7 संगीत चैनल 'रागम' और 'आराधना' के माध्यम से अपनी डिजिटल उपस्थिति का भी विस्तार किया।

स्टैटिक जीके

- आकाशवाणी भारत के राष्ट्रीय सार्वजनिक रेडियो प्रसारक ऑल इंडिया रेडियो (एआईआर) का आधिकारिक नाम है।
- आकाशवाणी प्रसार भारती के अधीन कार्य करती है।
- प्रसार भारती की स्थापना प्रसार भारती अधिनियम, 1990 के तहत एक वैधानिक स्वायत्त संस्था के रूप में की गई थी।

भारतीय उद्योग नेताओं को 'एआई फॉर गुड ग्लोबल कमीशन' में शामिल किया



- अंतरराष्ट्रीय दूरसंचार संघ (आईटीयू) और सेल्सफोर्स ने 3 जुलाई 2026 को कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के जिम्मेदार एवं समावेशी विकास को बढ़ावा देने के लिए 'एआई फॉर गुड ग्लोबल कमीशन' की शुरुआत की।
- भारतीय उद्योग जगत के प्रमुख नेताओं मुकेश अंबानी, सुनील भारती मित्तल, लक्ष्मी एन. मित्तल और विशाल तलवार को इस आयोग के संस्थापक सदस्यों के रूप में शामिल किया गया।
- यह आयोग सरकारों, उद्योग जगत, शिक्षाविदों तथा अंतरराष्ट्रीय संगठनों के 40 से अधिक वैश्विक नेताओं को एक मंच पर लाकर विश्वसनीय कृत्रिम बुद्धिमत्ता, डिजिटल विभाजन को कम करने तथा सतत विकास को बढ़ावा देने का कार्य करेगा।

- इस पहल की संयुक्त घोषणा रवांडा के राष्ट्रपति पॉल कागामे, सेल्सफोर्स के चेयरमैन एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) मार्क बेनिओफ तथा आईटीयू की महासचिव डोरीन बोगडान-मार्टिन ने की।
- पॉल कागामे आयोग के सह-अध्यक्ष तथा डोरीन बोगडान-मार्टिन इसकी उपाध्यक्ष हैं।
- आयोग की पहली बैठक 7 से 10 जुलाई 2026 के बीच जिनेवा (स्विट्जरलैंड) में आयोजित होने वाले एआई फॉर गुड ग्लोबल समिट 2026 के दौरान होगी।

स्टैटिक जीके

- अंतरराष्ट्रीय दूरसंचार संघ (आईटीयू) सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी के लिए संयुक्त राष्ट्र की विशिष्ट एजेंसी है।
- आईटीयू का मुख्यालय जिनेवा, स्विट्जरलैंड में स्थित है।
- सेल्सफोर्स एक अमेरिकी क्लाउड-आधारित सॉफ्टवेयर कंपनी है, जिसका मुख्यालय सैन फ्रांसिस्को, कैलिफोर्निया (संयुक्त राज्य अमेरिका) में स्थित है।
- एआई फॉर गुड ग्लोबल समिट एक अंतरराष्ट्रीय मंच है, जिसका उद्देश्य सतत विकास लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता के उपयोग को बढ़ावा देना है।

माइक्रोसॉफ्ट और लाइटस्टॉर्म ने आई-2एसईए समुद्री केबल परियोजना के लिए साझेदारी की



- माइक्रोसॉफ्ट और सिंगापुर स्थित लाइटस्टॉर्म ने टाटा कम्युनिकेशंस, सिंगटेल, आसियान केबलशिप तथा एनईसी कॉर्पोरेशन के साथ मिलकर आई-2एसईए समुद्री केबल प्रणाली विकसित करने के लिए साझेदारी की।
- 3,600 किलोमीटर लंबी इंडिया-2-साउथईस्ट एशिया (आई-2एसईए) पनडुब्बी केबल भारत को मलेशिया और सिंगापुर से जोड़ेगी, जिससे क्षेत्रीय डिजिटल संपर्क को मजबूती मिलेगी।
- इस परियोजना का उद्देश्य कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), हाइपरस्केल क्लाउड सेवाओं, डेटा सेंट्रों तथा उच्च क्षमता और कम विलंबता वाली डिजिटल अवसंरचना के विकास को बढ़ावा देना है।
- इस केबल का एक प्रमुख लैंडिंग स्टेशन आंध्र प्रदेश के मछलीपट्टनम में स्थापित किया जाएगा।

- आई-2एसईए केबल के 2029 की चौथी तिमाही तक परिचालन शुरू होने की उम्मीद है।
- परियोजना पूरी होने के बाद लाइटस्टॉर्म का नेटवर्क भारत में जुड़े एआई और क्लाउड ज़ोन की संख्या 19 से बढ़कर 29 हो जाएगी।

स्टैटिक जीके

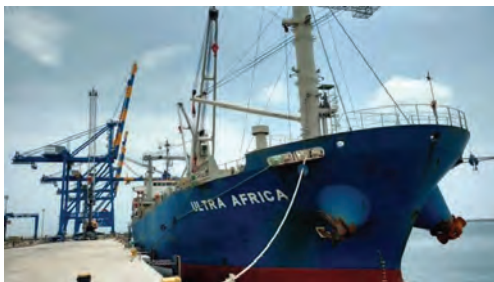
- विश्व के लगभग 95% अंतरराष्ट्रीय इंटरनेट ट्रैफिक का संचार पनडुब्बी फाइबर-ऑप्टिक केबलों के माध्यम से होता है।
- वर्तमान में भारत लगभग 17 सक्रिय पनडुब्बी केबल प्रणालियों के माध्यम से वैश्विक इंटरनेट नेटवर्क से जुड़ा हुआ है।
- हाइपरस्केल क्लाउड अवसंरचना बड़े डेटा सेंट्रों पर आधारित ऐसी प्रणाली है, जो अत्यधिक विस्तार योग्य क्लाउड सेवाएँ प्रदान करती है।
- एनईसी कॉर्पोरेशन एक बहुराष्ट्रीय सूचना प्रौद्योगिकी एवं इलेक्ट्रॉनिक्स कंपनी है, जिसका मुख्यालय टोक्यो, जापान में स्थित है।

जनजातीय कार्य मंत्रालय ने 'ट्राइबएक्स' की शुरुआत की



- जनजातीय कार्य मंत्रालय ने जनजातीय कला, संस्कृति, भाषाओं और पारंपरिक ज्ञान के लिए भारत का पहला समर्पित डिजिटल शिक्षण मंच 'ट्राइबएक्स' लॉन्च किया।
- केंद्रीय जनजातीय कार्य मंत्री जुएल ओराम ने ओडिशा के भुवनेश्वर में आयोजित जनजातीय अनुसंधान संस्थानों को सुदृढ़ बनाने पर राष्ट्रीय कार्यशाला के दौरान इस मंच का शुभारंभ किया।
- ट्राइबएक्स जनजातीय ज्ञान के प्रामाणिक स्रोतों के माध्यम से ऑनलाइन शिक्षण, डिजिटल दस्तावेजीकरण, शोध सहयोग तथा कौशल विकास की सुविधा प्रदान करता है।
- इस मंच की शुरुआत 20 निःशुल्क प्रमाणपत्र पाठ्यक्रमों के साथ की गई है तथा भविष्य में इसे 100 से अधिक पाठ्यक्रमों तक विस्तारित किया जाएगा, जिनमें जनजातीय कला, हस्तशिल्प, वस्त्र, संगीत और पारंपरिक प्रथाएँ शामिल होंगी।
- यह मंच जनजातीय अध्ययन में यूजीसी-मान्यता प्राप्त एक वर्षीय पाँच हाइब्रिड स्नातकोत्तर डिप्लोमा कार्यक्रम भी उपलब्ध कराता है।
- इन डिप्लोमा कार्यक्रमों के लिए शैक्षणिक सहयोग प्रदान करने हेतु मंत्रालय ने वाराणसी स्थित संपूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय के साथ समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए।

कामराजर बंदरगाह 18 मीटर परिचालन ड्राफ्ट वाला भारत का दूसरा प्रमुख बंदरगाह बना



- कामराजर बंदरगाह (तमिलनाडु) ₹440 करोड़ की कैपिटल ड्रेजिंग चरण-6 परियोजना पूरी होने के बाद 18 मीटर परिचालन ड्राफ्ट हासिल करने वाला विशाखापत्तनम बंदरगाह के बाद भारत का दूसरा प्रमुख बंदरगाह बन गया।
- उन्नत अवसंरचना के कारण अब यह बंदरगाह 1,70,000 डेडवेट टन (डीडव्यूटी) तक की पूर्णतः लदी केपसाइज जहाजों को संभालने में सक्षम हो गया है, जिससे माल प्रबंधन क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।
- इस परियोजना के तहत एप्रोच चैनल, हार्बर बेसिन तथा बर्थों की गहराई बढ़ाई गई, जिससे कामराजर बंदरगाह एक केप-कम्प्लायंट बंदरगाह बन गया।
- बढ़े हुए परिचालन ड्राफ्ट से लॉजिस्टिक्स लागत कम होने, टर्नअराउंड समय में सुधार, निर्यात-आयात (एक्सिम) व्यापार की दक्षता बढ़ने तथा भारत की समुद्री अवसंरचना को मजबूती मिलने की उम्मीद है।

स्टैटिक जीके

- स्थान – एन्नोर, तमिलनाडु
- 18 मीटर परिचालन ड्राफ्ट वाला भारत का पहला प्रमुख बंदरगाह – विशाखापत्तनम बंदरगाह
- केपसाइज जहाज विश्व के सबसे बड़े शुष्क थोक मालवाहक जहाजों में शामिल हैं।

भारत ने अपनी पहली ग्रीनफील्ड रिफाइनरी-सह-पेट्रोकेमिकल परियोजना शुरू की



- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 4 जुलाई 2026 को राजस्थान के बालोतरा जिले के पचपदरा में भारत की पहली ग्रीनफील्ड एकीकृत रिफाइनरी-सह-पेट्रोकेमिकल परियोजना का उद्घाटन किया।

- यह परियोजना हिंदुस्तान पेट्रोलीयम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल) और राजस्थान सरकार का संयुक्त उपक्रम है, जिसमें दोनों की हिस्सेदारी क्रमशः 74% और 26% है।
- इस परियोजना का विकास 79,450 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से किया गया है।
- इसकी रिफाइनिंग क्षमता 9 एमएमटीपीए तथा पेट्रोकेमिकल उत्पादन क्षमता 2.4 एमएमटीपीए है।
- यह एकीकृत परिसर कच्चे तेल की रिफाइनरी और पेट्रोकेमिकल इकाइयों को जोड़ता है, जिससे प्लास्टिक, पॉलिमर और रसायन जैसे डाउनस्ट्रीम उद्योगों को बढ़ावा मिलेगा।
- यह परियोजना राजस्थान में विकसित होने वाले पेट्रोकेमिकल एवं प्लास्टिक पार्क की आधारशिला के रूप में कार्य करेगी।
- 20 अप्रैल 2026 को क्रूड डिस्टिलेशन यूनिट (सीडीयू) में आग लगने के कारण उद्घाटन स्थगित कर दिया गया था। बाद में इकाई के संचालन पुनः शुरू होने के बाद इसका उद्घाटन किया गया।
- एचपीसीएल की योजना वर्ष 2026 की चौथी तिमाही में पेट्रोकेमिकल इकाइयों को चालू करने की है, जबकि आंशिक संचालन नवंबर-दिसंबर 2026 तक शुरू होने की उम्मीद है।
- इस यात्रा के दौरान जोधपुर हवाई अड्डा टर्मिनल और जयपुर मेट्रो फेज-2 सहित लगभग 1.06 लाख करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं का उद्घाटन एवं शिलान्यास भी किया गया।

सरकार ने नवी मुंबई हवाई अड्डे को दवा आयात बंदरगाह घोषित किया



- भारत सरकार ने औषधि नियम, 1945 के नियम 43A के तहत नवी मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे को दवाओं के आयात के लिए अधिसूचित बंदरगाह घोषित किया।
- स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने औषधि तकनीकी सलाहकार बोर्ड (डीटीएबी) से परामर्श के बाद 8 जुलाई 2026 को यह अधिसूचना जारी की।
- नियम 43A में संशोधन कर नवी मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे को अधिकृत दवा आयात बंदरगाहों की सूची में शामिल किया गया, जिससे दवा क्षेत्र की लॉजिस्टिक्स और व्यापार सुविधा को बढ़ावा मिलेगा।

- इस संशोधन के बाद भारत में दवा आयात के लिए अधिसूचित बंदरगाहों की कुल संख्या 42 हो गई है, जिनमें हवाई अड्डे, समुद्री बंदरगाह, सड़क प्रवेश बिंदु और रेल प्रवेश बिंदु शामिल हैं।
- इस निर्णय का उद्देश्य दवा आपूर्ति श्रृंखला को मजबूत करना, मौजूदा बंदरगाहों पर भीड़ कम करना, लॉजिस्टिक्स दक्षता बढ़ाना तथा व्यवसाय सुगमता (Ease of Doing Business) को बढ़ावा देना है।
- यह अधिसूचना औषधि एवं प्रसाधन सामग्री अधिनियम, 1940 के प्रावधानों के तहत जारी की गई।

स्टैटिक जीके

- औषधि एवं प्रसाधन सामग्री अधिनियम वर्ष 1940 में लागू किया गया था।
- औषधि नियम वर्ष 1945 में अधिसूचित किए गए थे।
- नियम 43A भारत में दवाओं के आयात के लिए अधिकृत बंदरगाहों को निर्दिष्ट करता है।
- औषधि तकनीकी सलाहकार बोर्ड (डीटीएबी) भारत में दवाओं और प्रसाधन सामग्री से संबंधित मामलों का सर्वोच्च वैधानिक तकनीकी सलाहकार निकाय है।
- भारत में अब दवाओं के आयात के लिए 42 अधिसूचित बंदरगाह हैं।

भारत ने गहरे समुद्र में मत्स्यन के लिए एलओए व्यवस्था शुरू की



- भारत ने सतत गहरे समुद्र में मत्स्यन को बढ़ावा देने, ब्लू इकोनॉमी को मजबूत करने और सीफूड निर्यात बढ़ाने के लिए नई लेटर ऑफ ऑथराइजेशन (एलओए) व्यवस्था शुरू की।
- उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने इस पहल की शुरुआत की, जिससे भारतीय मछली पकड़ने वाले पोत एक्सक्लूसिव इकोनॉमिक ज़ोन (ईईजेड) और खुले समुद्र में सतत रूप से मत्स्यन कर सकेंगे।
- एलओए व्यवस्था ने गहरे समुद्र में मत्स्यन के लिए अनुमति प्रक्रिया को सरल बनाया है। इसका उद्देश्य अधिक दोहन वाले तटीय मत्स्य संसाधनों पर दबाव कम करना तथा उच्च मूल्य वाली समुद्री प्रजातियों के दोहन को बढ़ावा देना है।
- भारत की 11,000 किमी से अधिक लंबी तटरेखा और लगभग 24 लाख वर्ग किमी का एक्सक्लूसिव इकोनॉमिक ज़ोन (ईईजेड) गहरे समुद्र में मत्स्यन की व्यापक संभावनाएँ प्रदान करता है।

- इस पहल का उद्देश्य मछुआरों की आय बढ़ाना, रोजगार के अवसर सृजित करना, फिश फार्मर प्रोड्यूसर ऑर्गेनाइजेशन्स (एफएफपीओ) तथा मत्स्य सहकारी समितियों को सशक्त बनाना और समुद्री संसाधनों के सतत उपयोग को बढ़ावा देना है।
- सरकार के अनुसार, भारत विश्व का दूसरा सबसे बड़ा मछली उत्पादक देश है, जो वैश्विक मछली उत्पादन में लगभग 8% का योगदान देता है। पिछले वित्त वर्ष में भारत ने लगभग ₹73,000 करोड़ मूल्य के सीफूड का निर्यात किया।
- ओडिशा ने भी ₹2,295.45 करोड़ की लागत से ओडिशा डीप सी फिशिंग मिशन (2026–2036) शुरू किया है, जिसका उद्देश्य गहरे समुद्र में मत्स्यन अवसंरचना का विकास करना और समुद्री निर्यात को बढ़ावा देना है।

स्टैटिक जीके

- एक्सक्लूसिव इकोनॉमिक ज़ोन (ईईजेड) किसी देश की आधार रेखा से 200 समुद्री मील तक विस्तृत होता है। यह प्रावधान यूनाइटेड नेशंस कन्वेंशन ऑन द लॉ ऑफ द सी (यूएनक्लॉस) के तहत निर्धारित है।
- भारत ने 1982 में यूनाइटेड नेशंस कन्वेंशन ऑन द लॉ ऑफ द सी (यूएनक्लॉस) पर हस्ताक्षर किए तथा 1995 में इसकी पुष्टि की।
- मत्स्य पालन, पशुपालन एवं डेयरी मंत्रालय को 2019 में एक पृथक मंत्रालय के रूप में स्थापित किया गया।
- ब्लू इकोनॉमी आर्थिक विकास, बेहतर आजीविका और समुद्री पारिस्थितिकी तंत्र के संरक्षण के लिए समुद्री संसाधनों के सतत उपयोग को बढ़ावा देती है।

सेंट्रल विस्टा का नाम बदलकर कर्तव्य भवन क्षेत्र किया गया



- भारत सरकार ने सेंट्रल विस्टा पुनर्विकास क्षेत्र का नाम बदलकर कर्तव्य भवन क्षेत्र या कर्तव्य भवन कॉम्प्लेक्स कर दिया।
- केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल ने घोषणा की कि सभी मंत्रालय और विभाग आधिकारिक दस्तावेजों में “सेंट्रल विस्टा” के स्थान पर नए नाम “कर्तव्य भवन क्षेत्र” का उपयोग करें।
- सरकार ने कहा कि नया नाम “कर्तव्य” की भावना को दर्शाता है और औपनिवेशिक काल की शब्दावली को बदलने के प्रयासों के अनुरूप है।
- कर्तव्य भवन क्षेत्र में कर्तव्य भवन, कर्तव्य पथ, कॉमन सेंट्रल सेक्रेटेरिएट तथा पुनर्विकास परियोजना के तहत विकसित अन्य सरकारी कार्यालय भवन शामिल हैं।

- यह नाम परिवर्तन प्रशासनिक स्थलों को जनसेवा और राष्ट्रीय मूल्यों को दर्शाने वाले नाम देने की सरकार की पहल का हिस्सा है।

स्टैटिक जीके

- कर्तव्य पथ का नाम 2022 में राजपथ से बदलकर रखा गया था।
- सेंट्रल विस्टा पुनर्विकास परियोजना के तहत 10 कॉमन सेंट्रल सेक्रेटरीएट भवनों का निर्माण किया जा रहा है।

भारत ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की अस्थायी सदस्यता के लिए अभियान शुरू किया



- भारत ने 2028-29 कार्यकाल के लिए संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) की अस्थायी सदस्यता हेतु अपना अभियान शुरू किया।
- विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने न्यूयॉर्क स्थित संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में इस अभियान और भारत के शांति (SHANTI) विज्ञान का शुभारंभ किया।
- भारत ने जून 2027 में होने वाले चुनाव में एशिया-प्रशांत समूह की सीट के लिए ताजिकिस्तान के खिलाफ अपनी उम्मीदवारी पेश की।
- SHANTI का अर्थ है सेक्योरिंग होलिस्टिक एडवांसमेंट थ्रू नॉर्मर्स, ट्रस्ट एंड इंटीग्रिटी (SHANTI)।
- SHANTI विज्ञान का मुख्य फोकस शांति स्थापना, समुद्री सुरक्षा, आतंकवाद एवं आतंकवाद के वित्तपोषण पर रोक, जिम्मेदार एआई, सतत विकास तथा वैश्विक संस्थानों में सुधार पर है।
- इस अभियान के माध्यम से भारत ने ग्लोबल साउथ के हितों को आगे बढ़ाने तथा सर्वसम्मति आधारित बहुपक्षीय सहयोग को समर्थन देने पर जोर दिया।
- भारत अब तक यूएनएससी का आठ बार अस्थायी सदस्य रह चुका है, जिसमें उसका सबसे हालिया कार्यकाल 2021-22 का था।

स्टैटिक जीके

- भारत 1945 में संयुक्त राष्ट्र (यूएन) का संस्थापक सदस्य बना था।
- संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) की स्थापना 1945 में संयुक्त राष्ट्र चार्टर के तहत हुई थी।

- यूएनएससी में 15 सदस्य होते हैं, जिनमें 5 स्थायी और 10 अस्थायी सदस्य शामिल हैं।
- यूएनएससी के अस्थायी सदस्यों का चुनाव संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) द्वारा दो वर्ष के कार्यकाल के लिए किया जाता है।
- यूएनएससी के पाँच स्थायी सदस्य चीन, फ्रांस, रूस, यूनाइटेड किंगडम (यूके) और संयुक्त राज्य अमेरिका (यूएस) हैं।

भारत टेक्स 2026 वस्त्र व्यापार प्रदर्शनी आयोजित



- भारत टेक्स 2026 का आयोजन 14 जुलाई से 17 जुलाई 2026 तक नई दिल्ली के भारत मंडपम और यशोभूमि में किया गया।
- यह वस्त्र एवं परिधान व्यापार मंच का तीसरा संस्करण था, जिसका आयोजन भारत टेक्स ट्रेड फेडरेशन ने कपड़ा मंत्रालय के सहयोग से किया।
- यह प्रदर्शनी 16 लाख वर्ग फुट से अधिक क्षेत्र में आयोजित की गई, जिसमें 20,000 से अधिक वस्त्र उत्पादों का प्रदर्शन किया गया।
- इस आयोजन का मुख्य फोकस सस्टेनेबिलिटी, सर्कुलर इकोनॉमी, नवाचार, इंडस्ट्री 5.0, डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन, टेक्निकल टेक्सटाइल्स तथा निर्यात प्रतिस्पर्धा पर रहा।
- इस प्रदर्शनी में 20 से अधिक देशों के 7,000 से अधिक खरीदारों और 1,30,000 व्यापारिक आगंतुकों के भाग लेने की उम्मीद थी।
- मध्य प्रदेश, बिहार, उत्तर प्रदेश, पंजाब, महाराष्ट्र, गुजरात, कर्नाटक और तमिलनाडु सहित आठ राज्यों ने प्रायोजक राज्य के रूप में भाग लिया।

स्टैटिक जीके

- भारत मंडपम नई दिल्ली के प्रगति मैदान में स्थित है।
- यशोभूमि नई दिल्ली स्थित इंडिया इंटरनेशनल कन्वेंशन एंड एक्सपो सेंटर है।
- 5F विज्ञान का अर्थ है फार्म टू फाइबर टू फैक्ट्री टू फैशन टू फॉरेन।

कर्नाटक में थोरियम और दुर्लभ मृदा तत्वों के भंडार मिले

- जीएसआई ने कर्नाटक के चामराजनगर जिले की गुंडलपेट तालुक में थोरियम युक्त खनिज भंडार की पहचान की।

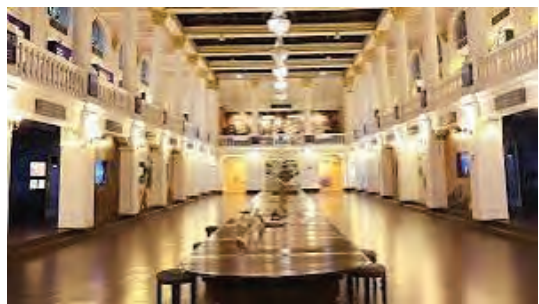


- ये भंडार लगभग 700 एकड़ क्षेत्र में फैले हैं, जिनमें कूथानूर और आसपास के गांव शामिल हैं।
- इस भंडार में मोनाजाइट नामक फॉस्फेट खनिज पाया गया है, जो थोरियम, यूरेनियम तथा रेयर अर्थ एलिमेंट्स का प्रमुख स्रोत है।
- केंद्र सरकार ने 20 एकड़ के कोर ज़ोन को संभावित कमर्शियल माइनिंग की नीलामी के लिए चिन्हित किया है।
- इस खोज से भारत की मिनरल सिक्योरिटी मजबूत होगी तथा न्यूक्लियर एनर्जी और हाई-टेक इंडस्ट्रीज़ को बढ़ावा मिलेगा।

स्टैटिक जीके

- जीएसआई (भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण) का मुख्यालय कोलकाता, पश्चिम बंगाल में स्थित है।
- जीएसआई की स्थापना 1851 में हुई थी।
- जीएसआई खान मंत्रालय के अधीन कार्य करता है।

कोलकाता में भारत के पहले इमर्सिव भाषा संग्रहालय का उद्घाटन



- भारत के पहले इमर्सिव भाषा संग्रहालय 'शब्दलोक (म्यूज़ियम ऑफ वर्ड)' का उद्घाटन जुलाई 2026 में कोलकाता स्थित राष्ट्रीय पुस्तकालय परिसर में किया गया।
- यह संग्रहालय केंद्रीय संस्कृति मंत्रालय के अधीन कार्य करता है और बेल्वेडियर हाउस में स्थित है।
- शब्दलोक में 2011 की जनगणना में दर्ज 121 भाषाओं सहित लगभग 380 भाषाओं के माध्यम से भारत की भाषाई विरासत और भाषाओं के ऐतिहासिक विकास को प्रदर्शित किया गया है।

- संग्रहालय में नौ गैलरियां हैं, जिनमें टचस्क्रीन, जेस्चर सेंसर, ऑडियो-विजुअल इंस्टॉलेशन, होलोग्राम और इमर्सिव डिस्प्ले सिस्टम जैसी इंटरैक्टिव प्रदर्शनी लगाई गई हैं।
- यहां आगंतुकों के अनुभव को बेहतर बनाने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), ऑगमेंटेड रियलिटी (एआर) और वर्चुअल रियलिटी (वीआर) जैसी तकनीकों का उपयोग किया गया है।

स्टैटिक जीके

- शब्दलोक भारत का पहला इमर्सिव भाषा संग्रहालय है।
- बेल्वेडियर हाउस कोलकाता स्थित राष्ट्रीय पुस्तकालय परिसर में स्थित है।
- भारत की 2011 की जनगणना में 121 भाषाएं दर्ज की गई थीं।
- राष्ट्रीय पुस्तकालय भारत का सबसे बड़ा पुस्तकालय है और यह कोलकाता में स्थित है।

भारत ने डिजिटल मासिक टोल पास शुरू किया



- भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचआई) ने जुलाई 2026 में राजमार्गयात्रा मोबाइल ऐप पर डिजिटल लोकल पास सुविधा शुरू की।
- इस सुविधा के तहत किसी पात्र टोल प्लाजा से 20 किलोमीटर के दायरे में रहने वाले निवासी उस टोल प्लाजा से असीमित आवागमन के लिए मासिक पास खरीद सकते हैं।
- इस प्रणाली में डिजिटलॉकर, वाहन (VAHAN) और जीआईएस आधारित लोकेशन सत्यापन के माध्यम से सहमति-आधारित सत्यापन की व्यवस्था की गई है।
- उपयोगकर्ता राजमार्गयात्रा ऐप के माध्यम से टोल प्लाजा पर जाए बिना पूरी आवेदन प्रक्रिया डिजिटल रूप से पूरी कर सकते हैं।
- इस सुविधा की शुरुआत सबसे पहले दिल्ली के अर्बन एक्सटेंशन रोड-II स्थित मुंडका-बकरवाला टोल प्लाजा पर की गई।
- एनएचआई ने राष्ट्रीय राजमार्ग उपयोगकर्ताओं को डिजिटल सहायता प्रदान करने के लिए राजमार्गयात्रा ऐप पर एआई-सक्षम मार्गमित्र हेल्प सेंटर भी शुरू किया।

स्टैटिक जीके

- फास्टैग (FASTag) भारत की रेडियो फ्रीक्वेंसी आइडेंटिफिकेशन (RFID) तकनीक पर आधारित इलेक्ट्रॉनिक टोल संग्रह प्रणाली है।

- भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) भारत में राष्ट्रीय राजमार्गों के विकास, रखरखाव और प्रबंधन के लिए जिम्मेदार वैधानिक प्राधिकरण है।
- डिजिटल इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के तहत संचालित डिजिटल दस्तावेज वॉलेट प्लेटफॉर्म है।
- वाहन (VAHAN) भारत का राष्ट्रीय वाहन पंजीकरण डेटाबेस है।
- जीआईएस (भौगोलिक सूचना प्रणाली) का उपयोग स्थान-आधारित सत्यापन और मैपिंग सेवाओं के लिए किया जाता है।

भारत ने अपनी पहली 100 मेगावाट-घंटा फ्लो बैटरी परियोजना को मंजूरी दी



- भारत ने अपनी पहली 100 मेगावाट-घंटा वैनाडियम रेडॉक्स फ्लो बैटरी परियोजना को गुजरात के खावड़ा सोलर पार्क में मंजूरी दी।
- एनटीपीसी रिन्यूएबल एनर्जी लिमिटेड ने जुलाई 2026 में इस परियोजना का अनुबंध प्रदान किया। इसका कार्यान्वयन 2027 में शुरू होने की योजना है तथा इसके संचालन एवं रखरखाव की अवधि 10 वर्ष निर्धारित की गई है।
- बोंडाडा इंजीनियरिंग लिमिटेड को इस परियोजना का ईपीसी (इंजीनियरिंग, प्रोक्योरमेंट एंड कंस्ट्रक्शन) अनुबंध मिला, जबकि डिलेक्ट्रिक सिस्टम्स प्राइवेट लिमिटेड को इसका प्रौद्योगिकी साझेदार बनाया गया।
- यह परियोजना भारत की पहली और सबसे बड़ी ग्रिड-स्तरीय वैनाडियम रेडॉक्स फ्लो बैटरी (वीआरएफबी) प्रणाली तथा पूरी तरह भारत में डिजाइन, इंजीनियर और निर्मित पहली गैर-लिथियम ग्रिड-स्तरीय बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणाली बन गई है।
- यह बैटरी प्रणाली खावड़ा सोलर पार्क में नवीकरणीय ऊर्जा के एकीकरण, ग्रिड संतुलन और पीक लोड प्रबंधन में सहायता करेगी।

स्टैटिक जीके

- वैनाडियम रेडॉक्स फ्लो बैटरी (वीआरएफबी) वैनाडियम आधारित तरल इलेक्ट्रोलाइट में ऊर्जा का भंडारण करती है।
- ग्रिड-स्तरीय बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणालियों का उपयोग विद्युत ग्रिड स्तर पर ऊर्जा भंडारण के लिए किया जाता है।
- खावड़ा सोलर पार्क गुजरात में स्थित है और 2029 तक इसकी क्षमता 30 गीगावाट तक पहुंचाने की योजना है।

केंद्र ने पूर्व अग्निवीरों के लिए केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों में 50% आरक्षण की घोषणा की



- केंद्र सरकार ने केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों (सीएपीएफ) में कांस्टेबल (जीडी) तथा असम राइफल्स में राइफलमैन के पदों पर भर्ती के लिए पूर्व अग्निवीरों को 50% आरक्षण देने की घोषणा की।
- गृह मंत्रालय ने भर्ती के लिए पूर्व अग्निवीर की एक अलग श्रेणी बनाई है।
- पूर्व अग्निवीरों को आयु सीमा में तीन वर्ष की छूट मिलेगी, जबकि पहले बैच को कुल आठ वर्ष की आयु छूट प्रदान की जाएगी।
- पात्र उम्मीदवारों को शारीरिक मानक परीक्षण (पीएसटी), शारीरिक दक्षता परीक्षा (पीडीटी) और लिखित परीक्षा से छूट दी जाएगी।
- इस नीति के तहत अभी तक कोई भर्ती नहीं हुई है, क्योंकि अग्निवीरों के पहले बैच का चार वर्ष का कार्यकाल अभी पूरा नहीं हुआ है।

स्टैटिक जीके

- केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सीएपीएफ) गृह मंत्रालय के अधीन कार्य करते हैं।
- अग्निपथ योजना की शुरुआत 2022 में चार वर्ष की सैन्य सेवा के लिए की गई थी।

पूर्व इसरो प्रमुख डॉ. एस. सोमनाथ अग्निकुल कॉसमॉस से जुड़े



- पूर्व इसरो अध्यक्ष डॉ. एस. सोमनाथ अग्निकुल कॉसमॉस के निदेशक मंडल में ऑब्जर्वर के रूप में शामिल हुए।
- अग्निकुल कॉसमॉस ने उन्हें मिशन-02 की तैयारी के तहत नियुक्त किया, जिसमें ऑर्बिटल-श्रेणी के रॉकेट बूस्टर की रिकवरी और कक्षा में संचालित होने वाले अपर-स्टेज प्लेटफॉर्म का परीक्षण किया जाएगा।
- मिशन-02 का प्रक्षेपण दो-चरणीय अग्निबाण प्रक्षेपण यान के माध्यम से किया जाएगा।

- यह मिशन स्वदेशी सेमी-क्रायोजेनिक प्रणोदन तकनीक तथा 3डी-प्रिंटेड रॉकेट इंजन का प्रदर्शन करेगा।
- अग्निकुल कॉसमॉस के अनुसार, डॉ. एस. सोमनाथ का अनुभव कंपनी के अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी विकास के अगले चरण को आगे बढ़ाने में सहायक होगा।
- इसरो के अध्यक्ष के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान डॉ. एस. सोमनाथ ने चंद्रयान-3 और आदित्य-एल1 सहित कई प्रमुख मिशनों का नेतृत्व किया।

स्टैटिक जीके

- डॉ. एस. सोमनाथ इसरो के पूर्व अध्यक्ष हैं।
- अग्निकुल कॉसमॉस तमिलनाडु के चेन्नई स्थित एक अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी स्टार्टअप है।
- अग्निबाण अग्निकुल कॉसमॉस द्वारा विकसित दो-चरणीय प्रक्षेपण यान है।
- आदित्य-एल1 भारत का पहला सौर वेधशाला मिशन है।
- चंद्रयान-3 ने चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुवीय क्षेत्र के निकट भारत की पहली सफल सॉफ्ट लैंडिंग कराई।

प्रधानमंत्री मोदी ने भारत की पहली स्वदेशी हाइड्रोजन-संचालित ट्रेन को हरी झंडी दिखाई



- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हरियाणा के जींद रेलवे स्टेशन से भारत की पहली स्वदेशी हाइड्रोजन-संचालित ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।
- इस ट्रेन का विकास इंटीग्रल कोच फैक्ट्री (आईसीएफ), चेन्नई ने किया है और यह 89 किलोमीटर लंबे जींद-सोनीपत रेलखंड पर संचालित होगी।
- यह ट्रेन 2,400 किलोवाट हाइड्रोजन फ्यूएल सेल प्रणाली का उपयोग करती है, जो हाइड्रोजन और ऑक्सीजन के संयोजन से बिजली उत्पन्न करती है तथा केवल जलवाष्प का उत्सर्जन करती है।
- 10 कोचों वाली इस ट्रेन में 2,600 से अधिक यात्रियों के बैठने और खड़े होने की क्षमता है तथा इसकी अधिकतम गति 75 किमी/घंटा है।

- इस परियोजना का विकास मेक इन इंडिया पहल के तहत किया गया है और यह ग्रीन रेल मिशन के अंतर्गत एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है।
- इस ट्रेन के शुभारंभ के साथ भारत हाइड्रोजन-संचालित शून्य-उत्सर्जन रेलवे तकनीक अपनाने वाले चुनिंदा देशों में शामिल हो गया है।

स्टैटिक जीके

- इंटीग्रल कोच फैक्ट्री (आईसीएफ) चेन्नई के पेरंबूर में स्थित है और इसकी स्थापना 1955 में हुई थी।
- जर्मनी ने 2018 में दुनिया की पहली हाइड्रोजन-संचालित ट्रेन शुरू की थी।
- भारतीय रेलवे के 19 प्रशासनिक ज़ोन हैं।

भारत ने पुग्गा घाटी में पहले भू-तापीय कुओं का संचालन शुरू किया



- भारत ने पूर्वी लद्दाख की पुग्गा घाटी में अपने पहले भू-तापीय कुओं का संचालन शुरू किया।
- उपराज्यपाल वी.के. सक्सेना ने इस परियोजना का उद्घाटन किया, जिसे ओएनजीसी एनर्जी सेंटर द्वारा विकसित किया गया है।
- 14,000 फीट से अधिक ऊंचाई पर 1,000 मीटर की गहराई तक दो भू-तापीय कुओं की ड्रिलिंग की गई है।
- ये कुएं भारत के पहले 1 मेगावाट पायलट भू-तापीय विद्युत संयंत्र के लिए मुख्य आधारभूत संरचना के रूप में कार्य करेंगे।
- इस परियोजना का उद्देश्य हिमालय की कठिन परिस्थितियों में भी पृथ्वी की प्राकृतिक भू-तापीय ऊष्मा का उपयोग करके स्वच्छ और चौबीसों घंटे बिजली उत्पन्न करना है।

स्टैटिक जीके

- पुग्गा घाटी पूर्वी लद्दाख के चांगथांग क्षेत्र में स्थित है।
- ओएनजीसी की स्थापना 14 अगस्त 1956 को हुई थी और इसका मुख्यालय नई दिल्ली में है।



संयुक्त राष्ट्र प्रमुख एंटोनियो गुटेरेस ने वैश्विक मीथेन कार्ययोजना लॉन्च की



- संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने जलवायु परिवर्तन को लेकर बढ़ती चिंताओं के बीच लंदन में वैश्विक मीथेन कार्ययोजना के तहत एक वैश्विक कार्रवाई का आह्वान शुरू किया।
- उन्होंने चेतावनी दी कि वैश्विक तापमान औद्योगिक-पूर्व स्तर की तुलना में लगभग 1.37°C बढ़ चुका है और इस दशक के अंत से पहले 1.5°C की सीमा को पार कर सकता है।
- इस पहल का उद्देश्य जीवाश्म ईंधन, कृषि और अपशिष्ट प्रबंधन क्षेत्रों से होने वाले मीथेन उत्सर्जन को कम करना है।
- संयुक्त राष्ट्र ने बेहतर लैंडफिल प्रबंधन, मीथेन संग्रहण प्रौद्योगिकियों, खुले में कचरा फेंकने की प्रथा में कमी तथा परिपत्र अर्थव्यवस्था की व्यापक स्वीकृति का आह्वान किया।
- इस पहल ने वैश्विक मीथेन प्रतिज्ञा को और सुदृढ़ किया, जिसके तहत 159 देशों और यूरोपीय आयोग ने वर्ष 2020 के स्तर की तुलना में वर्ष 2030 तक मीथेन उत्सर्जन में 30 प्रतिशत की कमी लाने की प्रतिबद्धता जताई है।
- गुटेरेस ने डेटा केंद्रों की बढ़ती ऊर्जा मांग के कारण कृत्रिम बुद्धिमत्ता के बढ़ते पर्यावरणीय प्रभाव पर भी चिंता व्यक्त की।
- इस अवसर पर वैश्विक शहरी डेटा केंद्र संधि की शुरुआत की गई, जिसमें छह महाद्वीपों के 36 शहर शामिल हुए।

स्टैटिक जीके

- वैश्विक मीथेन प्रतिज्ञा की शुरुआत सीओपी-26 के दौरान की गई थी।
- संयुक्त राष्ट्र का मुख्यालय न्यूयॉर्क शहर, संयुक्त राज्य अमेरिका में स्थित है।
- एंटोनियो गुटेरेस वर्ष 2017 से संयुक्त राष्ट्र के महासचिव हैं।

भीषण भूकंपों के बाद भारत ने वेनेजुएला को सहायता प्रदान की



- भारत ने 24 जून 2026 को आए विनाशकारी भूकंपों के बाद वेनेजुएला की सहायता के लिए ऑपरेशन अमिस्ताद शुरू किया।
- काराकास के पश्चिम में स्थित मोंटाल्बान और युमारे के निकट क्रमशः 7.2 और 7.5 तीव्रता के दो भूकंप आए।
- इन भूकंपों से विशेष रूप से पश्चिमी वेनेजुएला और राजधानी क्षेत्र में व्यापक तबाही हुई।
- इस आपदा में कम से कम 32 लोगों की मृत्यु हुई, 700 से अधिक लोग घायल हुए तथा कई इमारतों और महत्वपूर्ण अवसंरचना को नुकसान पहुँचा।
- कार्यवाहक राष्ट्रपति डेलसी रोड्रिगेज ने बचाव और राहत कार्यों में तेजी लाने के लिए 25 जून 2026 को आपातकाल घोषित किया।
- प्रभावित क्षेत्रों में जीवित बचे लोगों की सहायता और आवश्यक सेवाओं को बहाल करने के लिए आपातकालीन एजेंसियों को तैनात किया गया।

स्टैटिक जीके

- वेनेजुएला उत्तरी दक्षिण अमेरिका में स्थित है।
- राजधानी – काराकास
- आधिकारिक भाषा – स्पेनिश
- मुद्रा – वेनेजुएलाई बोलीवार

प्रधानमंत्री मोदी ने इंडोनेशिया के प्रम्बानन मंदिर का दौरा किया

- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 8 जुलाई 2026 को अपनी तीन दिवसीय राजकीय यात्रा के दौरान इंडोनेशिया के योग्याकार्ता स्थित प्रम्बानन मंदिर परिसर का दौरा किया।



- उन्होंने इंडोनेशिया के राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो के साथ मंदिर का भ्रमण किया तथा त्रिमूर्ति को समर्पित इस हिंदू मंदिर में पूजा-अर्चना की।
- भारत और इंडोनेशिया ने प्रम्बानन मंदिर परिसर के संरक्षण एवं जीर्णोद्धार में सहयोग करने पर सहमति व्यक्त की, जिसके तहत भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) इंडोनेशियाई अधिकारियों के साथ मिलकर कार्य करेगा।
- दोनों देशों ने 2025 के भारत-इंडोनेशिया संयुक्त वक्तव्य के तहत इस मंदिर के जीर्णोद्धार में सहयोग करने पर सहमति जताई थी।
- भारत और इंडोनेशिया ने 2026-2027 को 'टैगोर-देवंतरा वर्ष' के रूप में मनाने का निर्णय लिया, ताकि सांस्कृतिक सहयोग को और मजबूत किया जा सके।

स्टैटिक जीके

- प्रम्बानन मंदिर इंडोनेशिया का सबसे बड़ा हिंदू मंदिर परिसर है, जिसका निर्माण 9वीं शताब्दी में हुआ था।
- यह मंदिर भगवान शिव, भगवान विष्णु और भगवान ब्रह्मा की त्रिमूर्ति को समर्पित है।
- प्रम्बानन मंदिर यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल है।
- यह मंदिर रामायण के दृश्यों को दर्शाने वाली पत्थर की नक्काशियों के लिए प्रसिद्ध है।
- प्रम्बानन मंदिर योग्याकार्ता, इंडोनेशिया में स्थित है।

थाईलैंड में 2,000 वर्ष पुराने भारतीय स्वर्ण छल्लों की खोज



- पुरातत्वविदों ने थाईलैंड के फेचाबुरी प्रांत स्थित डॉन याई थोंग पुरातात्विक स्थल से लगभग 2,000 वर्ष पुराने दो भारतीय स्वर्ण छल्लों की खोज की।
- इनमें से एक छल्ले पर ब्राह्मी लिपि में "पुसारखितस" (Pusarakhitasa) अंकित है, जिसका अर्थ है "पुण्य द्वारा संरक्षित"।
- ये स्वर्ण छल्ले मानव कंकाल अवशेषों के साथ मिले, जिससे संकेत मिलता है कि ये किसी समृद्ध व्यक्ति या भारतीय व्यापारी के रहे होंगे।
- यह खोज लौह युग के दौरान भारत और दक्षिण-पूर्व एशिया के बीच प्राचीन समुद्री व्यापार तथा सांस्कृतिक आदान-प्रदान के प्रमाण प्रस्तुत करती है।
- इन पुरावशेषों को संरक्षण और सार्वजनिक प्रदर्शन के लिए फ्रा नाखोन खिरी संग्रहालय को सौंप दिया गया।

स्टैटिक जीके

- ब्राह्मी भारत की प्राचीन लिपि है, जिससे अधिकांश आधुनिक भारतीय लिपियों का विकास हुआ है।
- पुण्य भारतीय ज्योतिष के 27 नक्षत्रों में से एक है।
- फ्रा नाखोन खिरी थाईलैंड के फेचाबुरी में स्थित एक ऐतिहासिक उद्यान एवं संग्रहालय है।

भारत और किर्गिस्तान ने 'मानस और महाभारत' केंद्र शुरू किया



- भारत और किर्गिस्तान ने सांस्कृतिक एवं शैक्षणिक सहयोग को मजबूत करने के उद्देश्य से बिश्केक में "मानस और महाभारत" अंतरराष्ट्रीय सभ्यता अध्ययन केंद्र का शुभारंभ किया।
- इस केंद्र की स्थापना मानस नेशनल एकेडमी ने सेंटर फॉर स्टडीज ऑफ इंटरनेशनल रिलेशंस, नई दिल्ली के सहयोग से की।
- इस पहल का उद्देश्य महाभारत और मानस महाकाव्य पर केंद्रित तुलनात्मक सभ्यता अध्ययन, सांस्कृतिक संवाद, मानवीय कूटनीति तथा शैक्षणिक आदान-प्रदान को बढ़ावा देना है।
- मानस नेशनल एकेडमी, सेंटर फॉर स्टडीज ऑफ इंटरनेशनल रिलेशंस, नई दिल्ली तथा किर्गिस्तान के सात प्रमुख विश्वविद्यालयों के बीच संयुक्त शोध, फैकल्टी एक्सचेंज और शैक्षणिक सहयोग को बढ़ावा देने के लिए त्रिपक्षीय सहयोग समझौतों पर हस्ताक्षर किए गए।

- इस अवसर पर किर्गिस्तान के राष्ट्रीय महाकाव्य 'मानस' के पहले हिंदी अनुवाद का भी विमोचन किया गया, जिसे प्रोफेसर हेम चंद्र पांडे और प्रोफेसर रामाकांत द्विवेदी ने तैयार किया है।
- इस केंद्र से सांस्कृतिक कूटनीति को मजबूती मिलने और भारत तथा किर्गिस्तान की साझा सभ्यतागत विरासत की समझ को और गहरा करने की उम्मीद है।

स्टैटिक जीके

- मानस किर्गिस्तान का राष्ट्रीय महाकाव्य है और विश्व के सबसे लंबे महाकाव्यों में से एक है।
- महाभारत के रचयिता के रूप में परंपरागत रूप से महर्षि वेदव्यास को माना जाता है।
- बिश्केक किर्गिस्तान की राजधानी और सबसे बड़ा शहर है।
- किर्गिस्तान 31 अगस्त 1991 को सोवियत संघ से स्वतंत्र हुआ था।

अमेरिका, ब्रिटेन और 12 देशों ने 2016 के हेग फैसले की दोबारा पुष्टि की



- अमेरिका, ब्रिटेन, जापान, ऑस्ट्रेलिया, कनाडा, जर्मनी, इटली और फिलीपींस सहित 14 देशों ने 2026 में दक्षिण चीन सागर पर 2016 के मध्यस्थता फैसले की दोबारा पुष्टि की।
- संयुक्त बयान में कहा गया कि "ऐतिहासिक अधिकारों" के आधार पर चीन के समुद्री दावों का यूएनक्लोस के तहत कोई कानूनी आधार नहीं है। साथ ही 2016 के फैसले को अंतिम और कानूनी रूप से बाध्यकारी बताया गया।
- यह बयान हेग न्यायाधिकरण के फैसले की 10वीं वर्षगांठ के अवसर पर जारी किया गया। यह फैसला 12 जुलाई 2016 को फिलीपींस द्वारा दायर मामले में सुनाया गया था।
- चीन ने इस फैसले को "अमान्य और शून्य" बताते हुए खारिज कर दिया और दक्षिण चीन सागर विवाद में किसी तीसरे पक्ष के माध्यम से विवाद समाधान को स्वीकार करने से इनकार कर दिया।
- भाग लेने वाले देशों ने विवादित समुद्री क्षेत्रों में बल प्रयोग, दबाव और धमकी का विरोध किया तथा समुद्री और हवाई मार्गों की स्वतंत्र आवाजाही के महत्व पर जोर दिया।

- संयुक्त बयान में दक्षिण चीन सागर को वैश्विक व्यापार का एक प्रमुख समुद्री मार्ग बताया गया और अंतरराष्ट्रीय कानून के तहत समुद्री विवादों के शांतिपूर्ण समाधान का आह्वान किया गया।

स्टैटिक जीके

- 2016 का दक्षिण चीन सागर मध्यस्थता फैसला हेग में यूएनक्लोस के तहत गठित न्यायाधिकरण द्वारा सुनाया गया था।
- यह मध्यस्थता मामला फिलीपींस ने 2013 में चीन के खिलाफ दायर किया था।
- दक्षिण चीन सागर पर चीन, फिलीपींस, वियतनाम, मलेशिया, ब्रुनेई और ताइवान पूर्ण या आंशिक दावा करते हैं।

नौ यूरोपीय देशों और यूक्रेन ने मिसाइल रक्षा गठबंधन का गठन किया



- नौ यूरोपीय देशों और यूक्रेन ने जुलाई 2026 में फ्रांस के पेरिस में इंटीग्रेटेड एंटी-बैलिस्टिक मिसाइल रक्षा गठबंधन का गठन किया।
- इस गठबंधन का उद्देश्य एंटी-बैलिस्टिक मिसाइल क्षमता विकसित करना और यूरोप के लिए एक साझा मिसाइल रक्षा प्रणाली तैयार करना है।
- इस गठबंधन के संस्थापक सदस्य डेनमार्क, फ्रांस, जर्मनी, इटली, नीदरलैंड, नॉर्वे, स्पेन, स्वीडन, यूक्रेन और यूनाइटेड किंगडम हैं।
- यह गठबंधन साझा परिचालन आवश्यकताओं, संयुक्त तकनीकी सहयोग और प्रारंभिक मिसाइल रक्षा क्षमता के विकास पर केंद्रित है।
- इस पहल का उद्देश्य मिसाइल खतरों से निपटने के लिए रक्षा उद्योगों, अनुसंधान विशेषज्ञता और परिचालन अनुभव को एक साथ लाना है।
- गठबंधन की प्रमुख परियोजना यूक्रेन की फ्रेया एंटी-बैलिस्टिक प्रणाली पर केंद्रित है, जिसे पैट्रियट प्रणाली के अधिक किफायती विकल्प के रूप में विकसित किया गया है।

स्टैटिक जीके

- एंटी-बैलिस्टिक मिसाइल रक्षा प्रणाली आने वाली बैलिस्टिक मिसाइलों का पता लगाती है, उनकी निगरानी करती है, उन्हें रोकती है और नष्ट करती है।
- पैट्रियट प्रणाली एक सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल प्रणाली है, जिसका उपयोग वायु और मिसाइल रक्षा के लिए किया जाता है।

एंडी बर्नहैम यूनाइटेड किंगडम के प्रधानमंत्री बने



- एंडी बर्नहैम ने जुलाई 2026 में बकिंघम पैलेस में राजा चार्ल्स तृतीय के आमंत्रण को स्वीकार करने के बाद यूनाइटेड किंगडम के प्रधानमंत्री के रूप में पदभार ग्रहण किया।
- उन्होंने कीर स्टारमर का स्थान लिया, जिन्होंने स्थानीय चुनावों के परिणामों के बाद बढ़ते दबाव के चलते इस्तीफा दे दिया था।
- जुलाई 2026 में लेबर पार्टी के निर्विरोध नेतृत्व चुनाव के बाद एंडी बर्नहैम सत्तारूढ़ लेबर पार्टी के नेता बने।
- वे एक दशक में यूनाइटेड किंगडम के सातवें प्रधानमंत्री बने।
- एंडी बर्नहैम 2017 से ग्रेटर मैनचेस्टर के मेयर रहे हैं और 2021 तथा 2024 में दोबारा निर्वाचित हुए।

स्टैटिक जीके

- यूनाइटेड किंगडम में प्रधानमंत्री सरकार का प्रमुख होता है और सामान्यतः हाउस ऑफ कॉमन्स में बहुमत प्राप्त दल का नेता होता है।
- प्रधानमंत्री, मंत्रियों की नियुक्ति और सरकार के गठन के संबंध में सम्राट को सलाह देता है।
- यूनाइटेड किंगडम एक संवैधानिक राजतंत्र है, जहां संसदीय शासन प्रणाली लागू है।
- हाउस ऑफ कॉमन्स यूनाइटेड किंगडम की संसद का निचला सदन है।
- लेबर पार्टी और कंजर्वेटिव पार्टी यूनाइटेड किंगडम की दो प्रमुख राजनीतिक पार्टियां हैं।

चीन ने जापान को रेयर अर्थ तत्वों के निर्यात पर रोक लगाई



- चीन ने जनवरी 2026 से जापान को कई रेयर अर्थ तत्वों और दुर्लभ धातुओं के निर्यात पर रोक लगा दी।
- यह प्रतिबंध नवंबर 2025 में जापान की प्रधानमंत्री सानाए ताकाइची द्वारा ताइवान से जुड़ी संभावित आपात स्थिति पर दिए गए बयान के बाद उत्पन्न कूटनीतिक तनाव के चलते लगाया गया।
- इन निर्यात प्रतिबंधों का प्रभाव रक्षा, ऑटोमोबाइल, इलेक्ट्रॉनिक्स और एयरोस्पेस क्षेत्रों में उपयोग होने वाले महत्वपूर्ण खनिजों पर पड़ा।
- चीन ने जनवरी 2026 में रेयर अर्थ तत्वों और रेयर अर्थ मैग्नेट के निर्यात पर प्रतिबंध लगाए। इसके बाद फरवरी 2026 में 20 जापानी कंपनियों पर दोहरे उपयोग (ड्यूल-यूज) वाली वस्तुओं के निर्यात नियंत्रण को और सख्त किया तथा 20 अन्य कंपनियों को निगरानी सूची में शामिल किया।
- जून 2026 के चीनी सीमा शुल्क के आंकड़ों के अनुसार, जापान को गैलियम, डिस्प्रोसियम, टर्बियम और इट्रियम का कोई निर्यात नहीं किया गया।
- जापान और संयुक्त राज्य अमेरिका ने मार्च 2026 में क्रिटिकल मिनरल्स एक्शन प्लान शुरू किया, जिसका उद्देश्य आपूर्ति श्रृंखला (सप्लाइ चेन) की मजबूती बढ़ाना है।

स्टैटिक जीके

- रेयर अर्थ तत्व 17 धातुओं का एक समूह है, जिसमें लैंथेनाइड्स, स्कैंडियम और इट्रियम शामिल हैं।
- चीन वैश्विक रेयर अर्थ मैग्नेट के उत्पादन और परिशोधन का 90% से अधिक हिस्सा करता है।
- डिस्प्रोसियम और टर्बियम का उपयोग इलेक्ट्रिक वाहनों, पवन टर्बाइनों और रक्षा उपकरणों में प्रयुक्त ऊष्मा-प्रतिरोधी स्थायी चुंबकों के निर्माण में किया जाता है।
- रेयर अर्थ तत्व पृथ्वी की सतह में प्रचुर मात्रा में पाए जाते हैं, लेकिन इन्हें अलग करना और परिशोधित करना कठिन होता है।
- चीन ने 2010 में भी सेनकाकु/दियाओयू द्वीप विवाद के दौरान जापान को रेयर अर्थ तत्वों के निर्यात पर प्रतिबंध लगाया था।

यूनाइटेड किंगडम ने कनिष्क नारायण को अपना पहला एआई मंत्री नियुक्त किया



- यूनाइटेड किंगडम ने जुलाई 2026 में कनिष्क नारायण को अपना पहला कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) मंत्री नियुक्त किया।
- इस नियुक्ति के साथ एआई मंत्री का पद पहली बार यूनाइटेड किंगडम की सरकार में कैबिनेट स्तर का पद बन गया।
- कनिष्क नारायण भारतीय मूल के ब्रिटिश राजनेता हैं। उनका जन्म बिहार के मुजफ्फरपुर में हुआ था और वे 2024 से वेल्श ऑफ ग्लैमॉर्गन निर्वाचन क्षेत्र से लेबर पार्टी के सांसद हैं।
- उन्होंने सितंबर 2025 से जुलाई 2026 तक एआई और ऑनलाइन सुरक्षा के लिए संसदीय अवर राज्य मंत्री के रूप में कार्य किया।
- यूनाइटेड किंगडम सरकार ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता, ऑनलाइन सुरक्षा और डिजिटल विनियमन से संबंधित नीतियों को मजबूत करने के उद्देश्य से यह नया पद बनाया।
- कैबिनेट फेरबदल के दौरान विज्ञान, नवाचार और प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसआईटी) को समाप्त कर दिया गया तथा उसके कार्यों को व्यापार एवं वाणिज्य विभाग और संस्कृति विभाग को सौंप दिया गया।

स्टैटिक जीके

- कैबिनेट मंत्री प्रधानमंत्री की सर्वोच्च निर्णय लेने वाली परिषद के सदस्य होते हैं।
- कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) कंप्यूटर प्रणालियों को सीखने, पैटर्न पहचानने और भाषा प्रसंस्करण जैसे कार्य करने में सक्षम बनाती है।
- व्हाइटहॉल लंदन में यूनाइटेड किंगडम सरकार का प्रशासनिक केंद्र है।
- गूगल डीपमाइंड यूनाइटेड किंगडम स्थित एक कृत्रिम बुद्धिमत्ता अनुसंधान कंपनी है।

खलील अल-हय्या हमास के राजनीतिक ब्यूरो प्रमुख चुने गए

- खलील अल-हय्या याह्या सिनवार की मृत्यु के बाद हमास के राजनीतिक ब्यूरो प्रमुख चुने गए।



- 1960 में गाजा पट्टी में जन्मे खलील अल-हय्या 1987 में संगठन की स्थापना के समय से ही हमास से जुड़े हुए हैं।
- उन्होंने कतर, मिस्र और संयुक्त राज्य अमेरिका के मध्यस्थों के माध्यम से इजराइल के साथ युद्धविराम और बंधकों की रिहाई से संबंधित अप्रत्यक्ष वार्ताओं में हमास के मुख्य वार्ताकार के रूप में भूमिका निभाई।

स्टैटिक जीके

- हमास एक फिलिस्तीनी इस्लामी संगठन है, जिसकी स्थापना 1987 में प्रथम इतिफादा के दौरान हुई थी।
- हमास की उत्पत्ति मुस्लिम ब्रदरहुड से हुई, जिसकी स्थापना 1928 में मिस्र में हुई थी।
- राजनीतिक ब्यूरो हमास का राजनीतिक और कूटनीतिक मामलों का सर्वोच्च निकाय है।
- कतर लंबे समय से हमास के बाहरी नेतृत्व की मेजबानी करता रहा है, जबकि ईरान इस संगठन का प्रमुख क्षेत्रीय समर्थक रहा है।
- हमास के राजनीतिक ब्यूरो के पूर्व प्रमुखों में इस्माइल हनियेह और खालिद मशाल शामिल हैं।

औद्योगिक विकास को बढ़ावा देने के लिए ओडिशा ने 'गो-ईस्ट' नीति शुरू की



- ओडिशा सरकार ने निवेश आकर्षित करने और औद्योगिक विकास में तेजी लाने के लिए गो-ईस्ट (गवर्नमेंट ऑफ ओडिशा ईस्टर्न इन्वेस्टमेंट एक्सेलेरेटर एंड स्पेशल टास्क फोर्स) नीति शुरू की।
- मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने भुवनेश्वर में आयोजित भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) के पूर्वी क्षेत्र परिषद की बैठक के दौरान इस पहल की घोषणा की।
- इस नीति का उद्देश्य परियोजनाओं की शीघ्र स्वीकृति, सिंगल-विंडो सुविधा, निवेश की वास्तविक समय में निगरानी तथा निवेशकों को निरंतर सहयोग प्रदान करना है।
- सरकार ने खनन क्षेत्र से आगे अन्य उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए औद्योगिक नीति संकल्प (आईपीआर) 2022 में संशोधन किया।
- संशोधित नीति में 15 पिछड़े जिलों पर विशेष ध्यान दिया गया है तथा गैर-खनिज आधारित उद्योगों के लिए अतिरिक्त प्रोत्साहन प्रदान किए गए हैं।
- ओडिशा सरकार ने परियोजनाओं के क्रियान्वयन और प्रोत्साहन राशि के वितरण की निगरानी के लिए एक समर्पित गो-ईस्ट प्रकोष्ठ तथा विशेष गो स्विफ्ट डिजिटल मॉड्यूल स्थापित करने का प्रस्ताव रखा।
- राज्य सरकार ने रसायन, ऊर्जा, हरित ऊर्जा, वस्त्र और इस्पात क्षेत्रों में लगभग 24,823 करोड़ रुपये के प्रस्तावित निवेश के लिए सात कंपनियों के साथ समझौता ज्ञापनों (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए।

स्टैटिक जीके

- ओडिशा की राजधानी – भुवनेश्वर
- ओडिशा के मुख्यमंत्री – मोहन चरण माझी

यमुना जल परियोजना के लिए राजस्थान और हरियाणा ने समझौता किया



- राजस्थान और हरियाणा सरकारों ने 29 जून 2026 को नई दिल्ली में यमुना जल परियोजना के लिए एक समझौते पर हस्ताक्षर किए।
- यह समझौता अमित शाह की उपस्थिति में संपन्न हुआ और इसका उद्देश्य दोनों राज्यों के बीच लगभग 30 वर्ष पुराने जल विवाद का समाधान करना है।
- इस परियोजना के तहत पश्चिमी यमुना नहर से भूमिगत पाइपलाइन नेटवर्क के माध्यम से राजस्थान को आवंटित यमुना जल पहुँचाया जाएगा।
- इससे राजस्थान को 1994 के ऊपरी यमुना बेसिन समझौते के तहत आवंटित अपने हिस्से के जल का उपयोग करने में सहायता मिलेगी।
- परियोजना के अंतर्गत जल आवंटन, अवसंरचना विकास, लागत साझेदारी, संचालन, रखरखाव तथा विवाद निवारण के लिए एक रूपरेखा तैयार की गई है।
- लगभग 580 मिलियन घन मीटर (एमसीएम) जल को तीन बड़ी व्यास वाली भूमिगत पाइपलाइनों के माध्यम से पहुँचाने की योजना बनाई गई है।
- इस परियोजना से राजस्थान के सीकर, चूरू और झुंझुनू जिलों तथा हरियाणा के भिवानी और फतेहाबाद जिलों में पेयजल उपलब्धता में सुधार होने की उम्मीद है।
- यह पहल भूजल पुनर्भरण, जल संरक्षण तथा सतत जल प्रबंधन को भी बढ़ावा देगी।

स्टैटिक जीके

- यमुना नदी, गंगा नदी की सबसे बड़ी सहायक नदी है।
- वर्ष 1994 का समझौता ऊपरी यमुना बेसिन के उपयोग योग्य सतही जल के बँटवारे से संबंधित है।

- इस परियोजना के लिए केंद्रीय जल आयोग (सीडब्ल्यूसी) ने तकनीकी सहायता प्रदान की।
- राजधानी – राजस्थान : जयपुर; हरियाणा : चंडीगढ़।

दिल्ली इलेक्ट्रिक वाहन नीति 2026 लागू



- दिल्ली मंत्रिमंडल ने मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की अध्यक्षता में 29 जून 2026 को दिल्ली इलेक्ट्रिक वाहन नीति 2026 को मंजूरी दी।
- यह नीति 1 जुलाई 2026 से 31 मार्च 2030 तक प्रभावी रहेगी और इसका मुख्य फोकस केवल बैटरी चालित इलेक्ट्रिक वाहनों पर रहेगा।
- इस नीति के तहत दिल्ली में पंजीकृत पात्र इलेक्ट्रिक कारों को सड़क कर और पंजीकरण शुल्क में छूट प्रदान की गई है।
- इलेक्ट्रिक दोपहिया, तिपहिया तथा इलेक्ट्रिक मालवाहक वाहनों की खरीद पर प्रोत्साहन राशि देने की घोषणा की गई है।
- नीति में गैर-इलेक्ट्रिक वाहनों की विभिन्न श्रेणियों के पंजीकरण पर चरणबद्ध प्रतिबंध लगाने तथा पूर्ण रूप से इलेक्ट्रिक वाहनों की ओर संक्रमण को बढ़ावा देने का प्रावधान किया गया है।
- दिल्ली में चार्जिंग अवसंरचना को सुदृढ़ करने के लिए 30,000 से अधिक इलेक्ट्रिक वाहन चार्जिंग प्वाइंट स्थापित किए जाने की योजना है।

स्टैटिक जीके

- एन1 श्रेणी के वाहन वे मालवाहक वाहन हैं, जिनका सकल वाहन भार 3.5 टन तक होता है।
- बीएस-IV का अर्थ भारत स्टेज-IV उत्सर्जन मानक है।
- इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा देने के लिए सड़क कर में छूट एक सामान्य प्रोत्साहन उपाय है।
- इलेक्ट्रिक गतिशीलता को बढ़ावा देने वाले अग्रणी भारतीय क्षेत्रों में दिल्ली शामिल है।

दिल्ली सरकार ने 'मिशन कायाकल्प' की शुरुआत की

- दिल्ली सरकार ने सरकारी विद्यालयों के बुनियादी ढाँचे का आधुनिकीकरण करने तथा विद्यार्थियों को सुरक्षित, स्वच्छ और समावेशी शिक्षण वातावरण उपलब्ध कराने के लिए 'मिशन कायाकल्प' की शुरुआत की।



- इस मिशन के तहत विद्यालय भवनों की मरम्मत, प्रयोगशालाओं का उन्नयन, स्वच्छता सुविधाओं में सुधार, सुरक्षित पेयजल की व्यवस्था तथा परिसर की आधारभूत सुविधाओं को बेहतर बनाया जाएगा।
- इस पहल का उद्देश्य दिव्यांग बच्चों के लिए सुगम पहुँच सुनिश्चित करना, हरित परिसर विकसित करना तथा विद्यालयों के विकास में समुदाय की भागीदारी को बढ़ावा देना भी है।
- मिशन कायाकल्प का क्रियान्वयन जिला प्रशासन, शिक्षा विभाग, कॉरपोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) पहल, सामाजिक संगठनों, बाजार संघों तथा स्थानीय समुदायों के सहयोग से किया जा रहा है।
- कॉरपोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) से आशय पात्र कंपनियों की सामाजिक एवं विकासात्मक गतिविधियों में योगदान देने की वैधानिक जिम्मेदारी से है।

पश्चिम बंगाल ने चाय बागान श्रमिकों के लिए ₹313.3 करोड़ के पैकेज को मंजूरी दी



- पश्चिम बंगाल सरकार ने प्रधानमंत्री चाय श्रमिक प्रोत्साहन योजना (पीएमसीएसपीवाई) के तहत 3 लाख से अधिक चाय बागान श्रमिकों के कल्याण के लिए 313.3 करोड़ रुपये के पैकेज को मंजूरी दी।
- इस पैकेज में 177 करोड़ रुपये शिक्षा, 72 करोड़ रुपये स्वास्थ्य सेवाओं तथा 63 करोड़ रुपये श्रमिक कल्याण अवसंरचना, जिसमें 321 विश्राम शेड शामिल हैं, के लिए आवंटित किए गए।

- इस योजना का उद्देश्य उत्तर बंगाल के चाय बागान क्षेत्रों में शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाओं और रहन-सहन की स्थितियों में सुधार करना है।
- इस योजना के क्रियान्वयन की जिम्मेदारी उत्तर बंगाल विकास विभाग (एनबीडीडी) को सौंपी गई है।

यूपी महिला सामर्थ्य योजना से ग्रामीण महिला स्वयं सहायता समूहों को मजबूती



- यूपी महिला सामर्थ्य योजना ने कौशल विकास, उद्यमिता, वित्तीय समावेशन तथा स्वरोजगार को बढ़ावा देकर ग्रामीण महिलाओं को सशक्त बनाया।
- इस योजना का संचालन महिला कल्याण विभाग के अंतर्गत उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन (यूपीएसआरएलएम) द्वारा किया जाता है।
- पात्र स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) को निःशुल्क कौशल प्रशिक्षण, 15,000 रुपये की रिवॉल्विंग फंड सहायता, उद्यम विकास सहयोग तथा बाजार से जुड़ाव की सुविधा प्रदान की जाती है।
- इस योजना में गरीबी रेखा से नीचे (बीपीएल) के परिवारों, अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति, दिव्यांग महिलाओं तथा आकांक्षी जिलों की महिलाओं को प्राथमिकता दी जाती है।
- इस योजना का उद्देश्य महिलाओं की आय बढ़ाना, स्वयं सहायता समूहों को सशक्त बनाना तथा सतत ग्रामीण आजीविका को बढ़ावा देना है।

नर्मदा परियोजना के भुगतान को लेकर चार राज्यों में सहमति



- मध्य प्रदेश, गुजरात, राजस्थान और महाराष्ट्र ने नर्मदा नदी परियोजनाओं से जुड़े लंबे समय से लंबित वित्तीय विवादों के समाधान के लिए भुगतान समझौते पर हस्ताक्षर किए।
- यह समझौता नर्मदा जल विवाद न्यायाधिकरण (एनडब्ल्यूडीटी) के निर्णय के तहत सरदार सरोवर परियोजना और इंदिरा सागर परियोजना से संबंधित लागत साझा करने के मुद्दों के समाधान के लिए किया गया।
- इस समझौते में पुनर्वास व्यय, डूब क्षेत्र की भूमि का मुआवजा, निर्माण लागत, ऋण पर ब्याज तथा लंबित वित्तीय देनदारियों का निपटारा शामिल है।
- इस समझौते पर नई दिल्ली में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सी. आर. पाटिल की उपस्थिति में हस्ताक्षर किए गए।
- इस समझौते से सहकारी संघवाद को मजबूती मिलने तथा अंतरराज्यीय जल संसाधन प्रबंधन में सुधार होने की उम्मीद है।

स्टैटिक जीके

- नर्मदा जल विवाद न्यायाधिकरण का गठन अंतरराज्यीय जल विवाद अधिनियम, 1956 के तहत किया गया था।
- नर्मदा नदी मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र और गुजरात से होकर बहती है तथा अरब सागर में गिरती है।

असम में माचा चाय का व्यावसायिक उत्पादन शुरू



- असम जुलाई 2026 में माचा चाय का व्यावसायिक उत्पादन शुरू करने वाला भारत का पहला राज्य बन गया।
- इसका पहला व्यावसायिक उत्पादन तिनसुकिया जिले के छोटा तिंगराई चाय बागान में किया गया।
- माचा चाय की पहली खेप गुवाहाटी टी ऑक्शन सेंटर के माध्यम से गुवाहाटी की शियोसंस चाय कंपनी को बेची गई।
- लगभग एक दशक तक जापानी विशेषज्ञों के सहयोग के बाद इस चाय बागान में पूर्णतः स्वचालित जापानी चाय निर्माण इकाई स्थापित की गई।
- इस पहल से असम के चाय उद्योग में विविधता आई, जो अब तक मुख्य रूप से ब्लैक टी, ऑर्थोडॉक्स टी और सीटीसी चाय के लिए प्रसिद्ध रहा है।

स्टैटिक जीके

- माचा छाया में उगाई गई चाय की पत्तियों से तैयार की जाने वाली पाउडरयुक्त ग्रीन टी है, जिसकी उत्पत्ति जापान में हुई थी।

- असम के प्रमुख चाय उत्पादक जिले तिनसुकिया, डिब्रूगढ़, जोरहाट और शिवसागर हैं।
- गुवाहाटी टी ऑक्शन सेंटर भारत के प्रमुख चाय नीलामी केंद्रों में से एक है।

दिल्ली ने ₹8,300 करोड़ की 'स्वच्छ वायु, स्वस्थ दिल्ली' पहल को मंजूरी दी



- दिल्ली सरकार ने वायु प्रदूषण कम करने और जनस्वास्थ्य में सुधार के उद्देश्य से ₹8,300 करोड़ रुपये की 'स्वच्छ वायु, स्वस्थ दिल्ली' पहल को मंजूरी दी।
- यह सात वर्षीय परियोजना सितंबर 2026 से अगस्त 2033 तक चलेगी, जिसे विश्व बैंक का वित्तीय और तकनीकी सहयोग प्राप्त होगा।
- इस पहल के तहत वायु गुणवत्ता निगरानी प्रणाली को सुदृढ़ करना, निगरानी सेंसरों का उन्नयन तथा उत्सर्जन नियंत्रण उपायों को अधिक प्रभावी ढंग से लागू करना शामिल है।
- इस परियोजना का उद्देश्य राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीटी) दिल्ली में वायु गुणवत्ता सुधार के लिए बहु-क्षेत्रीय उपायों को लागू करना है।

स्टैटिक जीके

- विश्व बैंक का मुख्यालय वॉशिंगटन डी.सी., संयुक्त राज्य अमेरिका में स्थित है।
- अजय बंगा विश्व बैंक के अध्यक्ष हैं।
- भारत ने 2019 में राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम (एनसीएपी) की शुरुआत की थी।
- केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) दिल्ली के वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) की निगरानी करता है।

गुजरात में पहले वायु-भरे रबर बांधों का निर्माण शुरू



- गुजरात ने दक्षिण कोरियाई प्रौद्योगिकी की सहायता से छोटा उदयपुर जिले की हेरन नदी तथा तापी जिले की अंबिका नदी पर अपने पहले दो वायु-भरे रबर बांधों का निर्माण शुरू किया।
- इन परियोजनाओं में राजवसना रबर बांध और पाठकवाड़ी रबर बांध शामिल हैं, जिनकी कुल लागत 162 करोड़ रुपये से अधिक है।
- राजवसना रबर बांध का लगभग 75% निर्माण कार्य पूरा हो चुका है और इसके सितंबर 2027 तक चालू होने की उम्मीद है, जबकि पाठकवाड़ी रबर बांध का लगभग 90% कार्य पूरा हो चुका है।
- राजवसना परियोजना से 25 गांवों की लगभग 3,420 हेक्टेयर भूमि की सिंचाई होगी, जबकि पाठकवाड़ी परियोजना से लगभग 650 हेक्टेयर भूमि को सुनिश्चित सिंचाई सुविधा मिलेगी।
- इन बांधों में लगभग 30 वर्ष की आयु वाले आयातित रबर ब्लैडर का उपयोग किया गया है तथा इन्हें स्काडा (SCADA) आधारित स्वचालित प्रणाली से सुसज्जित किया गया है।
- भारी मानसून के दौरान इन बांधों की हवा निकाली जा सकती है, जिससे बाढ़ का पानी और गाद आसानी से गुजर सके तथा बाढ़ प्रबंधन और नदी विनियमन में सहायता मिल सके।

उत्तर प्रदेश ने महिला उद्यमियों के लिए महिला उद्यम निधि योजना शुरू की



- उत्तर प्रदेश सरकार ने महिलाओं को सूक्ष्म और लघु उद्यम शुरू करने या उनका विस्तार करने के लिए सस्ती दर पर ऋण उपलब्ध कराने हेतु महिला उद्यम निधि योजना शुरू की।
- इस योजना के तहत 50,000 रुपये से 10 लाख रुपये तक का ऋण लगभग 4% ब्याज दर पर दिया जाएगा। 2 लाख रुपये तक के ऋण के लिए कोई जमानत नहीं देनी होगी।
- योजना का लाभ लेने के लिए आवेदक 18 से 60 वर्ष आयु की महिला, उत्तर प्रदेश की स्थायी निवासी, वार्षिक पारिवारिक आय 3 लाख रुपये से कम तथा आधार से जुड़े बैंक खाते की धारक होनी चाहिए।
- इस योजना में स्वयं सहायता समूह (एसएचजी) की सदस्य महिलाओं, विधवाओं, दिव्यांग महिलाओं तथा अल्पसंख्यक समुदाय की महिलाओं को प्राथमिकता दी जाएगी।

- पात्र महिलाएं आवश्यक दस्तावेजों और व्यावसायिक योजना के साथ आधिकारिक पोर्टल या निकटतम यूपी महिला निधि जिला कार्यालय में ऑनलाइन आवेदन कर सकती हैं।
- इस योजना का उद्देश्य महिला उद्यमिता, स्वरोजगार, वित्तीय समावेशन और आर्थिक सशक्तिकरण को बढ़ावा देना है।

कर्नाटक ने भारत के पहले सरकारी एआई विश्वविद्यालय की घोषणा की



- कर्नाटक ने जुलाई 2026 में बेंगलुरु में भारत के पहले सरकारी एआई विश्वविद्यालय की घोषणा की।
- इसकी घोषणा गूगल आई/ओ कनेक्ट इंडिया 2026 कार्यक्रम के दौरान की गई।
- प्रस्तावित विश्वविद्यालय को एक एआई हब से जोड़ा जाएगा, ताकि स्टार्टअप्स, शोधकर्ताओं और उद्योगों के साथ सहयोग को बढ़ावा मिल सके।
- इस विश्वविद्यालय में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, मशीन लर्निंग, रोबोटिक्स, डेटा साइंस तथा संबंधित तकनीकों में स्नातक, स्नातकोत्तर और शोध कार्यक्रम संचालित किए जाने की उम्मीद है।
- कर्नाटक सरकार ने एआई अवसंरचना को मजबूत करने के लिए दो ग्रीन डेटा सेंटर स्थापित करने का भी प्रस्ताव रखा है। इनके लिए होसकोटे (बेंगलुरु) और मैंगलुरु के पास स्थान प्रस्तावित किए गए हैं।

उत्तराखंड भारत का छठा पूर्ण साक्षर राज्य बना



- उत्तराखंड नई शिक्षा नीति 2020 और उल्लास पहल के तहत वयस्क साक्षरता के निर्धारित मानकों को प्राप्त करने के बाद भारत का छठा पूर्ण साक्षर राज्य बन गया।

- वर्ष 2026 में राज्य की साक्षरता दर 98.7% से अधिक दर्ज की गई, जो 2023-24 में 83.8% थी।
- उल्लास के दिशा-निर्देशों के अनुसार, 95% से अधिक वयस्क साक्षरता प्राप्त करने वाले राज्य या केंद्रशासित प्रदेश को पूर्ण साक्षर माना जाता है।
- उत्तराखंड ने मिजोरम, गोवा, त्रिपुरा, हिमाचल प्रदेश और सिक्किम के साथ भारत के पूर्ण साक्षर राज्यों की सूची में स्थान प्राप्त किया।

स्टैटिक जीके :

- उत्तराखंड की राजधानी देहरादून (शीतकालीन राजधानी) और गैरसैण (ग्रीष्मकालीन राजधानी) है।
- उल्लास का पूरा नाम अंडरस्टैंडिंग लाइफलॉन्ग लर्निंग फॉर ऑल इन सोसाइटी है।
- भारत का पहला पूर्ण साक्षर राज्य केरल है।
- राष्ट्रीय साक्षरता दिवस 8 सितंबर को मनाया जाता है।

किल्लई तमिलनाडु का पहला जलवायु-लचीला गांव बना



- तमिलनाडु के कडलूर जिले का किल्लई गांव राज्य का पहला पूर्णतः संचालित जलवायु-लचीला (क्लाइमेट रेजिलिएंट) गांव बन गया।
- इस परियोजना को तमिलनाडु ग्रीन क्लाइमेट कंपनी (टीएनजीसीसी) के तहत लागू किया गया, जिसका उद्देश्य जलवायु अनुकूलन और ग्रामीण लचीलेपन को मजबूत करना है।
- इस पहल का मुख्य उद्देश्य गांव को चक्रवात, समुद्र-स्तर में वृद्धि और तटीय कटाव से सुरक्षित बनाना है।
- परियोजना के तहत पारिस्थितिकी तंत्र के पुनर्स्थापन, नवीकरणीय ऊर्जा को बढ़ावा, जैव विविधता संरक्षण तथा जलवायु-लचीले सामुदायिक बुनियादी ढांचे के विकास पर विशेष ध्यान दिया गया।
- तटीय पारिस्थितिकी तंत्र के संरक्षण के लिए गांव ने निकटवर्ती पिचावरम मैंग्रोव वन का भी उपयोग किया।

स्टैटिक जीके

- टीएनजीसीसी (TNGCC) का पूर्ण रूप तमिलनाडु ग्रीन क्लाइमेट कंपनी है।
- पिचावरम मैंग्रोव वन तमिलनाडु में किल्लई के निकट स्थित है।
- टीएनएसएपीसीसी (TNSAPCC) तमिलनाडु की राज्य जलवायु कार्य योजना है।

लाकाडोंग हल्दी के लिए मिशन गोल्डन स्पाइस शुरू किया गया



- पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्रालय (डोनर मंत्रालय) ने जुलाई 2026 में लाकाडोंग हल्दी के लिए मिशन गोल्डन स्पाइस की शुरुआत की। इस मिशन के लिए 2026–2030 की अवधि हेतु 175.45 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है।
- इस मिशन का उद्देश्य लाकाडोंग हल्दी की खेती का क्षेत्रफल 2,500 हेक्टेयर से बढ़ाकर 7,000 हेक्टेयर करना तथा 2030 तक उत्पादन को 49,400 मीट्रिक टन तक पहुंचाना है।

- परियोजना का लक्ष्य किसानों की आय बढ़ाकर लगभग 80 रुपये प्रति किलोग्राम करना तथा 17,500 से अधिक किसानों को लाभ पहुंचाना है, जिनमें लगभग 99% महिलाएं हैं।
- इस पहल के तहत खेती का विस्तार, प्रसंस्करण, ब्रांडिंग और निर्यात को बढ़ावा दिया जाएगा। इसके लिए अमेरिका, यूरोपीय संघ (ईयू), जापान और खाड़ी देशों को प्रमुख निर्यात बाजार के रूप में लक्षित किया गया है।
- डोनर मंत्रालय इस परियोजना के लिए कुल लागत का 50% वित्तीय सहयोग प्रदान करेगा।

स्टैटिक जीके

- लाकाडोंग हल्दी मेघालय की जीआई-टैग प्राप्त किस्म है, जिसमें 7–12% करक्यूमिन पाया जाता है।
- करक्यूमिन हल्दी का प्रमुख जैव-सक्रिय (बायोएक्टिव) यौगिक है।
- भारत में जीआई टैग का प्रावधान भौगोलिक संकेतक वस्तु (पंजीकरण एवं संरक्षण) अधिनियम, 1999 के तहत किया गया है।
- मेघालय के जैतिया हिल्स क्षेत्र को लाकाडोंग हल्दी का प्रमुख उत्पादक क्षेत्र माना जाता है।



वित्त वर्ष 2025–26 में भारत का बाह्य ऋण बढ़कर 762.8 अरब डॉलर हुआ: आरबीआई



- भारतीय रिज़र्व बैंक (आरबीआई) के अनुसार, वित्त वर्ष 2025–26 के अंत तक भारत का बाह्य ऋण बढ़कर 762.8 अरब अमेरिकी डॉलर हो गया।
- वित्त वर्ष 2024–25 की तुलना में बाह्य ऋण में 26.3 अरब अमेरिकी डॉलर की वृद्धि हुई, जबकि बाह्य ऋण-से-जीडीपी अनुपात 19.8 प्रतिशत से बढ़कर 20.8 प्रतिशत हो गया।
- आरबीआई ने बताया कि विभिन्न मुद्राओं के विनिमय दरों में बदलाव के कारण उत्पन्न मूल्यांकन प्रभाव के चलते बाह्य ऋण में दर्ज वृद्धि 24.6 अरब अमेरिकी डॉलर कम रही।
- भारत के बाह्य ऋण में अमेरिकी डॉलर की हिस्सेदारी सबसे अधिक रही, जो कुल बाह्य ऋण का 55.5 प्रतिशत थी।
- दीर्घकालिक बाह्य ऋण बढ़कर 613.5 अरब अमेरिकी डॉलर हो गया, जबकि अल्पकालिक बाह्य ऋण की हिस्सेदारी बढ़कर कुल बाह्य ऋण का 19.6 प्रतिशत हो गई।
- विदेशी मुद्रा भंडार के मुकाबले अल्पकालिक बाह्य ऋण का अनुपात 20.1 प्रतिशत से बढ़कर 21.6 प्रतिशत हो गया।
- आरबीआई ने कहा कि भारत के बाह्य ऋण की संरचना विभिन्न मुद्राओं और परिपक्वता अवधियों में विविध बनी हुई है, जो व्यापक आर्थिक स्थिरता को समर्थन देती है।

स्टैटिक जीके

- बाह्य ऋण से आशय विदेशी सरकारों, अंतरराष्ट्रीय संस्थानों, बैंकों और विदेशी निवेशकों से लिए गए ऋण से है।
- भारतीय रिज़र्व बैंक (आरबीआई) की स्थापना वर्ष 1935 में हुई थी।
- आरबीआई का मुख्यालय मुंबई में स्थित है।

पूर्वोत्तर में बाँस अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने हेतु एडीबी ने एसईएफएफ को मंजूरी दी



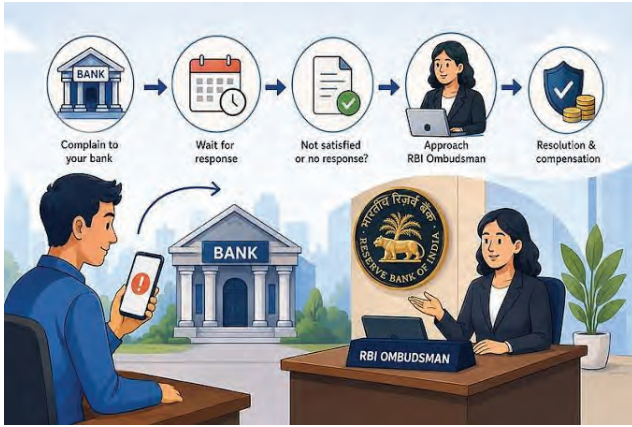
- एशियाई विकास बैंक (एडीबी) ने जून 2026 में पूर्वोत्तर भारत के बाँस क्षेत्र को सशक्त बनाने के लिए 4.22 करोड़ अमेरिकी डॉलर की लघु व्यय वित्तपोषण सुविधा (एसईएफएफ) को मंजूरी दी।
- इस परियोजना का उद्देश्य सतत बाँस की खेती को बढ़ावा देना, प्रसंस्करण अवसंरचना में सुधार करना तथा मूल्य संवर्धन को प्रोत्साहित करना है।
- यह परियोजना कौशल विकास और बेहतर बाजार उपलब्धता के माध्यम से एमएसएमई, एफपीओ तथा बाँस कारीगरों को सहायता प्रदान करेगी।
- यह पहल बाँस संसाधनों के सतत दोहन और उनके कुशल उपयोग के माध्यम से जलवायु-अनुकूल आजीविका को बढ़ावा देती है।
- यह कार्यक्रम भारत की एक ईस्ट नीति के अनुरूप है और इसका उद्देश्य पूर्वोत्तर क्षेत्र को बाँस-आधारित उद्योगों का प्रमुख केंद्र बनाना है।
- इससे निर्यात बढ़ने, किसानों की आय में वृद्धि होने तथा क्षेत्रीय आर्थिक विकास को गति मिलने की उम्मीद है।

स्टैटिक जीके

- एशियाई विकास बैंक (एडीबी) की स्थापना वर्ष 1966 में हुई थी।
- एडीबी का मुख्यालय मनीला, फ़िलीपींस में स्थित है।
- भारत, एडीबी का संस्थापक सदस्य है।
- बाँस को लोकप्रिय रूप से “हरित स्वर्ण” कहा जाता है।

आरबीआई ने संशोधित एकीकृत लोकपाल योजना लागू की

- भारतीय रिज़र्व बैंक (आरबीआई) ने 1 जुलाई 2026 से संशोधित एकीकृत लोकपाल योजना लागू की, जिसने एकीकृत लोकपाल योजना, 2021 का स्थान लिया।



- यह योजना “एक राष्ट्र, एक लोकपाल” के सिद्धांत पर आधारित है और आरबीआई द्वारा विनियमित वित्तीय संस्थानों के ग्राहकों को एकीकृत, निःशुल्क और पारदर्शी शिकायत निवारण व्यवस्था प्रदान करती है।
- इस योजना के अंतर्गत अनुसूचित वाणिज्यिक बैंक, पात्र गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियाँ (एनबीएफसी), प्रीपेड भुगतान साधन (पीपीआई) जारीकर्ता तथा क्रेडिट सूचना कंपनियाँ (सीआईसी) शामिल हैं।
- यदि कोई विनियमित संस्था 30 दिनों के भीतर शिकायत का समाधान नहीं करती या उसका उत्तर संतोषजनक नहीं होता, तो ग्राहक 90 दिनों के भीतर आरबीआई लोकपाल के समक्ष शिकायत दर्ज करा सकता है।
- इस योजना में एकसमान शिकायत निवारण प्रक्रिया, सरल ऑनलाइन शिकायत प्रणाली, गैर-विवादात्मक विवाद समाधान, उप-लोकपालों की विस्तारित भूमिका तथा शिकायत की स्वीकार्यता के स्पष्ट मानदंड शामिल किए गए हैं।
- लोकपाल वित्तीय हानि के लिए 30 लाख रुपये तक तथा समय की हानि, व्यय, उत्पीड़न और मानसिक पीड़ा के लिए 3 लाख रुपये तक का मुआवजा देने के साथ आवश्यक सुधारात्मक कार्रवाई के निर्देश भी दे सकता है।

स्टैटिक जीके

- गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी (एनबीएफसी) वित्तीय सेवाएँ प्रदान करती है, लेकिन उसके पास बैंकिंग लाइसेंस नहीं होता।
- प्रीपेड भुगतान साधन (पीपीआई) संग्रहीत धनराशि के माध्यम से भुगतान की सुविधा प्रदान करता है, जैसे डिजिटल वॉलेट और प्रीपेड कार्ड।
- क्रेडिट सूचना कंपनी (सीआईसी) व्यक्तियों और व्यवसायों की क्रेडिट जानकारी एकत्र कर उसका अभिलेख रखती है तथा क्रेडिट रिपोर्ट तैयार करती है।

एनपीसीआई ने एचएसबीसी और जेपी मॉर्गन से साझेदारी की

- राष्ट्रीय भुगतान निगम (एनपीसीआई) ने एचएसबीसी इंडिया और जेपी मॉर्गन पेमेंट्स के साथ साझेदारी कर सीमा-पार यूपीआई लेनदेन के लिए रियल-टाइम विदेशी मुद्रा (एफएक्स) रूपांतरण और निपटान की सुविधा शुरू की।

- इस साझेदारी के माध्यम से तत्काल मुद्रा रूपांतरण और रियल-टाइम निपटान संभव होगा, जिससे अंतरराष्ट्रीय यूपीआई भुगतान अधिक तेज़, पारदर्शी और प्रभावी बनेंगे।



- नई व्यवस्था से निपटान में होने वाली देरी और जोखिम कम होंगे तथा ग्राहकों को तुरंत विनियम दर और शीघ्र भुगतान पुष्टि प्राप्त होगी।
- इस व्यवस्था के तहत अंतरराष्ट्रीय यूपीआई भुगतान सहभागी बैंकों के माध्यम से किए जाएंगे, जबकि विदेशी मुद्रा रूपांतरण और निपटान वास्तविक समय में पूरा होगा।
- इस पहल से ग्राहकों के अनुभव में सुधार होने तथा यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) की वैश्विक स्वीकार्यता को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है।
- यह साझेदारी यूपीआई को विश्वस्तरीय रियल-टाइम डिजिटल भुगतान मंच के रूप में स्थापित करने के भारत के प्रयासों को भी मजबूती प्रदान करेगी।

स्टैटिक जीके

- राष्ट्रीय भुगतान निगम (एनपीसीआई) भारत में खुदरा भुगतान प्रणालियों की शीर्ष संस्था है।
- यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई), एनपीसीआई द्वारा विकसित तत्काल रियल-टाइम भुगतान प्रणाली है।
- विदेशी मुद्रा (एफएक्स) निपटान वह प्रक्रिया है, जिसमें एक मुद्रा को दूसरी मुद्रा में परिवर्तित कर अंतरराष्ट्रीय वित्तीय लेनदेन का निपटान किया जाता है।
- एनपीसीआई भारतीय रिज़र्व बैंक (आरबीआई) और भारतीय बैंक संघ (आईबीए) के मार्गदर्शन में कार्य करता है।

सरकार ने पहली सेवा उत्पादन सूचकांक जारी किया



- सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय (एमओएसपीआई) ने 14 जुलाई 2026 को अप्रैल 2026 के लिए भारत का पहला परीक्षण सेवा उत्पादन सूचकांक जारी किया।
- यह सूचकांक औपचारिक सेवा क्षेत्र के उत्पादन में होने वाले अल्पकालिक बदलावों को मापता है और औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आईआईपी) का पूरक है।
- यह परीक्षण सूचकांक 2024-25 को आधार वर्ष मानते हुए औपचारिक सेवा क्षेत्र के 19 उप-क्षेत्रों को शामिल करता है।
- इन क्षेत्रों का भारत की औपचारिक सेवा अर्थव्यवस्था में लगभग 60% योगदान है।
- अप्रैल 2026 में 19 में से 14 उप-क्षेत्रों में वर्ष-दर-वर्ष दो अंकों की वृद्धि दर्ज की गई, जबकि हवाई परिवहन और रेल परिवहन क्षेत्रों में गिरावट दर्ज की गई।
- यह सूचकांक आर्थिक विश्लेषण, राष्ट्रीय लेखांकन तथा सेवा क्षेत्र के प्रदर्शन के आकलन में सहायता के लिए विकसित किया गया है।

स्टैटिक जीके

- एमओएसपीआई भारत में आधिकारिक सांख्यिकी के लिए नोडल मंत्रालय है।
- आईएसपी की तकनीकी सलाहकार समिति का गठन मई 2025 में किया गया था।
- मासिक उप-क्षेत्रीय सूचकांक प्रत्येक माह की 29 तारीख को जारी किए जाते हैं।
- आईआईपी भारत में औद्योगिक उत्पादन में होने वाले बदलावों को मापता है।

नाबार्ड और एनएसडीसी ने ग्रामोदयम कार्यक्रम शुरू किया



- नाबार्ड ने 13 जुलाई 2026 को अपने 45वें स्थापना दिवस के अवसर पर ग्रामोदयम ग्रामीण उद्यमिता विकास कार्यक्रम शुरू किया।
- इस पहल का उद्देश्य तीन वर्ष की पायलट अवधि के दौरान देशभर में लगभग 4,000 ग्रामीण उद्यमियों को विकसित करना है।
- इस कार्यक्रम की शुरुआत एनएसडीसी तथा कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय के सहयोग से की गई।
- ग्रामोदयम में प्रशिक्षण, मूल्यांकन, पंजीकरण और बैंक ऋण से जोड़ने की सुविधा के लिए डिजिटल-फर्स्ट हाइब्रिड मॉडल अपनाया गया है।

- इस पहल का उद्देश्य ग्रामीण उद्यमिता को बढ़ावा देना और रोजगार एवं आजीविका के अवसरों को मजबूत करना है।

स्टैटिक जीके

- नाबार्ड की स्थापना 12 जुलाई 1982 को हुई थी।
- नाबार्ड का मुख्यालय मुंबई, महाराष्ट्र में स्थित है।
- एनएसडीसी की स्थापना 2008 में हुई थी।

भारत ने विदेशी व्यापार नीति में संशोधन कर जबरन श्रम से बने आयात पर प्रतिबंध लगाया



- विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) ने विदेश व्यापार नीति 2023 में संशोधन करते हुए जबरन श्रम से पूरी तरह या आंशिक रूप से तैयार किए गए सामानों के आयात पर स्पष्ट रूप से प्रतिबंध लगाने की अधिसूचना जारी की।
- नए व्यापार नियम के तहत विदेश व्यापार नीति में पैरा 2.20बी जोड़ा गया है। यह नियम राजपत्र में प्रकाशित होने के 30 दिन बाद औपचारिक रूप से लागू होगा।
- संशोधित व्यवस्था के तहत डीजीएफटी को स्वप्रेरणा से या विश्वसनीय शिकायतों के आधार पर जांच शुरू करने, सप्लायर चेन की जांच करने तथा विशेष वस्तुओं के आयात पर प्रतिबंध लगाने की सिफारिश करने का अधिकार दिया गया है।
- यह नीति परिवर्तन भारत के व्यापार नियमों को अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप बनाता है। इसके तहत अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन के 1930 के जबरन श्रम सम्मेलन (संख्या 29) में दी गई जबरन श्रम की परिभाषा को औपचारिक रूप से अपनाया गया है।
- यह कदम ऐसे समय उठाया गया है, जब अमेरिका की सेक्शन 301 जांच के तहत भारत सहित कई देशों पर जबरन श्रम से बने सामानों के आयात पर पर्याप्त प्रतिबंध नहीं होने के कारण 12.5% अतिरिक्त शुल्क लगाने का प्रस्ताव दिया गया है।

स्टैटिक जीके

- डीजीएफटी का पूरा नाम विदेश व्यापार महानिदेशालय है।
- अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन का मुख्यालय जिनेवा, स्विट्जरलैंड में स्थित है।

भारत ने पेट्रोलियम निर्यात पर विंडफॉल टैक्स में संशोधन किया



- भारत ने पाक्षिक समीक्षा व्यवस्था के तहत 16 जुलाई 2026 से पेट्रोलियम उत्पादों के निर्यात पर विंडफॉल टैक्स में संशोधन किया।
- डीजल पर निर्यात शुल्क 8.50 रुपये प्रति लीटर से बढ़ाकर 15.50 रुपये प्रति लीटर कर दिया गया।
- एविेशन टर्बाइन फ्यूल (एटीएफ) पर निर्यात शुल्क 7.50 रुपये प्रति लीटर से बढ़ाकर 14.50 रुपये प्रति लीटर कर दिया गया।
- वहीं, पेट्रोल पर निर्यात शुल्क 4 रुपये प्रति लीटर से घटाकर 2.50 रुपये प्रति लीटर कर दिया गया।
- यह संशोधन संयुक्त राज्य अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते तनाव तथा हॉर्मुज़ जलडमरूमध्य में आपूर्ति बाधित होने की आशंकाओं के कारण वैश्विक कच्चे तेल की कीमतों में वृद्धि के बाद किया गया।
- संशोधित कर व्यवस्था का उद्देश्य पेट्रोलियम उत्पादों के निर्यात को विनियमित करना तथा देश में ईंधन की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करना है।

स्टैटिक जीके

- विंडफॉल टैक्स किसी विशेष क्षेत्र में अप्रत्याशित या अतिरिक्त लाभ पर लगाया जाने वाला विशेष कर है।
- भारत में विंडफॉल टैक्स डीजल, एटीएफ और पेट्रोल के निर्यात पर लागू होता है, लेकिन इनके घरेलू बिक्री पर लागू नहीं होता।
- भारत में ईंधन के कुछ निर्यात शुल्कों की समीक्षा हर पखवाड़े (फोर्टनाइट) की जाती है।
- हॉर्मुज़ जलडमरूमध्य फारस की खाड़ी को ओमान की खाड़ी से जोड़ता है और यह दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण तेल परिवहन मार्गों में से एक है।

भारत ने श्रीलंका के साथ कर संधि के नियमों को सख्त किया



- भारत ने श्रीलंका के साथ अपनी कर संधि में दुरुपयोग-रोधी (एंटी-अब्यूज़) नियम लागू किया।
- नए नियम के अनुसार, यदि किसी व्यवस्था या लेनदेन का प्रमुख उद्देश्य कर संधि का लाभ प्राप्त करना है, तो कर अधिकारी ऐसे मामलों में संधि के तहत मिलने वाले लाभ देने से इनकार कर सकते हैं।
- इस संशोधन का उद्देश्य ट्रीटी शॉपिंग तथा कर से बचाव (टैक्स अवॉयडेंस) की अन्य रणनीतियों के माध्यम से कर संधि के दुरुपयोग को रोकना है।
- यह नियम भारत-श्रीलंका कर संधि के अंतर्गत आने वाली सीमा-पार आय पर लागू होगा, जिसमें लाभांश, ब्याज, रॉयल्टी और व्यावसायिक लाभ शामिल हैं।
- संशोधित व्यवस्था से भारत और श्रीलंका के बीच द्विपक्षीय व्यापार और निवेश में कर अनुपालन को और मजबूत किया जाएगा।

स्टैटिक जीके

- दोहरा कराधान परिहार समझौता (डीटीए) दो देशों के बीच होने वाला ऐसा समझौता है, जो एक ही आय पर दो बार कर लगने से बचाता है।
- प्रिंसिपल पर्पज टेस्ट (पीपीटी) एक अंतरराष्ट्रीय दुरुपयोग-रोधी नियम है, जिसके तहत केवल कर लाभ प्राप्त करने के उद्देश्य से किए गए लेनदेन पर संधि का लाभ देने से इनकार किया जा सकता है।
- ट्रीटी शॉपिंग वह प्रक्रिया है, जिसमें कर संधि का लाभ लेने के लिए आय को किसी मध्यवर्ती देश के माध्यम से भेजा जाता है।
- दुरुपयोग-रोधी प्रावधान आधुनिक कर संधियों में निष्पक्ष कराधान को बढ़ावा देने और कर से बचाव रोकने के लिए शामिल किए जाते हैं।

एनपीसीआई ने ऑफलाइन टैप-टू-पे यूपीआई सुविधा विकसित की



- नेशनल पेमेंट्स कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया (एनपीसीआई) ने व्यापारी पॉइंट-ऑफ-सेल (पीओएस) टर्मिनलों पर टैप-टू-पे लेनदेन के लिए ऑफलाइन यूपीआई सुविधा विकसित की।
- यह प्रणाली ग्राहक के मोबाइल और व्यापारी के पीओएस टर्मिनल—दोनों पर इंटरनेट उपलब्ध न होने की स्थिति में भी भुगतान करने में सक्षम बनाती है।
- यह सुविधा नियर-फील्ड कम्युनिकेशन (एनएफसी) तकनीक का उपयोग करके संपर्क रहित (कॉन्टैक्टलेस) भुगतान पूरा करती है।

- ऑफलाइन एनएफसी-आधारित यूपीआई भुगतान के लिए प्रति लेनदेन 2,000 रुपये की सीमा प्रस्तावित की गई है।
- उपयोगकर्ताओं को ऑफलाइन भुगतान करने से पहले ऑनलाइन रहते हुए अपने यूपीआई लाइट वॉलेट में राशि जोड़नी होगी।
- एनपीसीआई ने 2026 के दौरान प्रमुख निर्माताओं के संगत पीओएस उपकरणों को प्रमाणित करने की योजना बनाई है।
- इस सुविधा के माध्यम से ऑफलाइन भुगतान की क्षमता स्मार्टफोन-से-स्मार्टफोन लेनदेन से बढ़ाकर व्यापारी पीओएस टर्मिनलों तक पहुंच गई है। इससे विमानों और भूमिगत मेट्रो नेटवर्क जैसे कम इंटरनेट कनेक्टिविटी वाले क्षेत्रों में भी भुगतान करना आसान होगा।

स्टैटिक जीके

- एनपीसीआई भारत में यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) प्रणाली का संचालन करता है।
- यूपीआई रियल-टाइम बैंक-टू-बैंक डिजिटल भुगतान प्रणाली है।
- नियर-फील्ड कम्युनिकेशन (एनएफसी) कम दूरी की वायरलेस तकनीक है, जिसका उपयोग संपर्क रहित भुगतान के लिए किया जाता है।
- यूपीआई लाइट एक्स (UPI Lite X) की शुरुआत सितंबर 2023 में ऑफलाइन फोन-से-फोन भुगतान के लिए की गई थी।
- *यूएसएसडी सेवा 99# इंटरनेट के बिना यूपीआई की मूलभूत सेवाएं उपलब्ध कराती है और पात्र बैंकिंग सेवाओं के लिए 5,000 रुपये तक के लेनदेन का समर्थन करती है।

भारत विश्व व्यापार संगठन के मत्स्य पालन सब्सिडी समझौते में शामिल हुआ



- भारत ने जुलाई 2026 में स्वीकृति-पत्र (इंस्ट्रूमेंट ऑफ एक्सेप्शन) जमा करके विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) के मत्स्य पालन सब्सिडी समझौते का सदस्य बनने की औपचारिक प्रक्रिया पूरी की।
- इसके साथ ही भारत इस समझौते को स्वीकार करने वाला डब्ल्यूटीओ का 123वां सदस्य बन गया।
- इस समझौते के तहत अवैध, बिना सूचना के तथा अनियमित (आईयू) मत्स्य पालन को बढ़ावा देने वाली सब्सिडी तथा अत्यधिक मत्स्य दोहन और अतिरिक्त क्षमता को बढ़ावा देने वाली सब्सिडी पर प्रतिबंध लगाया गया है।

- यह समझौता समुद्री प्राकृतिक मत्स्य पालन (मरीन वाइल्ड कैप्चर फिशिंग) पर लागू होता है, जबकि मत्स्य पालन (एक्वाकल्चर) और अंतर्देशीय मत्स्य पालन को इसके दायरे से बाहर रखा गया है।
- दूसरे चरण (फेज-II) की वार्ताओं के दौरान भारत ने विकासशील देशों के लिए 25 वर्ष की संक्रमण अवधि की मांग जारी रखी।
- भारत ने दूरस्थ समुद्री क्षेत्रों में संचालित औद्योगिक मत्स्य बेड़ों के लिए कड़े नियम बनाने तथा लघु एवं पारंपरिक मछुआरों को स्थायी छूट देने की भी मांग की।
- भारत ने बताया कि उसकी मत्स्य पालन सब्सिडी विश्व में सबसे कम में से एक है, जो प्रति मछुआरा परिवार प्रतिवर्ष लगभग 15 अमेरिकी डॉलर है।

स्टैटिक जीके

- डब्ल्यूटीओ का मत्स्य पालन सब्सिडी समझौता जून 2022 में जिनेवा में आयोजित डब्ल्यूटीओ के 12वें मंत्रिस्तरीय सम्मेलन में अपनाया गया था।
- यह समझौता 15 सितंबर 2025 को डब्ल्यूटीओ के दो-तिहाई सदस्यों द्वारा स्वीकार किए जाने के बाद लागू हुआ।
- समुद्री प्राकृतिक मत्स्य पालन (मरीन वाइल्ड कैप्चर फिशिंग) का अर्थ समुद्रों और महासागरों से प्राकृतिक रूप से उपलब्ध मछलियों का शिकार करना है, जबकि एक्वाकल्चर का अर्थ मछली पालन है।
- विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) सदस्य देशों के बीच वैश्विक व्यापार नियमों का नियमन करता है।

नीति आयोग ने 10-वर्षीय जैव-अर्थव्यवस्था रोडमैप लॉन्च किया



- नीति आयोग ने “2035 तक भारत को अग्रणी जैव-अर्थव्यवस्था महाशक्ति बनाने का रोडमैप” लॉन्च किया। इसका उद्देश्य 2035 तक भारत की जैव-अर्थव्यवस्था को 691 अरब अमेरिकी डॉलर और 2047 तक 2.6 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुंचाना है।
- यह 10-वर्षीय रणनीति भारत को दुनिया की शीर्ष तीन जैव-प्रौद्योगिकी अर्थव्यवस्थाओं में शामिल करने तथा 3 करोड़ से अधिक उच्च-मूल्य वाले रोजगार सृजित करने का लक्ष्य रखती है।

- इस रोडमैप में छह राष्ट्रीय बायोमिशन प्रस्तावित किए गए हैं, जिनमें जीन एवं कोशिका चिकित्सा, जलवायु-लचीली कृषि, सिंथेटिक बायोलॉजी, समुद्री जैव-प्रौद्योगिकी, रोग निगरानी तथा जैव-औषधि शामिल हैं।
- इसमें 2026-2035 की अवधि के लिए 50,000 करोड़ रुपये के बायोइकोनॉमी ग्रोथ फंड की स्थापना की भी सिफारिश की गई है, ताकि अनुसंधान से व्यावसायिक विनिर्माण तक की प्रक्रिया को समर्थन मिल सके।
- इस रूपरेखा में नियामकीय सुधार, पीएलआई (प्रोडक्शन लिंकड इंसेंटिव) जैसी प्रोत्साहन योजनाएं, तेज अनुमोदन तंत्र तथा इंजीनियरिंग बायोलॉजी के नए पाठ्यक्रम शुरू करने की भी सिफारिश की गई है।

स्टैटिक जीके

- नीति आयोग की स्थापना 1 जनवरी 2015 को योजना आयोग के स्थान पर की गई थी।
- भारत के प्रधानमंत्री नीति आयोग के अध्यक्ष होते हैं।
- नीति आयोग का मुख्यालय नई दिल्ली में स्थित है।
- नीति का पूर्ण रूप नेशनल इंस्टीट्यूट फॉर ट्रांसफॉर्मिंग इंडिया है।

आरबीआई ने विदेशी निवेश नियम, 2026 का मसौदा जारी किया

- भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने विदेशी प्रत्यक्ष निवेश (एफडीआई) व्यवस्था को सरल बनाने के उद्देश्य से विदेशी मुद्रा प्रबंधन (विदेशी निवेश) नियम, 2026 का मसौदा जारी किया।
- मसौदा नियमों में केंद्रीय बजट 2026-27 में की गई घोषणा के अनुरूप विदेशी मुद्रा प्रबंधन (गैर-ऋण साधन) नियम, 2019 को प्रतिस्थापित करने का प्रस्ताव रखा गया है।



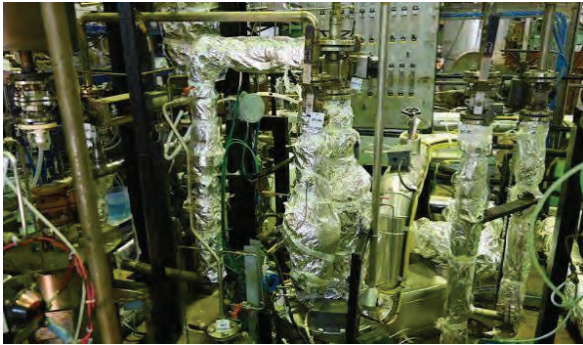
- इस रूपरेखा में आरबीआई द्वारा विनियमित फेमा (FEMA) के प्रक्रियात्मक प्रावधानों तथा केंद्र सरकार द्वारा संचालित नीतिगत प्रावधानों के बीच स्पष्ट विभाजन किया गया है।
- यह मसौदा सरकार द्वारा नियुक्त समिति की सिफारिशों के आधार पर तैयार किया गया है, ताकि नियमों को पारदर्शी, सिद्धांत-आधारित और निवेशक-अनुकूल बनाया जा सके।
- आरबीआई ने इस मसौदा नियम पर 31 अगस्त 2026 तक अपनी वेबसाइट और ईमेल के माध्यम से जनता से सुझाव और टिप्पणियां आमंत्रित की हैं।

स्टैटिक जीके

- विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम (फेमा) 1 जून 2000 से लागू हुआ था। इसने विदेशी मुद्रा विनियमन अधिनियम (फेरा), 1973 का स्थान लिया।
- भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) भारत का केंद्रीय बैंक है और फेमा के तहत विदेशी मुद्रा प्रबंधन का विनियमन करता है।



भारत ने दुनिया की पहली परमाणु ऊष्मा आधारित हाइड्रोजन उत्पादन सुविधा शुरू की



- भारत ने 26 जून 2026 को कल्पक्कम स्थित इंदिरा गांधी परमाणु अनुसंधान केंद्र (आईजीसीएआर) में परमाणु ऊष्मा का उपयोग कर हाइड्रोजन उत्पादन करने वाली दुनिया की पहली सुविधा का उद्घाटन किया।
- यह सुविधा उच्च तापमान वाली ताप-रासायनिक प्रक्रियाओं के माध्यम से हाइड्रोजन उत्पादन के लिए परमाणु रिएक्टर की ऊष्मा का उपयोग करती है।
- यह परियोजना स्वच्छ ऊर्जा प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में एक बड़ी उपलब्धि है और राष्ट्रीय हरित हाइड्रोजन मिशन को समर्थन प्रदान करती है।
- परमाणु-सहायित हाइड्रोजन उत्पादन पारंपरिक विधियों की तुलना में अधिक दक्षता और कम कार्बन उत्सर्जन प्रदान करता है।
- यह प्रौद्योगिकी इस्पात, उर्वरक, रिफाइनरी, परिवहन और विद्युत उत्पादन जैसे उद्योगों को स्वच्छ हाइड्रोजन उपलब्ध कराने की क्षमता रखती है।
- इस उपलब्धि ने उन्नत परमाणु प्रौद्योगिकी और सतत ऊर्जा नवाचार के क्षेत्र में भारत की स्थिति को और मजबूत किया।

स्टैटिक जीके

- आईजीसीएआर कल्पक्कम में स्थित है।
- आईजीसीएआर मुख्य रूप से फास्ट ब्रीडर रिएक्टर प्रौद्योगिकी पर कार्य करता है।
- राष्ट्रीय हरित हाइड्रोजन मिशन की शुरुआत वर्ष 2023 में की गई थी।
- हाइड्रोजन को भविष्य का ईंधन माना जाता है, क्योंकि इसके दहन से जल का निर्माण होता है।

इसरो ने सेमी-क्रायोजेनिक इंजन के पावर हेड का सफल हॉट परीक्षण किया

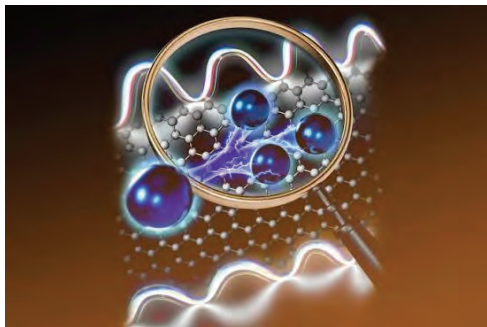


- भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने 24 जून 2026 को तमिलनाडु के महेन्द्रगिरि स्थित केंद्र में सेमी-क्रायोजेनिक इंजन पावर हेड परीक्षण मॉडल का सफल हॉट परीक्षण किया।
- इस परीक्षण ने वास्तविक परिचालन परिस्थितियों में इंजन के महत्वपूर्ण उप-प्रणालियों के एकीकृत प्रदर्शन को प्रमाणित किया।
- इस इंजन में द्रव ऑक्सीजन (एलओएक्स) का उपयोग ऑक्सीकारक तथा परिष्कृत केरोसीन का उपयोग ईंधन के रूप में किया गया, जिससे अधिक प्रणोदन बल और बेहतर दक्षता प्राप्त होती है।
- इसका विकास भविष्य के प्रक्षेपण यानों के बूस्टर चरण को शक्ति प्रदान करने तथा पेलोड क्षमता बढ़ाने के लिए किया जा रहा है।
- यह सफल परीक्षण भारत की स्वदेशी प्रणोदन प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है।
- यह भविष्य के भारी-भार प्रक्षेपण मिशनों तथा उन्नत अंतरिक्ष अन्वेषण कार्यक्रमों को भी मजबूती प्रदान करेगा।

स्टैटिक जीके

- आईपीआरसी तमिलनाडु के महेन्द्रगिरि में स्थित है।
- द्रव ऑक्सीजन (एलओएक्स) का उपयोग आधुनिक प्रक्षेपण यानों में व्यापक रूप से ऑक्सीकारक के रूप में किया जाता है।
- इसरो की स्थापना 15 अगस्त 1969 को हुई थी।
- इसरो का मुख्यालय बेंगलुरु में स्थित है।

वैज्ञानिकों ने नई विलक्षण क्वांटम अवस्था की खोज की



- इसब्रुक विश्वविद्यालय के भौतिकविदों ने लगभग 70,000 अतिशीतल सीज़ियम परमाणुओं का उपयोग करके 'फ्रैक्शनल फर्मी सी' नामक एक नई विलक्षण क्वांटम अवस्था विकसित की।
- इस प्रयोग में परमाणुओं को कुछ नैनोकेल्विन तापमान पर एक-आयामी नलिकाओं में सीमित किया गया, जिससे शोधकर्ताओं को पदार्थ की एक नई अवस्था का अवलोकन करने में सफलता मिली।
- इस खोज ने टोमोनागा-लुटिंगर द्रव सिद्धांत से आगे के क्वांटम व्यवहार को प्रदर्शित किया। यह शोध फिजिकल रिव्यू लेटर्स पत्रिका में प्रकाशित हुआ।
- इस उपलब्धि से क्वांटम पदार्थ की बेहतर समझ विकसित होगी तथा क्वांटम कंप्यूटिंग और क्वांटम प्रौद्योगिकी के भविष्य के विकास को गति मिलने की उम्मीद है।

स्टैटिक जीके

- सीज़ियम एक क्षारीय धातु है, जिसका परमाणु क्रमांक 55 है।
- टोमोनागा-लुटिंगर द्रव सिद्धांत एक-आयामी प्रणालियों में परस्पर क्रिया करने वाले कणों के व्यवहार का वर्णन करता है।

भारतीय वैज्ञानिकों ने 'प्लेसेंटा-ऑन-चिप' प्लेटफ़ॉर्म विकसित किया



- आईआईटी बॉम्बे और आईसीएमआर-राष्ट्रीय प्रजनन एवं बाल स्वास्थ्य अनुसंधान संस्थान (एनआईआरआरसीएच), मुंबई के भारतीय वैज्ञानिकों ने 'प्लेसेंटा-ऑन-चिप' प्लेटफ़ॉर्म विकसित किया।

- यह एक माइक्रोफ्लुइडिक ऑर्गन-ऑन-चिप उपकरण है, जो प्रयोगशाला में मानव प्लेसेंटा के प्रमुख कार्यों का अनुकरण करता है।
- यह प्लेटफ़ॉर्म प्लेसेंटा द्वारा भ्रूण तक पोषक तत्वों और ऑक्सीजन पहुँचाने तथा हानिकारक पदार्थों को रोकने की प्रक्रिया की नकल करता है।
- इस उपकरण का निर्माण फोटोलिथोग्राफी और सॉफ्ट लिथोग्राफी जैसी मानक माइक्रोजीनियरिंग तकनीकों का उपयोग करके किया गया है।
- यह प्लेटफ़ॉर्म गर्भावस्था संबंधी अनुसंधान, दवा परीक्षण तथा पशु मॉडल पर निर्भरता कम करने में सहायक होगा।
- इससे प्री-एक्लेम्पसिया और गर्भकालीन मधुमेह जैसी गर्भावस्था संबंधी बीमारियों के अध्ययन में भी मदद मिलेगी।
- इस परियोजना में प्रो. अभिजीत मजूमदार, प्रो. देबजानी पॉल (आईआईटी बॉम्बे) तथा डॉ. दीपक मोदी (एनआईआरआरसीएच) शामिल रहे।
- इस तकनीक के लिए पेटेंट आवेदन की प्रक्रिया जारी है।
- इस परियोजना को विज्ञान, अभियांत्रिकी एवं अनुसंधान बोर्ड (एसईआरबी) की आईएमप्रिंट-II सी योजना के तहत वित्तीय सहायता प्राप्त हुई।

स्टैटिक जीके

- प्लेसेंटा (अपरा) गर्भावस्था के दौरान बनने वाला एक अस्थायी अंग है, जो माता और भ्रूण के बीच ऑक्सीजन, पोषक तत्वों तथा अपशिष्ट पदार्थों का आदान-प्रदान करता है।
- प्री-एक्लेम्पसिया गर्भावस्था के दौरान होने वाला एक विकार है, जिसमें उच्च रक्तचाप तथा अन्य अंगों से संबंधित जटिलताएँ उत्पन्न होती हैं।
- गर्भकालीन मधुमेह वह मधुमेह है, जिसका पहली बार गर्भावस्था के दौरान पता चलता है।
- ऑर्गन-ऑन-चिप एक माइक्रोफ्लुइडिक उपकरण है, जो अनुसंधान और दवा परीक्षण के लिए मानव अंगों के कार्यों का अनुकरण करता है।

वैज्ञानिकों ने पृथ्वी जैसे बाह्यग्रह GJ 3378b की खोज की



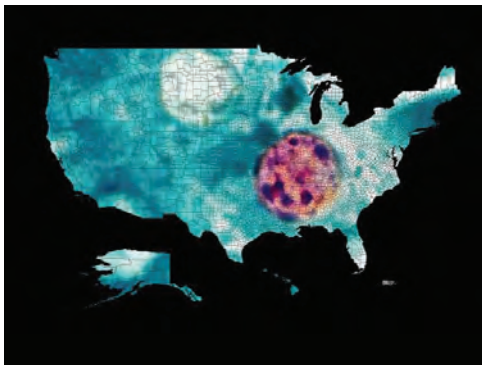
- खगोलविदों ने बाह्यग्रह GJ 3378b का पुनः विश्लेषण किया, जिसके संशोधित निष्कर्ष 1 जुलाई 2026 को प्रकाशित किए गए।

- GJ 3378b, ग्लाइज़ 3378 नामक लाल बौने तारे की परिक्रमा करता है, जो कैमेलोपाडॉलिस तारामंडल में पृथ्वी से लगभग 25 प्रकाश-वर्ष दूर स्थित है।
- वैज्ञानिकों ने इस ग्रह का द्रव्यमान पहले के पृथ्वी के 5.3 गुना के अनुमान से संशोधित कर लगभग 2.3 गुना कर दिया।
- यह ग्रह 21.45 दिनों में अपने तारे की एक परिक्रमा पूरी करता है और अपने तारे के रहने योग्य क्षेत्र (हैबिटेबल ज़ोन) में स्थित है।
- GJ 3378b को सूर्य से पृथ्वी को मिलने वाले विकिरण का लगभग 90% विकिरण प्राप्त होता है, जिससे यह तरल जल की संभावित उपस्थिति वाला एक आशाजनक ग्रह माना जा रहा है।
- वैज्ञानिकों ने हॉबी-एबरली टेलीस्कोप पर स्थित हैबिटेबल-ज़ोन प्लेनेट फाइंडर तथा डब्ल्यूआईवाईएन टेलीस्कोप के एनईआईडी स्पेक्ट्रोमीटर की सहायता से रेडियल-वेग विधि द्वारा इस ग्रह का पता लगाया।
- वैज्ञानिकों ने अभी तक GJ 3378b पर वायुमंडल की उपस्थिति की पुष्टि नहीं की है। भविष्य में नासा की हैबिटेबल वर्ल्ड्स ऑब्जर्वेटरी इस ग्रह के वायुमंडलीय गुणों तथा जैविक संकेतों (बायोसिग्नेचर) की खोज कर सकती है।

स्टैटिक जीके

- बाह्यग्रह वह ग्रह है, जो सौर मंडल के बाहर किसी तारे की परिक्रमा करता है।
- लाल बौना तारा छोटा, ठंडा और कम द्रव्यमान वाला तारा होता है, जिसके चारों ओर प्रायः निकटवर्ती ग्रह पाए जाते हैं।
- रहने योग्य क्षेत्र (हैबिटेबल ज़ोन) तारे के चारों ओर का वह क्षेत्र है, जहाँ उपयुक्त वायुमंडल होने पर किसी ग्रह की सतह पर तरल जल मौजूद रह सकता है।
- रेडियल-वेग विधि किसी तारे की गति में परिक्रमा कर रहे ग्रह के गुरुत्वाकर्षण से होने वाले परिवर्तन को मापकर बाह्यग्रहों का पता लगाने की तकनीक है।
- नासा की हैबिटेबल वर्ल्ड्स ऑब्जर्वेटरी 2040 के दशक के लिए प्रस्तावित एक अंतरिक्ष दूरबीन है, जिसका उद्देश्य रहने योग्य ग्रहों और जैविक संकेतों की खोज करना है।

संयुक्त राज्य अमेरिका में साइक्लोस्पोरा संक्रमण का प्रकोप फैला

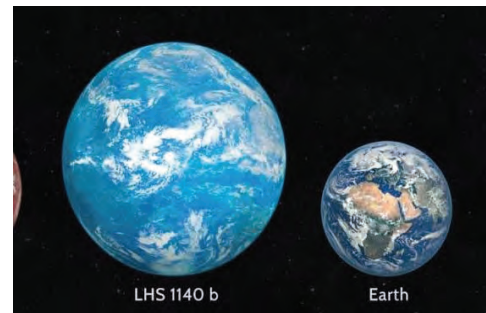


- जुलाई 2026 में संयुक्त राज्य अमेरिका में साइक्लोस्पोरा संक्रमण के प्रकोप से हजारों लोग प्रभावित हुए। यह खाद्यजनित आंतों का संक्रमण था।
- सीडीसी ने 34 राज्यों में 1,645 स्थानीय संक्रमण के मामलों की पुष्टि की तथा अन्य संदिग्ध मामलों की भी जांच की।
- साइक्लोस्पोरा केयेटानेन्सिस एक प्रोटोजोआ परजीवी है, जो दूषित भोजन या दूषित पानी के माध्यम से फैलता है।
- इस संक्रमण के लक्षणों में पानी जैसे दस्त, पेट में ऐंठन, मतली, थकान और वजन कम होना शामिल हैं।
- जांच में ताज़ी सब्जियों, विशेषकर पैकड सलाद और लेट्यूस को संक्रमण का संभावित स्रोत माना गया।
- इस प्रकोप ने खाद्य सुरक्षा निगरानी तथा खाद्यजनित रोगों की निगरानी के महत्व को उजागर किया।

स्टैटिक जीके

- साइक्लोस्पोरियासिस रोग साइक्लोस्पोरा केयेटानेन्सिस के कारण होता है।
- सीडीसी संयुक्त राज्य अमेरिका की प्रमुख सार्वजनिक स्वास्थ्य एजेंसी है।
- फूडनेट खाद्यजनित संक्रमणों की निगरानी करने वाला सर्विलांस नेटवर्क है।
- साइक्लोस्पोरा एक परजीवी है, बैक्टीरिया या वायरस नहीं।

वैज्ञानिकों ने एलएचएस 1140बी के वायुमंडल में हीलियम का पता लगाया



- शोधकर्ताओं ने एलएचएस 1140बी के वायुमंडल से निकलती हुई हीलियम गैस का पता लगाया। इसके साथ ही यह रहने योग्य क्षेत्र (हैबिटेबल ज़ोन) में स्थित उन चुनिंदा चट्टानी बहिर्ग्रहों (एक्सोप्लैनेट) में शामिल हो गया, जिनके वायुमंडल के अस्तित्व के प्रत्यक्ष प्रेक्षणीय प्रमाण मिले हैं।
- एलएचएस 1140बी एक सुपर-अर्थ है, जो सीटस (Cetus) तारामंडल में पृथ्वी से लगभग 48-49 प्रकाश-वर्ष दूर स्थित है और लाल बौने तारे (रेड ड्वार्फ) की परिक्रमा करता है।
- इस ग्रह का द्रव्यमान पृथ्वी के द्रव्यमान का 5.6 गुना तथा त्रिज्या पृथ्वी की त्रिज्या की 1.73 गुना है।
- वैज्ञानिकों ने चिली स्थित लास कैपानास वेधशाला के मैजेलन क्ले टेलीस्कोप पर लगे वॉर्म इन्फ्रारेड एंशेल स्पेक्ट्रोग्राफ की सहायता से हीलियम का पता लगाया।

- प्रेक्षणों में 2024 के दौरान हीलियम का पता चला, जबकि 2025 में इसका पता नहीं चला। इससे संकेत मिलता है कि चट्टानी बहिर्ग्रहों के वायुमंडल से गैस का निकलना समय के साथ बदल सकता है।
- इन निष्कर्षों से संकेत मिला कि ग्रह के ऊपरी वायुमंडल में हीलियम की अधिकता है, जबकि जल जैसी भारी गैसों निचली परतों में मौजूद हो सकती हैं।
- एलएचएस 1140बी खगोलजीवविज्ञान (एस्ट्रोबायोलॉजी) के लिए एक महत्वपूर्ण लक्ष्य बना हुआ है, क्योंकि यह रहने योग्य क्षेत्र में स्थित है और कम-से-कम 3.1 अरब वर्षों से अपना वायुमंडल बनाए हुए है।
- निकटवर्ती चट्टानी बहिर्ग्रह एलएचएस 1140सी पर अब तक किसी वायुमंडल का पता नहीं चला है।

स्टैटिक जीके

- सुपर-अर्थ ऐसा बहिर्ग्रह (एक्सोप्लैनेट) होता है, जिसका आकार पृथ्वी से बड़ा, लेकिन अरुण (यूनस) या वरुण (नेपच्यून) से छोटा होता है।
- रहने योग्य क्षेत्र (हेबिटेबल जोन) किसी तारे के आसपास का वह क्षेत्र है, जहां उपयुक्त परिस्थितियों में तरल जल मौजूद रह सकता है। इसे गोल्डीलॉक्स जोन भी कहा जाता है।
- जेम्स वेब अंतरिक्ष दूरबीन और हबल अंतरिक्ष दूरबीन का उपयोग बहिर्ग्रहों के वायुमंडल का अध्ययन करने के लिए किया जाता है।

भारतीय स्टार्टअप ने यंतुर टर्बोफैन इंजन कार्यक्रम का अनावरण किया



- पैनिनियन इंडिया प्राइवेट लिमिटेड ने जुलाई 2026 में नई दिल्ली में यंतुर 4.5 केएन टर्बोफैन इंजन कार्यक्रम का अनावरण किया।
- इस कार्यक्रम का उद्देश्य लंबी दूरी की स्वायत्त प्रणालियों, जैसे कॉम्बैट ड्रोन और क्रूज मिसाइलों के लिए स्वदेशी प्रणोदन (प्रोपल्शन) तकनीक विकसित करना है।
- यह इंजन वैचारिक (कॉन्सेप्टुअल) और विस्तृत डिजाइन चरण पूरे कर चुका है तथा अब उप-प्रणाली परीक्षण, सत्यापन और प्रमाणीकरण के चरण में प्रवेश कर चुका है।
- 4.5 केएन क्षमता वाले इस इंजन के डिजाइन को स्वायत्त सीसीएवी (Svayatt CCAV) प्लेटफॉर्म के लिए 12.5 केएन तक उन्नत किया जा सकता है।

- इस कार्यक्रम में इंजन आर्किटेक्चर, कंप्रस्टर एवं डिफ्यूजर-नोज़ल डिजाइन, कंप्रेसर तकनीक, डिजिटल ट्विन आधारित स्वास्थ्य निगरानी तथा उन्नत विनिर्माण से संबंधित पांच पेटेंट दावे शामिल हैं।
- यह इंजन रक्षा मंत्रालय के मेक-1 कार्यक्रम के अंतर्गत विकसित स्वायत्त एल1 (Svayatt L1) लंबी दूरी के स्वायत्त क्रूज मिसाइल प्लेटफॉर्म को शक्ति प्रदान करने के लिए विकसित किया जा रहा है।
- बेंगलुरु और हैदराबाद स्थित पैनिनियन इंडिया प्राइवेट लिमिटेड ने इंजन के परीक्षण और एकीकरण की प्रक्रिया को तेज करने के लिए 30 लाख अमेरिकी डॉलर (3 मिलियन अमेरिकी डॉलर) के निवेश की मांग की।

स्टैटिक जीके

- टर्बोफैन इंजन एक गैस टर्बाइन इंजन है, जो फैन और मुख्य इंजन (कोर इंजन) की सहायता से प्रणोदन (थ्रस्ट) उत्पन्न करता है।
- केएन (किलोन्यूटन) इंजन के प्रणोदन (थ्रस्ट) को मापने की मानक इकाई है।
- डिजिटल ट्विन तकनीक किसी भौतिक प्रणाली का आभासी मॉडल तैयार करती है, जिसका उपयोग निगरानी और परीक्षण के लिए किया जाता है।
- मेक-1 रक्षा मंत्रालय के स्वदेशी रक्षा खरीद ढांचे के अंतर्गत एक प्रमुख श्रेणी है।

वैज्ञानिकों ने मध्य प्रदेश में दुनिया की दूसरी सबसे प्राचीन ऑर्बिक्युलर शिला की पहचान की



- वैज्ञानिकों ने मध्य प्रदेश के शिवपुरी जिले स्थित पिछोर ऑर्बिक्युलर ग्रेनाइट की आयु लगभग 2.56 अरब वर्ष निर्धारित की।
- यह शिला पश्चिमी ऑस्ट्रेलिया में स्थित समान संरचना के बाद दुनिया की दूसरी सबसे प्राचीन ऑर्बिक्युलर शिला बन गई है।
- शोधकर्ताओं ने इसकी आयु का निर्धारण यूरेनियम-सीसा (यू-पीबी) जिरकॉन डेटिंग तकनीक की सहायता से किया।
- अध्ययन में 3.5 अरब वर्ष तक पुराने वंशानुगत जिरकॉन क्रिस्टलों की पहचान हुई, जो प्राचीन महाद्वीपीय भू-परपटी के पुनर्चक्रण का संकेत देते हैं।
- यह ग्रेनाइट बुंदेलखंड क्रेटॉन में पाया जाता है, जो भारत के सबसे प्राचीन भू-वैज्ञानिक क्षेत्रों में से एक है।

स्टैटिक जीके

- ऑर्बिक्युलर ग्रेनाइट एक दुर्लभ आग्नेय शिला है, जिसमें गोलाकार संरचनाएं (ऑर्बिक्यूल्स) पाई जाती हैं।
- ज़िरकॉन का उपयोग प्राचीन शिलाओं की आयु निर्धारित करने के लिए यू-पीबी डेटिंग में व्यापक रूप से किया जाता है।
- क्रेटॉन महाद्वीपीय भू-परपटी का स्थिर और अत्यंत प्राचीन भाग होता है।
- यह अध्ययन जियोसिस्टम्स एंड जियोएनवायरनमेंट पत्रिका में प्रकाशित हुआ।

सीडीएससीओ ने एमएसएसएच के उपचार के लिए वेगोवी को मंजूरी दी



- सेंट्रल ड्रग्स स्टैंडर्ड कंट्रोल ऑर्गेनाइजेशन (सीडीएससीओ) ने भारत में मेटाबॉलिक डिसफंक्शन-एसोसिएटेड स्टीटोहेपेटाइटिस (एमएसएसएच) के उपचार के लिए नोवो नॉर्डिस्क की वेगोवी (सेमाग्लूटाइड 2.4 मि.ग्रा.) को मंजूरी दी।
- वेगोवी भारत में मध्यम से उन्नत यकृत फाइब्रोसिस से पीड़ित गैर-सिरोटिक एमएसएसएच वाले वयस्कों के उपचार के लिए स्वीकृत होने वाली पहली जीएलपी-1 रिसेप्टर एगोनिस्ट दवा बन गई है।
- यह मंजूरी वैश्विक क्लीनिकल परीक्षणों, जिनमें ESSENCE परीक्षण भी शामिल है, के परिणामों के आधार पर दी गई। इन परीक्षणों में यकृत की सूजन और फाइब्रोसिस में सुधार देखा गया।
- इस दवा का उपयोग कम कैलोरी वाले आहार और बढ़ी हुई शारीरिक गतिविधि के साथ करने की सलाह दी जाती है।
- यह मंजूरी भारत में गैर-अल्कोहलिक फैटी लिवर रोग के उपचार की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि मानी गई है।

स्टैटिक जीके

- सीडीएससीओ (सेंट्रल ड्रग्स स्टैंडर्ड कंट्रोल ऑर्गेनाइजेशन) स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के अधीन कार्य करता है।
- ड्रग्स कंट्रोलर जनरल ऑफ इंडिया (डीसीजीआई) सेंट्रल ड्रग्स स्टैंडर्ड कंट्रोल ऑर्गेनाइजेशन (सीडीएससीओ) का प्रमुख होता है।

हेलीना ने भारत की स्वदेशी टैंक रोधी मिसाइल क्षमता को और मजबूत किया



- हेलीना, नाग मिसाइल का हेलीकॉप्टर से प्रक्षेपित संस्करण है, जिसे रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) ने सशस्त्र हेलीकॉप्टरों से तैनाती के लिए विकसित किया है।
- इस मिसाइल को उन्नत टैंडम हीट (हाई एक्सप्लोसिव एंटी-टैंक) वारहेड की सहायता से आधुनिक युद्धक टैंकों को नष्ट करने के लिए डिज़ाइन किया गया है।
- यह फायर-एंड-फॉरगेट सिद्धांत पर कार्य करती है, जिससे प्रक्षेपण के बाद मार्गदर्शन की आवश्यकता नहीं होती।
- हेलीना में दिन और रात दोनों समय सटीक लक्ष्य भेदन के लिए इमेजिंग इन्फ्रारेड सीकर का उपयोग किया गया है।
- इस मिसाइल की परिचालन क्षमता लगभग 7 से 10 किलोमीटर है तथा इसे एलसीएच प्रचंड के साथ एकीकृत किया गया है।
- इससे भारत की स्वदेशी रक्षा क्षमता को उल्लेखनीय मजबूती मिली है और आयात पर निर्भरता कम हुई है।

स्टैटिक जीके

- डीआरडीओ की स्थापना वर्ष 1958 में हुई थी।
- डीआरडीओ का मुख्यालय नई दिल्ली में स्थित है।
- नाग भारत की स्वदेशी टैंक रोधी निर्देशित मिसाइलों का परिवार है।
- एलसीएच प्रचंड भारत का पहला स्वदेशी रूप से विकसित लड़ाकू हेलीकॉप्टर है।

हवाई में रिमपैक 2026 समुद्री सैन्य अभ्यास शुरू



- रिमपैक 2026 समुद्री सैन्य अभ्यास का 30वाँ संस्करण 24 जून 2026 को शुरू हुआ, जो 31 जुलाई 2026 तक हवाई और उसके आसपास आयोजित किया जाएगा।
- इस अभ्यास में 30 देशों, लगभग 30 युद्धपोतों, 5 पनडुब्बियों, 206 से अधिक विमानों तथा 30,000 से अधिक सैन्य कर्मियों ने भाग लिया।
- रिमपैक संयुक्त राज्य अमेरिका के प्रशांत बेड़े के नेतृत्व में आयोजित होने वाला विश्व का सबसे बड़ा बहुराष्ट्रीय समुद्री सैन्य अभ्यास है।
- इस अभ्यास में पनडुब्बी रोधी युद्ध, वायु रक्षा, उभयचर अभियान, आपदा प्रतिक्रिया, समुद्री डकैती रोधी अभियान तथा समुद्री बारूदी सुरंग निष्कासन जैसी गतिविधियाँ शामिल हैं।
- चिली ने उप कमांडर, जापान ने उप-सेनापति, दक्षिण कोरिया ने समुद्री घटक तथा कनाडा ने वायु घटक का नेतृत्व किया।
- यह अभ्यास अंतरसंचालनीयता, समुद्री सुरक्षा तथा बहुराष्ट्रीय सहयोग को बढ़ावा देता है।

स्टैटिक जीके

- रिमपैक का पूर्ण रूप रिम ऑफ द पैसिफिक है।
- रिमपैक का आयोजन हर दो वर्ष में किया जाता है।
- हवाई इस अभ्यास का प्रमुख संचालन क्षेत्र है।
- वर्ष 2026 का संस्करण रिमपैक का 30वाँ संस्करण था।

प्रोजेक्ट ब्रह्मांक ने अपना 16वाँ स्थापना दिवस मनाया

- प्रोजेक्ट ब्रह्मांक ने 29 जून 2026 को अरुणाचल प्रदेश में अपना 16वाँ स्थापना दिवस मनाया।



- वर्ष 2011 में सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) के तहत शुरू किया गया प्रोजेक्ट ब्रह्मांक अरुणाचल प्रदेश और उससे सटे क्षेत्रों में सामरिक सड़कों एवं पुलों के निर्माण तथा रखरखाव का कार्य कर रहा है।
- यह परियोजना प्रमुख सीमावर्ती क्षेत्रों में लगभग 811 किलोमीटर सड़कों और 86 पुलों का रखरखाव करती है, जिससे संपर्क और सैन्य रसद व्यवस्था को मजबूती मिली है।
- वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान इस परियोजना ने 13 पुलों का निर्माण पूरा किया तथा 61 किलोमीटर सड़कों को राष्ट्रीय राजमार्ग द्वि-लेन (एनएचडीएल) मानकों के अनुरूप उन्नत किया।
- इस परियोजना के अंतर्गत दुर्गम पर्वतीय क्षेत्रों में हेलीपैड और प्रमुख पुलों का निर्माण भी किया गया, जिससे पहुँच और सामरिक गतिशीलता में सुधार हुआ।
- इसकी गतिविधियों से पूर्वोत्तर भारत में परिवहन, सीमावर्ती संपर्क और परिचालन तैयारियों को मजबूती मिली है।

स्टैटिक जीके

- सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) की स्थापना वर्ष 1960 में हुई थी।
- अरुणाचल प्रदेश की अंतरराष्ट्रीय सीमाएँ भूटान, चीन और म्यांमार से लगती हैं।
- एनएचडीएल का पूर्ण रूप राष्ट्रीय राजमार्ग द्वि-लेन मानक है।
- हेलीपैड दूरस्थ सीमावर्ती क्षेत्रों में संपर्क और आपातकालीन अभियानों के लिए महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

भारतीय सेना ने ड्रोन युद्ध के लिए 'बाज़ बटालियन' स्थापित की



- भारतीय सेना ने ड्रोन संचालन, हवाई निगरानी तथा युद्धक्षेत्र जागरूकता को सुदृढ़ करने के लिए आर्मी एविएशन कोर के तहत विशेष 'बाज़ बटालियन' स्थापित की हैं।
- इन बटालियनों में रिमोटली पायलटेड एयरक्राफ्ट (आरपीए) के बढ़ते बेड़े के संचालन, रखरखाव और प्रबंधन के लिए प्रशिक्षित कर्मियों को शामिल किया जाएगा।
- इस पहल का उद्देश्य वास्तविक समय की खुफिया जानकारी और तेज़ परिचालन प्रतिक्रिया के माध्यम से सेना की खुफिया, निगरानी एवं टोही (आईएसआर) क्षमता को बढ़ाना है।
- सेना ने यह पहल रूस-यूक्रेन युद्ध, वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) तथा ऑपरेशन सिंदूर से मिले अनुभवों के आधार पर विकसित की है।
- थल सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने बताया कि पिछले दो वर्षों में सेना के ड्रोन बेड़े की संख्या कुछ सौ से बढ़कर 50,000 से अधिक हो गई है और अगले दो से तीन वर्षों में इसके दोगुना होने की संभावना है।

स्टैटिक जीके

- आर्मी एविएशन कोर भारतीय सेना के हेलीकॉप्टरों और मानवरहित हवाई प्रणालियों का संचालन करता है।
- आईएसआर का पूर्ण रूप इंटेलिजेंस, सर्विलांस एंड रिकॉनिसेंस (खुफिया, निगरानी एवं टोही) है।
- वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) भारत और चीन के बीच वास्तविक सीमा रेखा है।
- रिमोटली पायलटेड एयरक्राफ्ट (आरपीए) एक मानवरहित विमान है, जिसे दूरस्थ ग्राउंड स्टेशन से नियंत्रित किया जाता है।

बांग्लादेश और संयुक्त राज्य अमेरिका ने टाइगर लाइटनिंग 2026 सैन्य अभ्यास शुरू किया



- बांग्लादेश और संयुक्त राज्य अमेरिका ने जुलाई 2026 में 13 दिनों तक चलने वाले द्विपक्षीय सैन्य अभ्यास 'टाइगर लाइटनिंग 2026' की शुरुआत की, जो 31 जुलाई 2026 तक आयोजित किया जाएगा।
- इस सैन्य अभ्यास का मुख्य उद्देश्य जंगल युद्ध, आतंकवाद-रोधी अभियान तथा सामरिक युद्धक्षेत्र चिकित्सा (टैक्टिकल कॉम्बैट कैजुअल्टी केयर) का प्रशिक्षण देना है।

- इसका उद्घाटन समारोह बांग्लादेश के सिलहट स्थित जालालाबाद छावनी में पैरा कमांडो ब्रिगेड में आयोजित किया गया।
- उद्घाटन समारोह में बांग्लादेश में संयुक्त राज्य अमेरिका के राजदूत ब्रेंट टी. क्रिस्टेंसन तथा बांग्लादेश सेना के चीफ ऑफ जनरल स्टाफ लेफ्टिनेंट जनरल एमडी मैनूर रहमान उपस्थित रहे।
- टाइगर लाइटनिंग सैन्य अभ्यास की शुरुआत 2017 में हुई थी। कोविड-19 महामारी के दौरान इसे कुछ समय के लिए स्थगित कर दिया गया था, जिसके बाद इसका पुनः आयोजन शुरू किया गया।

स्टैटिक जीके

- टाइगर लाइटनिंग बांग्लादेश और संयुक्त राज्य अमेरिका के बीच आयोजित होने वाला वार्षिक द्विपक्षीय सैन्य अभ्यास है।
- इस अभ्यास का आयोजन बांग्लादेश सेना और संयुक्त राज्य अमेरिका आर्मी पैसिफिक कमांड (यूएसएआरपीएसी) द्वारा संयुक्त रूप से किया जाता है।

भारतीय नौसेना ने ऑपरेशन सर्दर्न रेडीनेस 26-2 की मेजबानी की



- भारतीय नौसेना ने 20-23 जुलाई 2026 तक केरल के कोच्चि स्थित दक्षिणी नौसैनिक कमान में बहुराष्ट्रीय समुद्री अभ्यास 'ऑपरेशन सर्दर्न रेडीनेस 26-2' की मेजबानी की।
- यह अभ्यास भारतीय नौसेना के नेतृत्व वाली कंबाईंड टास्क फोर्स 154 (सीटीएफ 154) के अंतर्गत कंबाईंड मैरीटाइम फोर्सेज (सीएमएफ) के सहयोग से आयोजित किया गया।
- इस अभ्यास का उद्देश्य क्षेत्रीय समुद्री सुरक्षा, परस्पर संचालन क्षमता (इंटरऑपरेबिलिटी) तथा प्रतिभागी देशों की क्षमता निर्माण को मजबूत करना था।
- प्रशिक्षण में समुद्री कानून, समुद्री क्षेत्र जागरूकता, मादक पदार्थों की तस्करी-रोधी अभियान, बल सुरक्षा तथा मानवरहित समुद्री प्रणालियों से संबंधित विषय शामिल थे।
- व्यावहारिक प्रशिक्षण सत्रों में क्षति नियंत्रण, अग्निशमन, जहाज पर चढ़ने की प्रक्रियाएं, समुद्री संचार, समुद्र में जीवित रहने का प्रशिक्षण तथा भारतीय नौसेना के एक युद्धपोत पर ऑनबोर्ड प्रशिक्षण शामिल था।

स्टैटिक जीके

- कंबाईंड मैरीटाइम फोर्सेज (सीएमएफ) 40 से अधिक देशों की भागीदारी वाला बहुराष्ट्रीय समुद्री साझेदारी संगठन है।
- कंबाईंड टास्क फोर्स 154 (सीटीएफ 154), सीएमएफ की प्रशिक्षण के लिए समर्पित टास्क फोर्स है।
- दक्षिणी नौसैनिक कमान केरल के कोच्चि में स्थित है।

महेश दीक्षित को खुफिया ब्यूरो का निदेशक नियुक्त किया गया



- महेश दीक्षित को 25 जून 2026 को खुफिया ब्यूरो (आईबी) का निदेशक नियुक्त किया गया।
- वे आंध्र प्रदेश कैडर के 1993 बैच के भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) अधिकारी हैं।
- आईबी के निदेशक के रूप में उन्होंने खुफिया जानकारी एकत्र करने, प्रति-खुफिया अभियानों, आतंकवाद-रोधी प्रयासों तथा आंतरिक सुरक्षा के आकलन की जिम्मेदारी संभाली।
- वे राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े मामलों में केंद्र और राज्य की सुरक्षा एजेंसियों के बीच समन्वय की भी निगरानी करेंगे।
- इस नियुक्ति के साथ वे भारत की प्रमुख आंतरिक खुफिया एवं घरेलू सुरक्षा एजेंसी के प्रमुख बने।

स्टैटिक जीके

- खुफिया ब्यूरो (आईबी) की स्थापना वर्ष 1887 में हुई थी।
- खुफिया ब्यूरो गृह मंत्रालय के अधीन कार्य करता है।
- खुफिया ब्यूरो का निदेशक सामान्यतः आईपीएस अधिकारी होता है।
- खुफिया ब्यूरो विश्व के सबसे पुराने खुफिया संगठनों में से एक है।

डॉ. यू.पी. राजीव को वीएसएससी का निदेशक नियुक्त किया गया

- डॉ. यू.पी. राजीव को जून 2026 में विक्रम साराभाई अंतरिक्ष केंद्र (वीएसएससी) का निदेशक नियुक्त किया गया।
- वीएसएससी भारत के प्रक्षेपण यानों के अभिकल्पन, विकास और परीक्षण में अग्रणी भूमिका निभाता है।



- उनका नियुक्ति से प्रक्षेपण यान कार्यक्रमों, मानव अंतरिक्ष उड़ान मिशनों तथा अगली पीढ़ी की अंतरिक्ष प्रौद्योगिकियों को और मजबूती मिलने की उम्मीद है।
- यह केंद्र गगनयान मिशन, पुनः प्रयोज्य प्रक्षेपण यान अनुसंधान तथा उन्नत प्रणोदन प्रणालियों के विकास में निरंतर योगदान दे रहा है।
- उनका नेतृत्व ऐसे समय में आया है, जब भारत वाणिज्यिक प्रक्षेपणों और गहन अंतरिक्ष अन्वेषण के माध्यम से अपनी अंतरिक्ष क्षमताओं का विस्तार कर रहा है।
- यह नियुक्ति अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी में नवाचार और आत्मनिर्भरता पर इसरो के विशेष जोर को दर्शाती है।

स्टैटिक जीके

- वीएसएससी तिरुवनंतपुरम में स्थित है।
- वीएसएससी का नाम विक्रम साराभाई के नाम पर रखा गया है।
- इसरो की स्थापना 15 अगस्त 1969 को हुई थी।
- इसरो का मुख्यालय बेंगलुरु में स्थित है।

रवि अग्रवाल को सीबीडीटी के अध्यक्ष के रूप में पुनर्नियुक्ति मिली



- केंद्र सरकार ने रवि अग्रवाल को केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) के अध्यक्ष के रूप में 1 जुलाई से 31 दिसंबर 2026 तक छह महीने के लिए पुनर्नियुक्त किया।
- यह पुनर्नियुक्ति मंत्रिमंडल की नियुक्ति समिति (एसीसी) द्वारा लागू भर्ती नियमों में शिथिलता प्रदान करते हुए संविदा आधार पर स्वीकृत की गई।
- रवि अग्रवाल 1988 बैच के भारतीय राजस्व सेवा (आईआरएस) के अधिकारी हैं।
- उन्हें पहली बार जून 2024 में सीबीडीटी का अध्यक्ष नियुक्त किया गया था। इसके बाद उनके कार्यकाल को नवीनतम विस्तार से पहले भी बढ़ाया गया था।
- सीबीडीटी भारत में प्रत्यक्ष करों के लिए सर्वोच्च नीति-निर्माण निकाय है और यह वित्त मंत्रालय के राजस्व विभाग के अंतर्गत कार्य करता है।
- सीबीडीटी आयकर अधिनियम, 1961 का प्रशासन करता है, प्रत्यक्ष कर नीतियाँ बनाता है, कर प्रशासन की निगरानी करता है, कर चोरी पर नियंत्रण रखता है तथा करदाताओं की सेवाओं में सुधार के लिए परिपत्र और दिशानिर्देश जारी करता है।

स्टैटिक जीके

- सीबीडीटी वित्त मंत्रालय के राजस्व विभाग के अंतर्गत कार्य करता है।
- सीबीडीटी को अपनी शक्तियाँ आयकर अधिनियम, 1961 से प्राप्त होती हैं।
- सीबीडीटी भारत में प्रत्यक्ष करों का सर्वोच्च नीति-निर्माण निकाय है।

जनरल धीरज सेठ ने थल सेना प्रमुख का पदभार संभाला



- जनरल धीरज सेठ ने 30 जून 2026 को भारत के 31वें थल सेना प्रमुख के रूप में पदभार ग्रहण किया।
- उन्होंने जनरल उपेंद्र द्विवेदी के सेवानिवृत्त होने के बाद यह पद संभाला।
- जनरल सेठ इससे पहले 49वें उप थल सेना प्रमुख के रूप में कार्य कर चुके थे।
- उनका सैन्य करियर लगभग चार दशकों का रहा है, जिसमें उन्होंने मरुस्थलीय क्षेत्र, जम्मू-कश्मीर तथा सेना की विभिन्न प्रमुख कमानों में नेतृत्व किया।
- वे वर्ष 1997 के बाद भारतीय सेना का नेतृत्व करने वाले आर्मर्ड कोर के पहले अधिकारी बने।
- उनका कार्यकाल 31 अगस्त 2028 तक निर्धारित है।

अनुराग जैन नीति आयोग के मुख्य कार्यकारी अधिकारी नियुक्त



- केंद्र सरकार ने जुलाई 2026 में अनुराग जैन को दो वर्ष के कार्यकाल के लिए नीति आयोग का मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) नियुक्त किया।
- इस नियुक्ति को कैबिनेट की नियुक्ति समिति (एसीसी) ने मंजूरी दी।
- अनुराग जैन मध्य प्रदेश कैडर के 1989 बैच के आईएएस अधिकारी हैं। इस नियुक्ति से पहले वे मध्य प्रदेश के मुख्य सचिव के पद पर कार्यरत थे।
- उन्होंने बी.वी.आर. सुब्रह्मण्यम का स्थान लिया, जिनका विस्तारित कार्यकाल जुलाई 2026 में समाप्त हुआ।

स्टैटिक जीके

- नीति आयोग की स्थापना 1 जनवरी 2015 को योजना आयोग के स्थान पर की गई थी।
- योजना आयोग 1950 से 2014 तक कार्यरत रहा।
- भारत के प्रधानमंत्री नीति आयोग के अध्यक्ष होते हैं।
- मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) नीति आयोग का वरिष्ठ प्रशासनिक प्रमुख होता है।

पर्यटन मंत्रालय ने गूगल इंडिया से समझौता किया



- पर्यटन मंत्रालय ने भारत के पर्यटन स्थलों के डिजिटल प्रचार-प्रसार को सुदृढ़ करने के लिए नई दिल्ली में गूगल इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के साथ समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए।
- इस समझौते पर केंद्रीय पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत की उपस्थिति में हस्ताक्षर किए गए।
- इस साझेदारी का उद्देश्य कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), डिजिटल प्रौद्योगिकी तथा डेटा-आधारित विश्लेषण के माध्यम से भारत के सांस्कृतिक, ऐतिहासिक, आध्यात्मिक और प्राकृतिक पर्यटन स्थलों की डिजिटल पहचान को मजबूत करना है।
- यह सहयोग पर्यटन स्थलों की ऑनलाइन दृश्यता बढ़ाने, डिजिटल विपणन को सशक्त बनाने, वैश्विक यात्रा रुझानों को साझा करने तथा मंत्रालय के अधिकारियों की डिजिटल क्षमता विकसित करने पर केंद्रित है।
- यह समझौता गैर-व्यावसायिक, गैर-बाध्यकारी और गैर-विशिष्ट है तथा इसमें किसी भी पक्ष की ओर से कोई वित्तीय प्रतिबद्धता शामिल नहीं है।
- यह पहल 'इनक्रेडिबल इंडिया' अभियान को समर्थन देते हुए एआई-आधारित सहभागिता, डिजिटल अनुभवों और नवोन्मेषी ऑनलाइन मंचों के माध्यम से अधिक घरेलू और विदेशी पर्यटकों को आकर्षित करने में सहायक होगी।

अग्निकुल कॉसमॉस और आईसीआईवाईई के बीच एसएआर मिशनों पर समझौता

- चेन्नई स्थित अग्निकुल कॉसमॉस और फिनलैंड की आईसीआईवाईई ने भारत से सिंथेटिक अपचर रडार (एसएआर) आधारित पृथ्वी अवलोकन प्रणालियों के विकास, प्रक्षेपण और संचालन के लिए समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए।



- इस साझेदारी का उद्देश्य आपदा प्रबंधन, राष्ट्रीय सुरक्षा तथा संवेदनशील क्षेत्रों की निगरानी के लिए भारत की स्वदेशी अंतरिक्ष क्षमताओं को मजबूत करना है।
- अग्निकुल अपने 3डी-प्रिंटेड इंजनों से संचालित अग्निबाण लघु उपग्रह प्रक्षेपण यान का उपयोग समर्पित और मिशन-विशिष्ट प्रक्षेपणों के लिए करेगा।
- यह सहयोग आईसीआईवाईई की एसएआर उपग्रह प्रौद्योगिकी और अग्निकुल की त्वरित प्रक्षेपण अवसंरचना को एक साथ लाता है।
- इस साझेदारी का उद्देश्य उपग्रहों की त्वरित एवं बार-बार तैनाती की व्यवस्था विकसित करना तथा विदेशी प्रौद्योगिकी और बाहरी प्रक्षेपण कार्यक्रमों पर निर्भरता कम करना है।

स्टैटिक जीके

- सिंथेटिक अपचर रडार (एसएआर) सभी मौसम परिस्थितियों में पृथ्वी की सतह की उच्च-रिजॉल्यूशन तस्वीरें लेने के लिए रडार का उपयोग करता है।
- अग्निकुल कॉसमॉस आईआईटी मद्रास में स्थापित एक अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी स्टार्टअप है।
- आईसीआईवाईई का मुख्यालय एस्पो, फिनलैंड में स्थित है।
- अग्निबाण 3डी-प्रिंटेड इंजनों से संचालित भारत का पहला निजी क्षेत्र द्वारा विकसित प्रक्षेपण यान है।

भारत-जापान के बीच हरित मेथेनॉल आपूर्ति समझौता

- भारत की एसीएमई ग्रीन मॉलिक्यूल्स और जापान की मित्सुबिशी गैस केमिकल कंपनी ने लगभग 1 अरब अमेरिकी डॉलर मूल्य के हरित समुद्री ईंधन आपूर्ति के लिए दीर्घकालिक समझौते पर हस्ताक्षर किए।
- इस समझौते के तहत एसीएमई हर वर्ष 1 लाख टन हरित मेथेनॉल जापानी कंपनी को आपूर्ति करेगी।

- इस हरित मथेनॉल का उत्पादन ओडिशा के पारादीप स्थित एसीएमई की आगामी उत्पादन इकाई में किया जाएगा।



- यह ईंधन आरएफएनबीओ मानकों के अनुरूप है तथा यूरोपीय संघ और अंतरराष्ट्रीय समुद्री संगठन (आईएमओ) द्वारा निर्धारित कार्बन-तीव्रता मानकों को पूरा करता है।
- इस समझौते का उद्देश्य स्वच्छ ऊर्जा और सतत समुद्री परिवहन के क्षेत्र में भारत-जापान सहयोग को मजबूत करना है।

स्टैटिक जीके

- पारादीप बंदरगाह ओडिशा में स्थित एक प्रमुख प्राकृतिक गहरे जल का बंदरगाह है।
- जापान की राजधानी टोक्यो तथा उसकी आधिकारिक मुद्रा येन है।
- भारत ने जनवरी 2023 में राष्ट्रीय हरित हाइड्रोजन मिशन की शुरुआत की थी।
- अंतरराष्ट्रीय समुद्री संगठन (आईएमओ) का मुख्यालय लंदन, यूनाइटेड किंगडम में स्थित है।

डाक विभाग और ट्राई ने सबसे बड़े दूरसंचार सर्वे के लिए एमओयू किया

- डाक विभाग और ट्राई ने भारत का सबसे बड़ा गांव-स्तरीय दूरसंचार नेटवर्क प्रदर्शन सर्वे कराने के लिए समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए।



- यह सर्वे सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के 5.68 लाख से अधिक गांवों में मोबाइल सेवाओं की गुणवत्ता और उपलब्धता का आकलन करेगा।
- इस सर्वे में भारती एयरटेल, रिलायंस जियो, वोडाफोन आइडिया और बीएसएनएल सहित प्रमुख दूरसंचार कंपनियों के प्रदर्शन का मूल्यांकन किया जाएगा।
- मोबाइल नेटवर्क कवरेज और सेवा गुणवत्ता से संबंधित रियल-टाइम फील्ड डेटा एकत्र करने के लिए ऐप-आधारित प्रणाली और देशभर के डाक नेटवर्क का उपयोग किया जाएगा।
- इस सर्वे का उद्देश्य कनेक्टिविटी की कमियों की पहचान करना, ग्रामीण दूरसंचार अवसंरचना में सुधार करना तथा डिजिटल कनेक्टिविटी से जुड़ी साक्ष्य-आधारित नीतियों को समर्थन देना है।
- यह पहल केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य एम. सिंधिया के नेतृत्व में शुरू की गई, जिसका उद्देश्य भारत के डिजिटल अवसंरचना को मजबूत करना और कम सेवा वाले क्षेत्रों में दूरसंचार सेवाओं में सुधार करना है।

स्टैटिक जीके

- ट्राई की स्थापना 1997 में ट्राई अधिनियम, 1997 के तहत हुई थी।
- डाक विभाग संचार मंत्रालय के अधीन कार्य करता है।
- इंडिया पोस्ट दुनिया का सबसे बड़ा डाक नेटवर्क है।
- ट्राई का मुख्यालय नई दिल्ली में स्थित है।



भारत-जापान 16वें वार्षिक शिखर सम्मेलन में जापानी प्रधानमंत्री का भारत दौरा



- जापान की प्रधानमंत्री साने तकाइची ने 1 से 3 जुलाई 2026 तक नई दिल्ली में आयोजित 16वें भारत-जापान वार्षिक शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए भारत का दौरा किया।
- प्रधानमंत्री पद संभालने के बाद यह उनकी भारत की पहली आधिकारिक यात्रा थी, जो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के निमंत्रण पर हुई।
- दोनों नेताओं ने द्विपक्षीय सहयोग की समीक्षा की तथा सामरिक, आर्थिक और क्षेत्रीय मुद्दों पर चर्चा की।
- शिखर सम्मेलन में रक्षा एवं सुरक्षा, आर्थिक साझेदारी, अवसंरचना विकास, प्रौद्योगिकी, स्वच्छ ऊर्जा और जलवायु कार्रवाई पर विशेष ध्यान दिया गया।
- इस बैठक से भारत-जापान रणनीतिक एवं वैश्विक साझेदारी को और मजबूती मिली तथा हिंद-प्रशांत क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने पर बल दिया गया।
- यह शिखर सम्मेलन अगस्त 2025 में टोक्यो में आयोजित 15वें भारत-जापान वार्षिक शिखर सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की यात्रा के बाद आयोजित हुआ।
- दोनों देशों ने क्वाड, जी20 और संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद सुधार सहित बहुपक्षीय मुद्दों पर सहयोग जारी रखने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।

स्टैटिक जीके

- जापान की राजधानी – टोक्यो
- जापान की मुद्रा – जापानी येन
- भारत और जापान क्वाड तथा जी20 के सदस्य हैं।

भारत ने 5वें बिम्सटेक सुरक्षा शिखर सम्मेलन की मेजबानी की



- भारत ने 16 जुलाई 2026 को नई दिल्ली में 5वीं बिम्सटेक राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार बैठक की मेजबानी की।
- इस बैठक में साइबर सुरक्षा, आतंकवाद, तस्करी, अंतरराष्ट्रीय अपराध तथा उपग्रह सहयोग सहित क्षेत्रीय सुरक्षा सहयोग से जुड़े मुद्दों पर चर्चा की गई।
- बिम्सटेक सुरक्षा, व्यापार, परिवहन, ऊर्जा तथा अन्य क्षेत्रों में सहयोग के माध्यम से दक्षिण एशिया और दक्षिण-पूर्व एशिया के देशों को जोड़ता है।
- बिम्सटेक के वर्तमान अध्यक्ष बांग्लादेश ने ब्रिगेडियर जनरल (सेवानिवृत्त) डॉ. ए.के.एम. शम्सुल इस्लाम के नेतृत्व में अपने प्रतिनिधिमंडल के साथ बैठक में भाग लिया।
- भारत ने 2022 और 2025 में विशेषज्ञ समूह की बैठकों की मेजबानी कर बिम्सटेक के साइबर सुरक्षा सहयोग को मजबूत किया।

स्टैटिक जीके

- बिम्सटेक का पूरा नाम बे ऑफ बंगाल इनिशिएटिव फॉर मल्टी-सेक्टरल टेक्निकल एंड इकोनॉमिक कोऑपरेशन है।
- इसकी स्थापना 1997 में बिस्ट-ईसी के रूप में हुई थी।
- इसके 7 सदस्य देश हैं— बांग्लादेश, भूटान, भारत, म्यांमार, नेपाल, श्रीलंका और थाईलैंड।
- बिम्सटेक का सचिवालय ढाका, बांग्लादेश में स्थित है।

हैदराबाद ने 12वीं ब्रिक्स श्रम एवं रोजगार मंत्रियों की बैठक की मेजबानी की

- भारत ने अपनी ब्रिक्स अध्यक्षता के तहत 15-16 जुलाई 2026 को हैदराबाद में 12वीं ब्रिक्स श्रम एवं रोजगार मंत्रियों की बैठक की मेजबानी की।
- केंद्रीय श्रम एवं रोजगार मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने ब्रिक्स देशों के मंत्रियों और वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में इस बैठक की अध्यक्षता की।



- बैठक में सामाजिक सुरक्षा, कार्यबल में महिलाओं की भागीदारी, वैश्विक कौशल मानचित्रण तथा गिग श्रमिकों के लिए डिजिटल परिवर्तन जैसे विषयों पर चर्चा की गई।
- भारत ने श्रम कल्याण के लिए डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना (डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर) के मॉडल के रूप में ई-श्रम पोर्टल और राष्ट्रीय करियर सेवा (नेशनल करियर सर्विस) पोर्टल का प्रस्तुतीकरण किया।

स्टैटिक जीके

- ब्रिक्स की स्थापना 2009 में हुई थी।
- न्यू डेवलपमेंट बैंक (एनडीबी) का मुख्यालय शंघाई, चीन में स्थित है।
- पहला ब्रिक्स शिखर सम्मेलन 2009 में रूस के येकातेरिनबर्ग में आयोजित किया गया था।

आईआईटी तिरुपति ने 5वीं ब्रिक्स भू-स्थानिक बैठक की मेजबानी की

- भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) तिरुपति ने 20 से 22 जुलाई 2026 तक भू-स्थानिक प्रौद्योगिकी एवं उसके अनुप्रयोगों पर 5वीं ब्रिक्स कार्य समूह बैठक की मेजबानी की।

- इस बैठक का आयोजन विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी) के तहत ब्रिक्स तथा साझेदार देशों की भागीदारी के साथ किया गया।



- बैठक में भू-स्थानिक अवसंरचना, जलवायु लचीलापन, एआई-आधारित भू-स्थानिक विश्लेषण, पोजिशनिंग, नेविगेशन, टाइमिंग (पीएनटी) प्रौद्योगिकियां तथा डेटा इंटरऑपरेबिलिटी पर चर्चा की गई।
- इस बैठक से तिरुपति सिफारिशें (2026), ब्रिक्स कार्य समूह कार्ययोजना (2026-27), ब्रिक्स जियोडेजी एवं पोजिशनिंग सहयोग रूपरेखा तथा इंटरऑपरेबल भू-स्थानिक डेटा अवसंरचना के लिए ब्रिक्स रूपरेखा जारी होने की अपेक्षा है।

स्टैटिक जीके

- जीआईएस (भौगोलिक सूचना प्रणाली) एक कंप्यूटर-आधारित प्रणाली है, जिसका उपयोग भौगोलिक (स्थानिक) डेटा के संग्रह, विश्लेषण और प्रदर्शन के लिए किया जाता है।
- वैश्विक नेविगेशन उपग्रह प्रणालियों (जीएनएसएस) में जीपीएस, ग्लोनास, गैलीलियो और बेइदौ शामिल हैं।
- पोजिशनिंग, नेविगेशन और टाइमिंग (पीएनटी) सेवाएं विमानन, नौवहन, दूरसंचार तथा आपातकालीन सेवाओं को समर्थन प्रदान करती हैं।

एफएओ की सोफिया 2026 रिपोर्ट: जलीय पशु उत्पादन में भारत दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा उत्पादक बना



- खाद्य एवं कृषि संगठन (एफएओ) ने विश्व मत्स्य एवं जलीय कृषि की स्थिति (सोफिया) 2026 रिपोर्ट जारी की।
- रिपोर्ट के अनुसार, चीन के बाद भारत दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा जलीय पशु उत्पादक बन गया है।
- रिपोर्ट में तकनीकी प्रगति और नीतिगत समर्थन के कारण भारत के मत्स्य एवं जलीय कृषि क्षेत्र में हुई तीव्र वृद्धि को रेखांकित किया गया है।
- अंतर्देशीय जलीय कृषि और समुद्री मत्स्य पालन ने उत्पादन बढ़ाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया।
- भारत दुनिया के प्रमुख समुद्री खाद्य उत्पादों के निर्यातकों में भी बना रहा।
- प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना जैसी सरकारी पहलों ने मत्स्य अवसंरचना और मूल्य श्रृंखला को मजबूत किया है।
- मत्स्य क्षेत्र लाखों लोगों की आजीविका का आधार है और ग्रामीण आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण योगदान देता है।

स्टैटिक जीके

- खाद्य एवं कृषि संगठन (एफएओ) की स्थापना वर्ष 1945 में हुई थी।
- एफएओ का मुख्यालय रोम, इटली में स्थित है।
- भारत की तटरेखा लगभग 7,500 किलोमीटर लंबी है।
- मत्स्य पालन का विषय मत्स्य पालन, पशुपालन एवं डेयरी मंत्रालय के अधीन आता है।

2025 में भारत की बेरोज़गारी दर आठ वर्षों के सबसे निचले स्तर पर पहुँची

- भारत की बेरोज़गारी दर वर्ष 2025 में घटकर 3.1% हो गई, जो राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) के अनुसार पिछले आठ वर्षों का सबसे निचला स्तर है।



- यह गिरावट रोज़गार सृजन में सुधार, आर्थिक पुनरुद्धार तथा श्रम बाज़ार में बढ़ी भागीदारी को दर्शाती है और 2030 तक पूर्ण एवं उत्पादक रोज़गार के सतत विकास लक्ष्य (एसडीजी) की दिशा में भारत की प्रगति को मजबूत करती है।
- राष्ट्रीय स्तर पर शहरी महिलाओं की बेरोज़गारी दर 2017-18 के 10.8% से घटकर 2025 में 6.4% हो गई, हालांकि राज्यों के बीच इसमें अभी भी काफी असमानता बनी हुई है।
- वर्ष 2025 में अरुणाचल प्रदेश (18.4%), हिमाचल प्रदेश (18.3%), बिहार (16.8%), नागालैंड (15.7%) और राजस्थान (14.6%) में शहरी महिलाओं की बेरोज़गारी दर सबसे अधिक दर्ज की गई।
- इस अवधि के दौरान बिहार, राजस्थान और हिमाचल प्रदेश में शहरी महिलाओं की बेरोज़गारी बढ़ी, जबकि झारखंड में स्थिति लगभग स्थिर रही और असम में केवल मामूली सुधार दर्ज किया गया।
- वहीं केरल, महाराष्ट्र, गुजरात, ओडिशा और कर्नाटक में शहरी महिला रोज़गार में उल्लेखनीय सुधार हुआ। गुजरात ने शहरी महिलाओं की बेरोज़गारी दर घटाकर 1.5% कर दी।

स्टैटिक जीके

- राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय (एमओएसपीआई) के अधीन कार्य करता है।
- एनएसओ भारत में बड़े पैमाने पर सांख्यिकीय सर्वेक्षण कराने तथा आधिकारिक सामाजिक-आर्थिक आँकड़े प्रकाशित करने के लिए उत्तरदायी है।
- सतत विकास लक्ष्य (एसडीजी)-8 का उद्देश्य 2030 तक सतत, समावेशी और निरंतर आर्थिक विकास, पूर्ण एवं उत्पादक रोज़गार तथा सभी के लिए सम्मानजनक कार्य को बढ़ावा देना है।

वैश्विक पासपोर्ट सूचकांक 2026 में भारत 125वें स्थान पर



- ग्लोबल पासपोर्ट इंडेक्स 2026 में भारत 197 देशों में 125वें स्थान पर रहा। यह सूचकांक ग्लोबल सिटिजन सॉल्यूशंस द्वारा प्रकाशित किया गया, जिसमें भारत पिछले वर्ष की तुलना में एक स्थान नीचे खिसक गया।
- रैंकिंग में गिरावट के बावजूद भारत का कुल स्कोर बढ़कर 45.1 हो गया, जो पिछले पाँच वर्षों में सबसे अधिक है।
- यह सूचकांक उन्नत वैश्विक गतिशीलता (50%), जीवन की गुणवत्ता (25%) तथा निवेश के अवसर (25%) के आधार पर पासपोर्ट का मूल्यांकन करता है।
- भारत को उन्नत वैश्विक गतिशीलता में 136वाँ, जीवन की गुणवत्ता में 118वाँ तथा निवेश के अवसरों में 94वाँ स्थान प्राप्त हुआ।
- वर्तमान में भारतीय पासपोर्ट धारकों को लगभग 26 देशों में वीजा-मुक्त या आगमन पर वीजा (वीजा-ऑन-अराइवल) की सुविधा प्राप्त है।
- ग्लोबल पासपोर्ट इंडेक्स 2026 में स्वीडन पहले स्थान पर रहा, जबकि स्विट्ज़रलैंड और फिनलैंड क्रमशः दूसरे और तीसरे स्थान पर रहे।
- हेनले पासपोर्ट इंडेक्स मुख्य रूप से वीजा-मुक्त और आगमन पर वीजा की सुविधा के आधार पर देशों के पासपोर्ट की रैंकिंग निर्धारित करता है।

आरबीआई ने वित्तीय स्थिरता रिपोर्ट, जून 2026 जारी की



- भारतीय रिज़र्व बैंक (आरबीआई) ने वित्तीय स्थिरता रिपोर्ट (एफएसआर), जून 2026 जारी की, जिसमें वित्तीय स्थिरता एवं विकास परिषद (एफएसडीसी) की उपसमिति द्वारा भारत की वित्तीय प्रणाली की सुदृढ़ता का सामूहिक आकलन प्रस्तुत किया गया।

- पश्चिम एशिया के संघर्ष के बावजूद वैश्विक वित्तीय प्रणाली व्यवस्थित बनी हुई है, लेकिन सार्वजनिक ऋण, बॉन्ड बाज़ार की कमजोरियाँ तथा संपत्तियों के ऊँचे मूल्यांकन के कारण वैश्विक वित्तीय स्थिरता पर जोखिम अभी भी बना हुआ है।
- भारत की मजबूत व्यापक आर्थिक स्थिति तथा हाल के नीतिगत उपाय, जिनमें अंतरिम शांति समझौता और पूंजी प्रवाह बढ़ाने के उपाय शामिल हैं, भारत को अन्य देशों की तुलना में अधिक मजबूत स्थिति में रखते हैं।
- अनुसूचित वाणिज्यिक बैंक (एससीबी) और गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियाँ (एनबीएफसी) पर्याप्त पूंजी और तरलता बनाए हुए हैं तथा उनकी लाभप्रदता और परिसंपत्ति गुणवत्ता में निरंतर सुधार देखा गया है।
- व्यापक तनाव परीक्षण (मैक्रो स्ट्रेस टेस्ट) से पता चलता है कि भारत की बैंकिंग प्रणाली संभावित वित्तीय झटकों का सामना करने में सक्षम है और प्रतिकूल परिस्थितियों में भी उसकी पूंजी पर्याप्तता नियामकीय मानकों से ऊपर बनी रहती है।

स्टैटिक जीके

- आरबीआई के गवर्नर: शक्तिकांत दास
- एफएसडीसी के अध्यक्ष: केंद्रीय वित्त मंत्री
- आरबीआई का मुख्यालय: मुंबई, महाराष्ट्र
- वित्तीय स्थिरता रिपोर्ट (एफएसआर): आरबीआई द्वारा वर्ष में दो बार (अर्धवार्षिक) प्रकाशित की जाती है।

सतत विकास रिपोर्ट 2026: प्रमुख वैश्विक एवं राष्ट्रीय निष्कर्ष



- संयुक्त राष्ट्र सतत विकास समाधान नेटवर्क (यूएनएसडीएसएन) ने सतत विकास रिपोर्ट का 11वाँ संस्करण जारी किया, जिसमें संयुक्त राष्ट्र के 17 सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) की प्रगति का व्यापक आकलन प्रस्तुत किया गया।
- रिपोर्ट के अनुसार वैश्विक प्रगति अभी भी लक्ष्य से काफी पीछे है। 2030 की समय-सीमा तक 17 में से कोई भी एसडीजी पूरी तरह हासिल होने की राह पर नहीं है तथा केवल लगभग 16% एसडीजी लक्ष्यों पर ही निर्धारित गति से प्रगति हो रही है।

- भारत ने एसडीजी सूचकांक में अब तक की अपनी सर्वोच्च रैंकिंग प्राप्त करते हुए 167 देशों में 94वाँ स्थान हासिल किया। भारत को 100 में से 68.3 अंक मिले, जो 2025 की 99वीं रैंकिंग की तुलना में उल्लेखनीय सुधार है।
- हालाँकि, इस प्रगति के बावजूद भारत समग्र रैंकिंग में भूटान, मालदीव, नेपाल और श्रीलंका जैसे कई दक्षिण एशियाई देशों से पीछे है।
- रिपोर्ट में चिंता के प्रमुख क्षेत्रों के रूप में एसडीजी-2 (शून्य भूख), एसडीजी-11 (सतत शहर एवं समुदाय) तथा एसडीजी-15 (स्थलीय जीवन) को चिन्हित किया गया है, जहाँ वैश्विक प्रगति सबसे अधिक पिछड़ी हुई है।

स्टैटिक जीके

- सतत विकास लक्ष्य (एसडीजी) को संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 2015 में अपनाया था।
- 2030 एजेंडा का उद्देश्य गरीबी का उन्मूलन तथा समृद्धि सुनिश्चित करना है।
- सतत विकास लक्ष्यों के अंतर्गत 17 वैश्विक लक्ष्य और 169 संबद्ध लक्ष्य शामिल हैं।
- संयुक्त राष्ट्र सतत विकास समाधान नेटवर्क (यूएनएसडीएसएन) की स्थापना 2012 में संयुक्त राष्ट्र महासचिव के संरक्षण में की गई थी।

हैप्पी सिटी इंडेक्स 2026 में जयपुर सबसे खुशहाल शहरों में शामिल



- जयपुर ने हैप्पी सिटी इंडेक्स 2026 में वैश्विक स्तर पर छठा स्थान हासिल किया और दुनिया के शीर्ष 10 सबसे खुशहाल शहरों में शामिल होने वाला एकमात्र भारतीय शहर बना।
- इस इंडेक्स में जीवन की गुणवत्ता, सुशासन, स्वास्थ्य सेवाएं, पर्यावरण, गतिशीलता, अर्थव्यवस्था और समग्र कल्याण के आधार पर जयपुर को मान्यता दी गई।
- हैप्पी सिटी इंडेक्स 2026 में लंदन पहले, न्यूयॉर्क सिटी दूसरे और पेरिस तीसरे स्थान पर रहा।
- जयपुर को अपनी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को आधुनिक शहरी विकास और बेहतर सार्वजनिक अवसंरचना के साथ सफलतापूर्वक जोड़ने के लिए वैश्विक पहचान मिली।
- शहर के मजबूत पर्यटन क्षेत्र, विरासत संरक्षण, स्मार्ट सिटी पहल, तथा स्वच्छता और सतत विकास पर विशेष ध्यान ने इसकी उच्च रैंकिंग में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

स्टैटिक जीके

- हैप्पी सिटी इंडेक्स का प्रकाशन इंस्टीट्यूट ऑफ क्वालिटी ऑफ लाइफ द्वारा किया जाता है।
- जयपुर राजस्थान की राजधानी है।
- जयपुर को पिंक सिटी के नाम से भी जाना जाता है।
- हैप्पी सिटी इंडेक्स में शहरों का मूल्यांकन सुशासन, अर्थव्यवस्था, स्वास्थ्य सेवाएं, पर्यावरण, गतिशीलता और जीवन की गुणवत्ता के आधार पर किया जाता है।
- हैप्पी सिटी इंडेक्स 2026 में लंदन पहले और जयपुर वैश्विक स्तर पर छठे स्थान पर रहा।

एआईएसएचई रिपोर्ट 2023-24 में उच्च शिक्षा में रिकॉर्ड नामांकन



- शिक्षा मंत्रालय ने एआईएसएचई रिपोर्ट 2022-23 और 2023-24 जारी की। रिपोर्ट के अनुसार, 2023-24 में उच्च शिक्षा में नामांकन बढ़कर रिकॉर्ड 4.5 करोड़ छात्रों तक पहुंच गया।
- 2014-15 की तुलना में कुल नामांकन में 31.5% की वृद्धि दर्ज की गई, जो देशभर में उच्च शिक्षा तक बेहतर पहुंच को दर्शाती है।
- सकल नामांकन अनुपात (जीईआर) 2023-24 में बढ़कर 30 हो गया, जो 2022-23 में 29.5 और 2014-15 में 23.7 था।
- महिला नामांकन बढ़कर 2.24 करोड़ पहुंच गया। वहीं, महिला जीईआर बढ़कर 31.2 हो गया तथा जेंडर पैरिटी इंडेक्स (जीपीआई) 1.08 के साथ 1 से अधिक बना रहा।
- एससी, एसटी और ओबीसी वर्ग के छात्रों के नामांकन में भी लगातार वृद्धि दर्ज की गई, जिससे सामाजिक रूप से वंचित वर्गों की उच्च शिक्षा में बढ़ती भागीदारी का संकेत मिलता है।
- एसटीईएम में नामांकन पहली बार 1 करोड़ के पार पहुंचकर 1.02 करोड़ हो गया। इसमें महिलाओं की हिस्सेदारी 44% रही।
- रिपोर्ट के अनुसार, शिक्षकों की कुल संख्या बढ़कर 17.32 लाख हो गई, जिनमें 7.78 लाख महिला शिक्षक शामिल हैं।

स्टैटिक जीके

- एआईएसएचई का आयोजन हर वर्ष शिक्षा मंत्रालय द्वारा किया जाता है।

- एआईएसएचई के तहत भारत के विश्वविद्यालयों, कॉलेजों और स्वतंत्र उच्च शिक्षण संस्थानों से आंकड़े एकत्र किए जाते हैं।
- एआईएसएचई में नामांकन, शिक्षकों, अवसंरचना, परीक्षाओं और शैक्षणिक कार्यक्रमों से संबंधित आधिकारिक आंकड़े उपलब्ध कराए जाते हैं।
- एआईएसएचई के निष्कर्षों का उपयोग नीति निर्माण, शैक्षिक योजना और राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 (एनईपी 2020) के क्रियान्वयन की निगरानी के लिए किया जाता है।

भारतीय वायुसेना दुनिया की तीसरी सबसे शक्तिशाली वायुसेना बनी



- भारतीय वायुसेना (आईएफए) ने डब्ल्यूडीएमएमए 2026 ग्लोबल एयर पावर रैंकिंग में लगातार पांचवें वर्ष दुनिया की तीसरी सबसे शक्तिशाली वायुसेना का स्थान हासिल किया। इस रैंकिंग में उसने चीन की पीएलएएफ को पीछे छोड़ दिया।
- डब्ल्यूडीएमएमए ने 103 देशों की 129 सैन्य वायुसेनाओं का मूल्यांकन किया, जिसमें दुनिया भर के 48,000 से अधिक सैन्य विमान शामिल थे।
- यह रैंकिंग टू वैल्यू रेटिंग (टीवीआर) के आधार पर तैयार की गई, जिसमें केवल विमानों की संख्या नहीं, बल्कि वायु बेड़े की संरचना, परिचालन क्षमता, आधुनिकीकरण, लॉजिस्टिक्स, मिशन की तैयारी और भविष्य की खरीद का भी आकलन किया जाता है।
- इस रैंकिंग में अमेरिकी वायुसेना पहले, रूसी वायुसेना दूसरे और भारतीय वायुसेना तीसरे स्थान पर रही।
- भारतीय वायुसेना को संतुलित वायु बेड़े, आधुनिकीकरण, परिचालन लचीलापन और बढ़ती स्वदेशी एयरोस्पेस क्षमता के कारण चीन की पीएलएएफ से बेहतर रैंकिंग मिली।
- डब्ल्यूडीएमएमए के अनुसार, भारतीय वायुसेना के पास 1,716 विमान हैं, जिनमें 542 लड़ाकू विमान, 498 हेलीकॉप्टर, 374 प्रशिक्षण विमान और 20 विशेष मिशन विमान शामिल हैं।

स्टैटिक जीके

- डब्ल्यूडीएमएमए हर वर्ष ग्लोबल एयर पावर रैंकिंग प्रकाशित करता है।
- टीवीआर वायुसेना की समग्र क्षमता का आकलन करने के लिए डब्ल्यूडीएमएमए द्वारा विकसित रैंकिंग प्रणाली है।

- भारतीय वायुसेना की स्थापना 8 अक्टूबर 1932 को हुई थी और हर वर्ष 8 अक्टूबर को भारतीय वायुसेना दिवस मनाया जाता है।

मेइटी ने बीएफएसआई क्षेत्र के लिए डिजिटल थ्रेट रिपोर्ट 2025-26 जारी की



- मेइटी ने सीईआरटी-इन, सीएसआईआरटी-फिन और सिसा के सहयोग से बीएफएसआई (बैंकिंग, वित्तीय सेवाएं और बीमा) क्षेत्र तथा डिजिटल पेमेंट्स इकोसिस्टम के लिए डिजिटल थ्रेट रिपोर्ट 2025-26 का दूसरा संस्करण जारी किया।
- इस रिपोर्ट में उभरते साइबर खतरों, एआई आधारित साइबर हमलों और बदलते जोखिमों का आकलन किया गया है तथा साइबर सुरक्षा और डिजिटल रेजिलिएंस को मजबूत करने के लिए 18 महीने का रोडमैप प्रस्तुत किया गया है।
- रिपोर्ट के अनुसार, पिछले संस्करण में की गई सात में से छह भविष्यवाणियां सही साबित हुईं साथ ही, नए साइबर खतरे सामने आने और उनका दुरुपयोग होने के बीच का समय भी काफी कम हो गया है।
- रिपोर्ट में एआई असिमेट्री को साइबर सुरक्षा की एक बड़ी चुनौती बताया गया है, जिसमें हमलावर एआई का उपयोग करके पहले से अधिक तेज और अधिक परिष्कृत साइबर हमले कर रहे हैं।
- रिपोर्ट में साइबर फेल्योर एनाटॉमी फ्रेमवर्क भी प्रस्तुत किया गया है, जिससे संगठन सुरक्षा संबंधी कमियों की पहचान कर सकें, जोखिम प्रबंधन को मजबूत बना सकें और साइबर रेजिलिएंस में सुधार कर सकें।

स्टैटिक जीके

- डिजिटल थ्रेट रिपोर्ट 2025-26 को मेइटी ने सीईआरटी-इन, सीएसआईआरटी-फिन और सिसा के सहयोग से जारी किया।
- यह रिपोर्ट बीएफएसआई (बैंकिंग, वित्तीय सेवाएं और बीमा) क्षेत्र तथा भारत के डिजिटल पेमेंट्स इकोसिस्टम पर केंद्रित है।
- यह डिजिटल थ्रेट रिपोर्ट का दूसरा संस्करण है।

भारतीय रेलवे दुनिया का दूसरा सबसे अधिक विद्युतीकृत रेल नेटवर्क बना



- भारतीय रेलवे ने 22 जुलाई 2026 तक अपने ब्रॉड गेज रेल नेटवर्क का 99.6% विद्युतीकरण पूरा कर लिया, जिससे वह दुनिया का दूसरा सबसे अधिक विद्युतीकृत बड़ा रेल नेटवर्क बन गया।
- यह रिपोर्ट इंटरनेशनल यूनियन ऑफ रेलवेज (यूआईसी) द्वारा प्रकाशित की गई।
- 2014 से 2026 के बीच भारतीय रेलवे ने 48,072 रूट किलोमीटर रेल मार्ग का विद्युतीकरण किया, जबकि 2014 से पहले 21,801 रूट किलोमीटर रेल मार्ग का विद्युतीकरण किया गया था।

- 2015–16 में ट्रेन संचालन के लिए डीजल की खपत 293 करोड़ लीटर थी, जो 2024–25 में घटकर 108 करोड़ लीटर रह गई। इससे आयातित ईंधन पर निर्भरता में कमी आई।
- जून 2026 तक भारतीय रेलवे ने 1,260 मेगावाट से अधिक नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता स्थापित की, जिसमें लगभग 1,161 मेगावाट सौर ऊर्जा तथा 103 मेगावाट पवन ऊर्जा शामिल हैं।
- सभी नई रेल लाइन और बहु-पटरीकरण (मल्टी-ट्रैकिंग) परियोजनाओं को एकीकृत विद्युतीकरण अवसंरचना के साथ मंजूरी दी गई।

स्टैटिक जीके

- स्विट्जरलैंड में रेल नेटवर्क का 100% विद्युतीकरण है और यह बड़े रेल नेटवर्क वाले देशों में प्रथम स्थान पर है।
- चीन में 82%, स्पेन में 67%, जापान में 64%, फ्रांस में 60% तथा यूनाइटेड किंगडम में 39% रेल नेटवर्क का विद्युतीकरण हो चुका है।
- रेल परिवहन से सड़क परिवहन की तुलना में प्रति टन-किलोमीटर लगभग 89% कम कार्बन डाइऑक्साइड का उत्सर्जन होता है।
- लोकसभा भारत की संसद का निचला सदन है।

एशियाई रिले चैंपियनशिप में भारत ने महिला 4×100 मीटर रिले में स्वर्ण पदक जीता



- भारत ने शांग्यू में आयोजित दूसरी एशियाई रिले चैंपियनशिप में महिला 4×100 मीटर रिले स्पर्धा का स्वर्ण पदक जीता।
- भारतीय टीम ने इस प्रतियोगिता में सीजन का अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया।
- भारत ने इस चैंपियनशिप में कुल तीन पदक अपने नाम किए।
- यह उपलब्धि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारतीय एथलेटिक्स की बढ़ती मजबूती को दर्शाती है।
- इस जीत ने भारतीय रिले धाविकाओं के प्रभावी टीमवर्क, सटीक बैटन आदान-प्रदान और उत्कृष्ट तालमेल को उजागर किया।
- इस सफलता से आगामी अंतरराष्ट्रीय एथलेटिक्स प्रतियोगिताओं के लिए भारत की तैयारियों को और बल मिलने की उम्मीद है।
- यह प्रदर्शन भारत के उच्च प्रदर्शन खेल विकास कार्यक्रमों के सकारात्मक प्रभाव को भी दर्शाता है।

स्टैटिक जीके

- रिले दौड़ का संचालन विश्व एथलेटिक्स द्वारा किया जाता है।
- रिले बैटन की मानक लंबाई 28–30 सेंटीमीटर होती है।
- एथलेटिक्स ओलंपिक खेलों के सबसे पुराने खेलों में से एक है।

बेन स्टोक्स ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास की घोषणा की

- बेन स्टोक्स ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास की घोषणा करते हुए अपने शानदार बहु-प्रारूपीय करियर का समापन किया।



- उन्होंने बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों में मैच जिताने वाले प्रदर्शन के दम पर इंग्लैंड के सर्वश्रेष्ठ ऑलराउंडरों में अपनी पहचान बनाई।
- स्टोक्स ने 2019 आईसीसी क्रिकेट विश्व कप में इंग्लैंड की ऐतिहासिक जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और टेस्ट क्रिकेट में कई यादगार पारियाँ खेलीं।
- टेस्ट कप्तान के रूप में उन्होंने मुख्य कोच ब्रेंडन मैकुलम के साथ मिलकर आक्रामक 'बैजबॉल' शैली के माध्यम से इंग्लैंड की खेल शैली में बड़ा बदलाव किया।
- उनके करियर में कई ऐतिहासिक पारियाँ, शानदार वापसी और प्रभावशाली नेतृत्व देखने को मिला।
- उनके संन्यास के साथ इंग्लैंड क्रिकेट के एक महत्वपूर्ण युग का अंत हो गया।

स्टैटिक जीके

- बेन स्टोक्स का जन्म क्राइस्टचर्च (न्यूजीलैंड) में हुआ था।
- घरेलू क्रिकेट में वे डरहम काउंटी क्रिकेट क्लब का प्रतिनिधित्व करते हैं।
- इंग्लैंड ने 2019 आईसीसी क्रिकेट विश्व कप का खिताब जीता था।
- इंग्लैंड एवं वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) का मुख्यालय लॉर्ड्स क्रिकेट ग्राउंड, लंदन में स्थित है।

वैभव सूर्यवंशी भारत के सबसे युवा अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर बने

- वैभव सूर्यवंशी 4 जुलाई 2026 को मैनचेस्टर के ओल्ड ट्रैफर्ड मैदान पर इंग्लैंड के विरुद्ध टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में पदार्पण कर भारत के सबसे युवा अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर बने।



- उन्होंने 15 वर्ष 99 दिन की आयु में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण किया।
- इस उपलब्धि के साथ उन्होंने सचिन तेंदुलकर का लंबे समय से कायम रिकॉर्ड तोड़ दिया। सचिन ने 1989 में पाकिस्तान के विरुद्ध टेस्ट क्रिकेट में 16 वर्ष 205 दिन की आयु में भारत के लिए पदार्पण किया था।
- वैभव सूर्यवंशी भारत के सबसे युवा पुरुष टी20 अंतरराष्ट्रीय पदार्पणकर्ता भी बन गए।
- उन्होंने वॉशिंगटन सुंदर का रिकॉर्ड भी पीछे छोड़ दिया, जिन्होंने 2017 में 18 वर्ष 80 दिन की आयु में भारत के लिए टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण किया था।
- वैभव पूर्ण सदस्य (फुल मेंबर) देश की ओर से पुरुष टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण करने वाले सबसे युवा खिलाड़ी भी बने, जबकि इस प्रारूप में सबसे कम उम्र में पदार्पण का विश्व रिकॉर्ड रोमानिया के मारियन घेरासिम के नाम है, जिन्होंने 2020 में 14 वर्ष 16 दिन की आयु में पदार्पण किया था।

नेमार जूनियर ने अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल से संन्यास की घोषणा की



- ब्राजील के फुटबॉल स्टार नेमार जूनियर ने 2026 फीफा विश्व कप के राउंड ऑफ 16 में नॉर्वे से 2-1 की हार के बाद आधिकारिक रूप से अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल से संन्यास की घोषणा की।
- 34 वर्षीय नेमार ने राष्ट्रीय टीम के साथ अपने 16 वर्ष लंबे करियर का समापन किया। उन्होंने अपना पहला और अंतिम अंतरराष्ट्रीय मैच मेटलाइफ़ स्टेडियम में ही खेला।
- नेमार 130 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 80 गोल और 59 असिस्ट के साथ ब्राजील के पुरुष फुटबॉल इतिहास के सर्वाधिक गोल करने वाले खिलाड़ी के रूप में संन्यास ले रहे हैं।

- सेलेसाओ (ब्राजील की राष्ट्रीय फुटबॉल टीम) के साथ उन्होंने 2013 फीफा कन्फेडरेशंस कप और 2016 ओलंपिक खेलों में ऐतिहासिक स्वर्ण पदक सहित कई प्रमुख अंतरराष्ट्रीय उपलब्धियाँ हासिल कीं।
- नेमार की इस घोषणा के साथ ब्राजीलियाई फुटबॉल के एक स्वर्णिम युग का अंत हो गया। उन्होंने भावुक होकर कहा कि अब अपने देश का प्रतिनिधित्व करने का उनका सफर समाप्त हो गया है।

स्टैटिक जीके

- ब्राजील ने सर्वाधिक पाँच बार फीफा विश्व कप का खिताब जीता है।
- 2026 फीफा विश्व कप की मेज़बानी तीन देशों द्वारा संयुक्त रूप से की जा रही है।
- मेटलाइफ़ स्टेडियम ईस्ट रदरफोर्ड, न्यू जर्सी (संयुक्त राज्य अमेरिका) में स्थित है।
- पेले ब्राजील के महान फुटबॉलर थे, जिन्हें 'द किंग' के नाम से जाना जाता है।

भारतीय सैनिकों ने पहली बार विश्व रोइंग कप में स्वर्ण पदक जीता



- भारतीय सेना के रोवर्स लक्ष्य और उज्ज्वल कुमार सिंह ने 27 जून 2026 को विश्व रोइंग कप में भारत के लिए पहला स्वर्ण पदक जीतकर इतिहास रच दिया।
- उन्होंने स्विट्ज़रलैंड के ल्यूसर्न में आयोजित विश्व रोइंग कप स्टेज-3 की लाइटवेट पुरुष डबल स्कल्स स्पर्धा में स्वर्ण पदक अपने नाम किया।
- भारतीय जोड़ी ने 6 मिनट 26.09 सेकंड में दौड़ पूरी कर हांगकांग और नीदरलैंड के खिलाड़ियों को पीछे छोड़ दिया।
- दोनों खिलाड़ी पुणे स्थित आर्मी रोइंग नोड से जुड़े हुए हैं।
- यह उपलब्धि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारतीय रोइंग के लिए एक ऐतिहासिक मील का पत्थर साबित हुई।
- इस जीत ने वैश्विक रोइंग प्रतियोगिताओं में भारतीय खिलाड़ियों की बढ़ती प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता को भी प्रदर्शित किया।

स्टैटिक जीके

- ल्यूसर्न अंतरराष्ट्रीय रोइंग प्रतियोगिताओं का एक प्रमुख आयोजन स्थल है।

- विश्व रोइंग रोइंग खेल की अंतरराष्ट्रीय शासी संस्था है।
- स्कलिंग स्पर्धा में प्रत्येक रोवर दो चप्पुओं का उपयोग करता है।
- स्वीप रोइंग स्पर्धा में प्रत्येक रोवर एक चप्पू का उपयोग करता है।

राष्ट्रमंडल टेबल टेनिस चैंपियनशिप 2026 के लिए दिल्ली ने 'मयूर' शुभंकर लॉन्च किया



- दिल्ली ने 22वीं राष्ट्रमंडल टेबल टेनिस चैंपियनशिप 2026 के आधिकारिक शुभंकर 'मयूर' का अनावरण किया।
- भारत के राष्ट्रीय पक्षी मोर से प्रेरित यह शुभंकर राष्ट्रमंडल देशों के बीच एकता, सांस्कृतिक विविधता, मित्रता और खेल भावना का प्रतीक है।
- दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने राष्ट्रीय राजधानी में आयोजित एक विशेष समारोह में इस शुभंकर का अनावरण किया।
- यह चैंपियनशिप 27 जुलाई से 2 अगस्त 2026 तक नई दिल्ली के त्यागराज स्टेडियम में आयोजित होगी, जिसमें राष्ट्रमंडल के लगभग 35 देशों की भागीदारी होगी।
- इस प्रतियोगिता का संयुक्त आयोजन दिल्ली सरकार और टेबल टेनिस फेडरेशन ऑफ इंडिया (टीटीएफआई) द्वारा किया जा रहा है।

जानिक सिनर ने विंबलडन पुरुष एकल का खिताब बरकरार रखा



- विश्व के नंबर-1 खिलाड़ी जानिक सिनर ने 12 जुलाई 2026 को फाइनल में अलेक्जेंडर ज्वेरेव को हराकर विंबलडन पुरुष एकल का खिताब बरकरार रखा।
- इटली के इस खिलाड़ी ने चार सेटों तक चले फाइनल मुकाबले में 6-7(7), 7-6(2), 6-3, 6-4 से जीत दर्ज की।
- इस जीत के साथ सिनर ने अपना पांचवां ग्रैंड स्लैम खिताब और लगातार दूसरी विंबलडन चैंपियनशिप जीती।
- सिनर ने सेमीफाइनल में सात बार के विंबलडन चैंपियन नोवाक जोकोविच को हराया।
- वह 48 वर्षों में ऐसे पहले खिलाड़ी बने, जिन्होंने टूर्नामेंट के दौरान पांच सेट का मैच खेलने के बाद विंबलडन पुरुष एकल का खिताब जीता।

स्टैटिक जीके

- विंबलडन की शुरुआत 1877 में लंदन में हुई थी।
- रोजर फेडरर के नाम विंबलडन पुरुष एकल में सबसे अधिक खिताब जीतने का रिकॉर्ड है।

स्पेन ने फीफा विश्व कप 2026 का खिताब जीता



- स्पेन ने संयुक्त राज्य अमेरिका के न्यू जर्सी राज्य के ईस्ट रदरफोर्ड स्थित मेटलाइफ स्टेडियम में खेले गए फीफा विश्व कप 2026 के फाइनल में अर्जेंटीना को अतिरिक्त समय में 1-0 से हराकर खिताब जीत लिया।
- फेरान टोरेस ने 106वें मिनट में मैच का एकमात्र और विजयी गोल किया तथा उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।
- एन्जो फर्नांडीज़ को स्टॉपेज टाइम में दूसरा पीला कार्ड मिलने के कारण मैदान से बाहर भेज दिया गया, जिसके बाद अर्जेंटीना ने पूरा अतिरिक्त समय 10 खिलाड़ियों के साथ खेला।
- स्पेन ने 2010 के बाद अपना दूसरा फीफा विश्व कप खिताब जीता।
- इसके साथ ही स्पेन एक साथ पुरुष और महिला फीफा विश्व कप खिताब अपने नाम रखने वाला पहला देश बन गया।
- फीफा विश्व कप 2026 में पहली बार 48 टीमों ने भाग लिया, जिससे यह टूर्नामेंट के इतिहास का सबसे बड़ा संस्करण बन गया।

- रोड़ी को टूर्नामेंट के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी के रूप में गोल्डन बॉल पुरस्कार प्रदान किया गया।
- इस टूर्नामेंट में कुल 308 गोल किए गए, जो फीफा विश्व कप के इतिहास में सबसे अधिक हैं।

स्टैटिक जीके

- फीफा (FIFA) की स्थापना 1904 में हुई थी।
- फीफा का मुख्यालय ज्यूरिख, स्विट्जरलैंड में स्थित है।
- फीफा विश्व कप का आयोजन हर चार वर्ष में फीफा द्वारा किया जाता है।
- गोल्डन बॉल पुरस्कार टूर्नामेंट के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी को दिया जाता है।

पाकिस्तान ने 2027 दक्षिण एशियाई खेलों की मेजबानी की घोषणा की



- पाकिस्तान ने घोषणा की है कि वह 23 से 31 मार्च 2027 तक 14वें दक्षिण एशियाई खेलों की मेजबानी करेगा।
- इन खेलों का आयोजन लाहौर, इस्लामाबाद और फ़ैसलाबाद में किया जाएगा। इसमें दक्षिण एशिया के आठ देशों के 3,500 से अधिक खिलाड़ी 27 खेलों में भाग लेंगे।
- दक्षिण एशियाई ओलंपिक परिषद ने दिसंबर 2019 में पाकिस्तान को मेजबान के रूप में चुना था।
- इस प्रतियोगिता का आयोजन 2023 से 2027 के बीच कई बार पुनर्निर्धारित किया गया, जिसके बाद इसकी अंतिम तिथियों की घोषणा की गई।
- पाकिस्तान 1989 और 2004 के बाद तीसरी बार दक्षिण एशियाई खेलों की मेजबानी करेगा।
- 2027 का संस्करण पाकिस्तान में आयोजित होने वाला पहला दक्षिण एशियाई खेल होगा, जिसका आयोजन एक से अधिक शहरों में किया जाएगा।

स्टैटिक जीके

- दक्षिण एशियाई खेलों को दक्षिण एशियाई महासंघ खेल के नाम से भी जाना जाता है।
- दक्षिण एशियाई खेलों का आयोजन दक्षिण एशियाई ओलंपिक परिषद के अधीन किया जाता है।
- 2027 का संस्करण 14वें दक्षिण एशियाई खेल होंगे।
- इसमें भाग लेने वाले देश सार्क खेल ढांचे के अंतर्गत आने वाले दक्षिण एशियाई क्षेत्र से संबंधित हैं।
- ओलंपिक काउंसिल ऑफ एशिया की 46वीं महासभा (2026) का आयोजन ताशकंद, उज्बेकिस्तान में हुआ था।

ग्रीन ऑस्कर 2026: दो भारतीय महिलाओं ने व्हिटली पुरस्कार जीता



- भारतीय संरक्षणविद् परवीन शेख और डॉ. बरखा सुब्बा ने वर्ष 2026 का व्हिटली पुरस्कार, जिसे लोकप्रिय रूप से “ग्रीन ऑस्कर” कहा जाता है, जीता।
- पुरस्कार समारोह का आयोजन लंदन स्थित रॉयल जियोग्राफिकल सोसाइटी में किया गया।
- ये पुरस्कार व्हिटली फंड फॉर नेचर (डब्ल्यूएफएन) की ओर से प्रिसेस ऐनी द्वारा प्रदान किए गए।
- प्रत्येक विजेता को पर्यावरण संरक्षण परियोजनाओं के समर्थन के लिए 50,000 पाउंड की राशि प्रदान की गई।
- परवीन शेख को चंबल नदी पारिस्थितिकी तंत्र में सामुदायिक भागीदारी के माध्यम से इंडियन स्किमर के संरक्षण के लिए सम्मानित किया गया।
- डॉ. बरखा सुब्बा को दार्जिलिंग क्षेत्र में वैज्ञानिक निगरानी, आर्द्रभूमि पुनर्स्थापन और सामुदायिक सहभागिता के माध्यम से हिमालयी सैलामैंडर के संरक्षण के लिए सम्मानित किया गया।
- इन पुरस्कारों ने जैव विविधता संरक्षण और पर्यावरणीय सततता में जमीनी स्तर के नेतृत्व की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित किया।

स्टैटिक जीके

- व्हिटली पुरस्कार को लोकप्रिय रूप से “ग्रीन ऑस्कर” कहा जाता है।
- इन पुरस्कारों का संचालन व्हिटली फंड फॉर नेचर (डब्ल्यूएफएन) द्वारा किया जाता है।
- डब्ल्यूएफएन का मुख्यालय लंदन, यूनाइटेड किंगडम में स्थित है।

- इंडियन स्किमर एक दुर्लभ नदी पक्षी है, जो मुख्य रूप से चंबल नदी के पारिस्थितिकी तंत्र में पाया जाता है।
- हिमालयी सैलामैंडर हिमालयी क्षेत्र का स्थानिक उभयचर है।

वर्ल्ड्स बेस्ट स्कूल प्राइज 2026: भारत के 7 स्कूल अंतिम सूची में शामिल



- वर्ल्ड्स बेस्ट स्कूल प्राइज 2026 में भारत के 7 स्कूलों ने शीर्ष 10 फाइनलिस्टों में स्थान बनाया।
- इन पुरस्कारों की शुरुआत के बाद से किसी भी एक वर्ष में किसी देश के लिए यह सबसे अधिक स्कूलों का चयन है।
- चयनित स्कूलों को नवाचार, सामुदायिक सहभागिता, पर्यावरण संरक्षण, नेतृत्व और शैक्षिक उत्कृष्टता के लिए मान्यता दी गई।
- पीसीएमसी छत्रपति शाहूजी महाराज इंग्लिश मीडियम स्कूल और आर्मी गुडविल स्कूल को नवाचार श्रेणी में अंतिम सूची में शामिल किया गया।
- इन पुरस्कारों ने उन स्कूलों को सम्मानित किया, जिन्होंने कक्षाओं और समुदायों में सकारात्मक परिवर्तन लाने का कार्य किया।
- विजेताओं का चयन एक स्वतंत्र निर्णायक अकादमी द्वारा किया जाना था तथा उनकी घोषणा नवंबर 2026 में की जानी थी।

स्टैटिक जीके

- वर्ल्ड्स बेस्ट स्कूल प्राइज का आयोजन टी4 एजुकेशन द्वारा किया जाता है।
- टी4 एजुकेशन का मुख्यालय यूनाइटेड किंगडम में स्थित है।
- इन पुरस्कारों की शुरुआत कोविड-19 महामारी के बाद की गई थी।
- ये पुरस्कार नवाचार, समावेशन, नेतृत्व और सामाजिक प्रभाव के लिए स्कूलों को सम्मानित करते हैं।

डॉ. फ्लोरेंस रैबियर को 71वाँ आईएमओ पुरस्कार प्रदान किया गया



- विश्व मौसम विज्ञान संगठन (डब्ल्यूएमओ) ने जून 2026 में फ्रांस की डॉ. फ्लोरेंस रैबियर को 71वें आईएमओ पुरस्कार के लिए चयनित किया।
- आईएमओ पुरस्कार मौसम विज्ञान के क्षेत्र का सर्वोच्च अंतरराष्ट्रीय सम्मान है।
- उन्हें संख्यात्मक मौसम पूर्वानुमान, उपग्रह आँकड़ों के समाकलन तथा अंतरराष्ट्रीय मौसम विज्ञान सहयोग में उत्कृष्ट योगदान के लिए यह पुरस्कार प्रदान किया गया।
- उनके कार्य से वैश्विक मौसम पूर्वानुमान और जलवायु निगरानी प्रणालियों की सटीकता में उल्लेखनीय सुधार हुआ।
- यह पुरस्कार आपदा तैयारी और जलवायु अनुकूलता में वैज्ञानिक नवाचार के महत्व को रेखांकित करता है।
- उनके अनुसंधान से उन्नत मॉडलिंग और आँकड़ा-साझाकरण पहलों के माध्यम से विश्वभर की मौसम पूर्वानुमान एजेंसियों को लाभ मिला।

स्टैटिक जीके

- विश्व मौसम विज्ञान संगठन (डब्ल्यूएमओ) वर्ष 1950 में संयुक्त राष्ट्र की एक विशिष्ट एजेंसी बना।
- डब्ल्यूएमओ का मुख्यालय जिनेवा, स्विट्जरलैंड में स्थित है।
- विश्व मौसम विज्ञान दिवस प्रत्येक वर्ष 23 मार्च को मनाया जाता है।
- आईएमओ पुरस्कार की स्थापना वर्ष 1955 में की गई थी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को सेशेल्स का सर्वोच्च नागरिक सम्मान प्रदान किया गया



- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को 28 जून 2026 को अपनी सेशेल्स की राजकीय यात्रा के दौरान वहाँ का सर्वोच्च नागरिक सम्मान “गार्डियन ऑफ द ब्लू होराइजन” प्रदान किया गया।
- यह सम्मान भारत-सेशेल्स संबंधों को मजबूत करने तथा हिंद महासागर क्षेत्र में समुद्री सुरक्षा को बढ़ावा देने में उनके योगदान के लिए दिया गया।
- यह सम्मान क्षमता निर्माण, तटीय निगरानी, डिजिटल संपर्क, स्वास्थ्य सेवाओं तथा विकास साझेदारी के क्षेत्र में भारत के सहयोग को भी मान्यता देता है।
- यह सम्मान मुक्त, खुला और सुरक्षित हिंद-प्रशांत की परिकल्पना के तहत दोनों देशों के बीच बढ़ती रणनीतिक साझेदारी को दर्शाता है।
- इस यात्रा के दौरान डिजिटल भुगतान, समुद्री सहयोग, नवीकरणीय ऊर्जा तथा क्षमता विकास से संबंधित कई समझौतों पर हस्ताक्षर किए गए।
- यह सम्मान हिंद महासागर के द्वीपीय देशों के बीच भारत की एक विश्वसनीय विकास एवं सुरक्षा साझेदार के रूप में भूमिका को और मजबूत करता है।

स्टैटिक जीके

- सेशेल्स की राजधानी – विकटोरिया
- सेशेल्स की मुद्रा – सेशेलोइस रुपया (एससीआर)
- सेशेल्स हिंद महासागर रिम संघ (आईओआरए) का सदस्य है।
- भारत ने सागर (एसएजीएआर) पहल की शुरुआत वर्ष 2015 में की थी।

सुनील भारती मित्तल को 2026 यूएसआईएसपीएफ लीडरशिप अवॉर्ड मिला



- भारती एंटरप्राइजेज के संस्थापक एवं अध्यक्ष सुनील भारती मित्तल को यूएस-इंडिया स्ट्रैटेजिक पार्टनरशिप फोरम (यूएसआईएसपीएफ) का 2026 लीडरशिप अवॉर्ड प्रदान किया गया।
- यह पुरस्कार वॉशिंगटन डी.सी. में आयोजित यूएसआईएसपीएफ के 9वें वार्षिक लीडरशिप समिट के दौरान प्रदान किया गया।
- उन्हें भारत-अमेरिका आर्थिक संबंधों को मजबूत करने तथा नेतृत्व, नवाचार और डिजिटल कनेक्टिविटी के माध्यम से भारत के दूरसंचार क्षेत्र में परिवर्तन लाने के लिए सम्मानित किया गया।
- उनके नेतृत्व में भारती एंटरप्राइजेज ने दूरसंचार, डिजिटल सेवाओं, अवसंरचना, अंतरिक्ष संचार, वित्तीय सेवाओं और रियल एस्टेट जैसे क्षेत्रों में विस्तार किया।

- सम्मान स्वीकार करते हुए सुनील भारती मित्तल ने विश्वास व्यक्त किया कि भारत और संयुक्त राज्य अमेरिका शीघ्र ही द्विपक्षीय व्यापार समझौता करेंगे, जिससे व्यापार और निवेश को बढ़ावा मिलेगा।
- 2026 यूएसआईएसपीएफ लीडरशिप अवॉर्ड के अन्य सम्मानित व्यक्तियों में आरटीएक्स के अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी क्रिस्टोफर टी. कैलियो तथा फेयरफैक्स फाइनेंशियल होल्डिंग्स के अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी वी. प्रेम वत्सा शामिल हैं।

इंटरनेशनल बुकर पुरस्कार का नाम बदला गया



- इंटरनेशनल बुकर पुरस्कार का नाम 2027 से बुखमन इंटरनेशनल बुकर पुरस्कार कर दिया गया। यह परिवर्तन बुखमन फिलैंथ्रोपीज के साथ 2027–2036 तक के 10 वर्षीय वित्तपोषण समझौते के तहत किया गया है।
- 2027 से विजेता को मिलने वाली पुरस्कार राशि बढ़ाकर 1 लाख पाउंड कर दी गई है, जिसे पहले की तरह लेखक और अनुवादक के बीच समान रूप से बाँटा जाएगा।
- शॉर्टलिस्ट की गई प्रत्येक पुस्तक को 5,000 पाउंड की राशि दी जाती रहेगी, जिसे लेखक और अनुवादक(ओं) के बीच समान रूप से विभाजित किया जाएगा।
- 2027 की निर्णायक समिति की अध्यक्षता उपन्यासकार केटी कितामुरा करेंगी। समिति में पैट्रिक मैकगिनेस, केलिब अजुमाह नेल्सन, ओल्गा राव्न और टेसा थॉम्पसन शामिल होंगे।
- पुरस्कार के लिए पात्र पुस्तकों में अंग्रेजी में अनूदित उपन्यास या लघुकथा संग्रह शामिल होंगे, जो 1 मई 2026 से 30 अप्रैल 2027 के बीच यूनाइटेड किंगडम या आयरलैंड में प्रकाशित हुए हों।

स्टैटिक जीके

- इंटरनेशनल बुकर पुरस्कार प्रतिवर्ष अंग्रेजी में प्रकाशित सर्वश्रेष्ठ अनूदित कथा साहित्य को दिया जाता है।
- इस पुरस्कार में लेखक और अनुवादक दोनों को समान रूप से सम्मानित किया जाता है तथा पुरस्कार राशि बराबर बाँटी जाती है।
- इस पुरस्कार की शुरुआत 2005 में मैन बुकर इंटरनेशनल पुरस्कार के रूप में हुई थी। 2016 से इसे वार्षिक पुरस्कार बनाया गया, 2019 में इसका नाम इंटरनेशनल बुकर पुरस्कार रखा गया और 2027 से इसे बुखमन इंटरनेशनल बुकर पुरस्कार के नाम से जाना जाएगा।

आईसीएमआर-माइंड्स को राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस स्वर्ण पुरस्कार



- भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) को उसके एआई-आधारित मानसिक स्वास्थ्य मंच 'आईसीएमआर-माइंड्स' के लिए राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस पुरस्कार 2026 में स्वर्ण पुरस्कार प्रदान किया गया।
- यह पुरस्कार राजस्थान के जयपुर में आयोजित 29वें राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस सम्मेलन के दौरान "एआई और अन्य नई प्रौद्योगिकियों के उपयोग से नागरिक-केंद्रित सेवाओं में नवाचार" श्रेणी में प्रदान किया गया।
- आईसीएमआर-माइंड्स एक कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) आधारित मंच है, जो अग्रिम पंक्ति के स्वास्थ्यकर्मियों को मानकीकृत मानसिक स्वास्थ्य जाँच, नैदानिक मूल्यांकन, उपचार संबंधी सुझाव तथा अनुवर्ती देखभाल प्रोटोकॉल उपलब्ध कराता है।
- इस मंच का उद्देश्य मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं को प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाओं के साथ एकीकृत करना, विशेषज्ञों पर निर्भरता कम करना तथा साक्ष्य-आधारित मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं तक लोगों की पहुँच बढ़ाना है।

स्टैटिक जीके

- भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) भारत में जैव-चिकित्सा अनुसंधान के निर्माण, समन्वय और प्रोत्साहन के लिए सर्वोच्च संस्था है।
- राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस पुरस्कार कार्मिक, लोक शिकायत एवं पेंशन मंत्रालय के अंतर्गत प्रशासनिक सुधार एवं लोक शिकायत विभाग (डीएआरपीजी) द्वारा प्रदान किए जाते हैं।

पीएम मोदी को इंडोनेशिया का सर्वोच्च नागरिक सम्मान 'बिंतांग आदिपूर्ण' मिला



- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को 7 जुलाई 2026 को जकार्ता यात्रा के दौरान इंडोनेशिया के राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो ने देश का सर्वोच्च नागरिक सम्मान 'बिंतांग आदिपूरण' प्रदान किया।
- यह सम्मान भारत-इंडोनेशिया द्विपक्षीय संबंधों तथा अंतरराष्ट्रीय सहयोग को सुदृढ़ बनाने में उनके योगदान के लिए दिया गया।
- प्रधानमंत्री मोदी ने यह सम्मान भारत की जनता को समर्पित करते हुए व्यापक रणनीतिक साझेदारी के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।
- भारत और इंडोनेशिया ने व्यापार, डिजिटल भुगतान (यूपीआई), समुद्री सुरक्षा, महत्वपूर्ण खनिजों तथा सांस्कृतिक आदान-प्रदान के क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर भी चर्चा की।

स्टैटिक जीके

- इंडोनेशिया की राजधानी जकार्ता है।
- इंडोनेशिया की मुद्रा इंडोनेशियाई रुपिया है।

डीओटी के 'समृद्ध ग्राम' ने डब्ल्यूएसआईएस प्राइज 2026 जीता



- दूरसंचार विभाग (डीओटी) ने भारतनेट पहल के तहत संचालित अपनी प्रमुख पहल 'समृद्ध ग्राम : इंटीग्रेटेड फिजिटल सर्विस डिलीवरी मॉडल' के लिए डब्ल्यूएसआईएस प्राइज 2026 जीता।
- यह पुरस्कार स्विट्जरलैंड के जिनेवा में आयोजित वर्ल्ड समिट ऑन द इन्फोर्मेशन सोसाइटी (डब्ल्यूएसआईएस) फोरम 2026 में एक्शन लाइन C6 – एनेबलिंग एनवायरनमेंट श्रेणी के तहत प्रदान किया गया।
- समृद्ध ग्राम पहल गांवों में समृद्धि केंद्रों की स्थापना के माध्यम से ग्रामीण डिजिटल परिवर्तन को बढ़ावा देती है, जहां एकीकृत डिजिटल और सहायता प्राप्त भौतिक सेवाएं उपलब्ध कराई जाती हैं।
- इस पहल के तहत स्वास्थ्य, शिक्षा, कौशल विकास, कृषि, वित्तीय समावेशन और सुशासन से जुड़ी सेवाएं एक ही ग्राम-स्तरीय प्लेटफॉर्म के माध्यम से उपलब्ध कराई जाती हैं।
- भारतनेट इस पहल को 2.17 लाख से अधिक ग्राम पंचायतों तक हाई-स्पीड ब्रॉडबैंड कनेक्टिविटी उपलब्ध कराकर ग्रामीण क्षेत्रों में डिजिटल पहुंच सुनिश्चित करता है।

- समृद्ध ग्राम को डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर और दूरसंचार कनेक्टिविटी का प्रभावी उपयोग करके सार्वजनिक सेवा वितरण और ग्रामीण आजीविका में सुधार के लिए सम्मानित किया गया।
- यह परियोजना डब्ल्यूएसआईएस विशेषज्ञ समिति के मूल्यांकन और वैश्विक जनमत मतदान प्रक्रिया के बाद अपनी श्रेणी में वैश्विक विजेता बनी।

स्टैटिक जीके

- डब्ल्यूएसआईएस फोरम का आयोजन आईटीयू द्वारा किया जाता है।
- आईटीयू संयुक्त राष्ट्र की एक विशेषीकृत एजेंसी है।
- भारतनेट दुनिया की सबसे बड़ी ग्रामीण ब्रॉडबैंड कनेक्टिविटी परियोजनाओं में से एक है।
- आईटीयू का मुख्यालय जिनेवा, स्विट्जरलैंड में स्थित है।

सौरव गांगुली आईसीसी हॉल ऑफ फेम में शामिल हुए



- भारत के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली को 8 जुलाई 2026 को आईसीसी हॉल ऑफ फेम में शामिल किया गया। इसके साथ ही वह यह सम्मान पाने वाले 12वें भारतीय क्रिकेटर बन गए।
- आईसीसी हॉल ऑफ फेम में उन सेवानिवृत्त क्रिकेटर्स को शामिल किया जाता है, जिन्होंने अपने प्रदर्शन, नेतृत्व और खेल पर स्थायी प्रभाव के माध्यम से क्रिकेट में असाधारण योगदान दिया है।
- गांगुली ने अपने आक्रामक नेतृत्व से भारतीय क्रिकेट को नई दिशा दी और 2003 आईसीसी क्रिकेट विश्व कप के फाइनल तक भारत का नेतृत्व करते हुए एक मजबूत और प्रतिस्पर्धी टीम तैयार की।
- अपने अंतरराष्ट्रीय करियर में गांगुली ने भारत के लिए 113 टेस्ट और 308 वनडे मैच खेले।
- इस सम्मान के साथ गांगुली कपिल देव, सुनील गावस्कर, सचिन तेंदुलकर, राहुल द्रविड़, अनिल कुंबले, एमएस धोनी और डायना एडुल्जी जैसे भारतीय क्रिकेट दिग्गजों की सूची में शामिल हो गए।

स्टैटिक जीके

- आईसीसी हॉल ऑफ फेम की शुरुआत आईसीसी ने 2009 में की थी।
- बिशन सिंह बेदी, कपिल देव और सुनील गावस्कर 2009 में आईसीसी हॉल ऑफ फेम में शामिल होने वाले पहले भारतीय बने।

- डायना एडुल्जी 2023 में आईसीसी हॉल ऑफ फेम में शामिल होने वाली पहली भारतीय महिला क्रिकेटर बनीं।
- एमएस धोनी को 2025 में आईसीसी हॉल ऑफ फेम में शामिल किया गया।

आर. वैरमुथु को 60वां ज्ञानपीठ पुरस्कार मिला



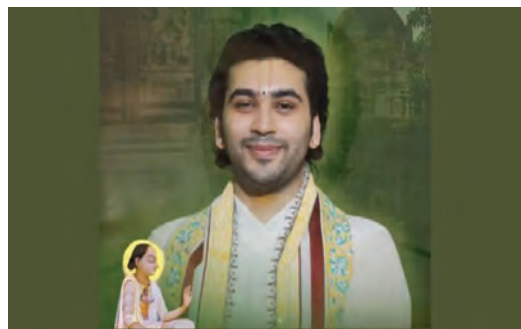
- आर. वैरमुथु को 2025 के 60वें ज्ञानपीठ पुरस्कार से तमिल साहित्य में उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए सम्मानित किया गया।
- यह पुरस्कार डॉ. करण सिंह ने नई दिल्ली में आयोजित एक समारोह में प्रदान किया।
- वह अकिलन (1975) और जयकांतन (2002) के बाद ज्ञानपीठ पुरस्कार प्राप्त करने वाले तमिलनाडु के तीसरे लेखक बने।
- इस पुरस्कार में 11 लाख रुपये की नकद राशि, एक प्रशस्ति पत्र और देवी वाग्देवी की कांस्य प्रतिमा प्रदान की जाती है।
- वैरमुथु प्रसिद्ध तमिल कवि, गीतकार और लेखक हैं। उनकी कृति 'कल्लिकट्टु इथिकासम' को 2003 में साहित्य अकादमी पुरस्कार मिला था।
- ज्ञानपीठ पुरस्कार हर वर्ष संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल किसी भी भाषा के साहित्य में आजीवन योगदान के लिए प्रदान किया जाता है।

स्टैटिक जीके

- ज्ञानपीठ पुरस्कार भारत का सर्वोच्च साहित्यिक सम्मान है।
- इसकी स्थापना 1961 में भारतीय ज्ञानपीठ द्वारा की गई थी।
- पहला ज्ञानपीठ पुरस्कार 1965 में जी. शंकर कुरूप (मलयालम) को प्रदान किया गया था।
- यह पुरस्कार हर वर्ष संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल किसी भी भाषा के साहित्य में आजीवन योगदान के लिए दिया जाता है।
- इस पुरस्कार में नकद राशि, प्रशस्ति पत्र और देवी वाग्देवी की कांस्य प्रतिमा प्रदान की जाती है।

आचार्य रणछोड़लालजी गोस्वामी को उस्ताद बिस्मिल्लाह खां युवा पुरस्कार मिला

- अहमदाबाद के विद्वान और कलाकार आचार्य श्री रणछोड़लालजी गोस्वामी को हवेली संगीत के संरक्षण और प्रचार-प्रसार के लिए उस्ताद बिस्मिल्लाह खां युवा पुरस्कार से सम्मानित किया गया।



- यह सम्मान सदियों पुरानी हवेली संगीत परंपरा के लिए एक महत्वपूर्ण राष्ट्रीय सम्मान माना गया।
- वह अहमदाबाद की गोस्वामी हवेली के 16वीं पीढ़ी के आचार्य हैं और इस संगीत परंपरा के पहले कलाकार बने, जिन्हें यह पुरस्कार मिला।
- हवेली संगीत की शुरुआत वल्लभाचार्य द्वारा स्थापित पुष्टिमार्ग परंपरा से हुई थी। इसमें सूरदास सहित अष्टछाप कवियों की भक्तिमय रचनाएं शामिल हैं।
- उस्ताद बिस्मिल्लाह खां युवा पुरस्कार 40 वर्ष से कम आयु के युवा प्रदर्शनकारी कलाकारों को प्रदान किया जाता है।

स्टैटिक जीके

- उस्ताद बिस्मिल्लाह खां भारत के प्रसिद्ध शहनाई वादक थे।
- संगीत नाटक अकादमी की स्थापना 1953 में हुई थी।
- उस्ताद बिस्मिल्लाह खां युवा पुरस्कार की शुरुआत 2006 में की गई थी।

डॉ. नंदिनी आज़ाद को भारत सम्मान 2026 से सम्मानित किया गया



- सामाजिक कार्यकर्ता एवं सहकारिता नेता डॉ. नंदिनी आज़ाद को महिला सशक्तिकरण, सामाजिक न्याय तथा आर्थिक रूप से कमजोर महिलाओं के उत्थान में उनके योगदान के लिए भारत सम्मान 2026 से सम्मानित किया गया।
- वे चेन्नई स्थित वर्किंग विमेन्स फोरम (इंडिया) तथा इंडियन कोऑपरेटिव नेटवर्क फॉर विमेन की अध्यक्ष हैं।

- उनके नेतृत्व में ये दोनों संगठन दक्षिण भारत के चार राज्यों में 6.15 लाख से अधिक महिलाओं को सहयोग प्रदान कर रहे हैं।
- यह पुरस्कार देहरादून में इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ एजुकेशन एंड मैनेजमेंट तथा इकोनॉमिक ग्रोथ फाउंडेशन द्वारा प्रदान किया गया।

स्टैटिक जीके

- वर्किंग विमेन्स फोरम (इंडिया) की स्थापना 1978 में हुई थी।
- डॉ. नंदिनी आज़ाद आईसीए-एपी (ICA-AP) महिला समिति की अध्यक्ष हैं।
- इंटरनेशनल कोऑपरेटिव एलायंस (ICA) का मुख्यालय ब्रुसेल्स, बेल्जियम में स्थित है।

72वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कारों की घोषणा की गई



- 72वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कारों की घोषणा 18 जुलाई 2024 को नई दिल्ली में की गई। ये पुरस्कार 2024 में केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड (CBFC) द्वारा प्रमाणित फिल्मों को सम्मानित करने के लिए घोषित किए गए।
- आर्टिकल 370 को सर्वश्रेष्ठ फीचर फिल्म का पुरस्कार मिला।
- ममूटी को ब्रह्मायुगम और कार्तिक आर्यन को चंदू चैंपियन के लिए संयुक्त रूप से सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का पुरस्कार दिया गया।
- यामी गौतम को आर्टिकल 370 के लिए सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री तथा राजकुमार पेरियासामी को अमरन के लिए सर्वश्रेष्ठ निर्देशक का पुरस्कार मिला।
- कल्कि 2898 एडी को संपूर्ण मनोरंजन प्रदान करने वाली सर्वश्रेष्ठ लोकप्रिय फिल्म का पुरस्कार मिला, जबकि श्रीकांत को सर्वश्रेष्ठ हिंदी फिल्म चुना गया।

स्टैटिक जीके

- राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कारों की शुरुआत 1954 में हुई थी।
- दादासाहेब फाल्के पुरस्कार भारतीय सिनेमा के क्षेत्र का सर्वोच्च सम्मान है।
- केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड (CBFC) की स्थापना 1951 में सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के अधीन की गई थी।
- उत्तम कुमार 1967 में सर्वश्रेष्ठ अभिनेता के राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार के पहले प्राप्तकर्ता बने थे।

जेम्स ग्रे को करियर पाडों पुरस्कार के लिए चुना गया



- अमेरिकी फिल्म निर्माता जेम्स ग्रे को 79वें लोकार्नो फिल्म महोत्सव में पाडों अल्ला करिएरा (करियर उपलब्धि पुरस्कार) के लिए चुना गया है।
- यह पुरस्कार समारोह 9 अगस्त 2026 को स्विट्ज़रलैंड के लोकार्नो स्थित पियाज़ा ग्रांडे में आयोजित किया जाएगा।
- महोत्सव के दौरान उनकी नवीनतम फिल्म पेपर टाइगर का प्रदर्शन किया जाएगा, जिसमें ऐन हैथवे और एडम ड्राइवर मुख्य भूमिकाओं में हैं।
- महोत्सव के दौरान जेम्स ग्रे के साथ एक विशेष संवाद सत्र भी आयोजित किया जाएगा।
- जेम्स ग्रे लिटिल ओडेसा, द इमिग्रेंट, एड एस्ट्रा और आर्मगेडन टाइम जैसी फिल्मों के लिए प्रसिद्ध हैं।

स्टैटिक जीके

- लोकार्नो फिल्म महोत्सव का आयोजन 1946 से स्विट्ज़रलैंड में प्रतिवर्ष किया जा रहा है।
- गोल्डन लेपर्ड (पाडों डी'ओरो) लोकार्नो फिल्म महोत्सव का सर्वोच्च पुरस्कार है।
- बर्न स्विट्ज़रलैंड की राजधानी है।
- स्विस् फ्रैंक (CHF) स्विट्ज़रलैंड की मुद्रा है।

अजीत डोभाल को लोकमान्य तिलक राष्ट्रीय पुरस्कार 2026 के लिए चुना गया



- राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजीत डोभाल को राष्ट्रीय सुरक्षा, सीमा प्रबंधन और आतंकवाद-रोधी अभियानों में उनके योगदान के लिए लोकमान्य तिलक राष्ट्रीय पुरस्कार 2026 के लिए चुना गया।
- इस पुरस्कार में ₹1 लाख की नकद राशि, प्रशस्ति-पत्र और स्मृति-चिह्न प्रदान किया जाता है।
- यह पुरस्कार 1 अगस्त 2026 को पुणे में लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक की 106वीं पुण्यतिथि के अवसर पर प्रदान किया जाएगा।
- अजीत डोभाल को ऑपरेशन ब्लैक थंडर, बालाकोट एयरस्ट्राइक और डोकलाम वार्ता सहित प्रमुख सुरक्षा अभियानों में उनकी भूमिका के लिए सम्मानित किया गया।

स्टैटिक जीके

- लोकमान्य तिलक राष्ट्रीय पुरस्कार की स्थापना 1983 में तिलक स्मारक मंदिर ट्रस्ट द्वारा की गई थी।
- लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक ने प्रसिद्ध नारा दिया था— “स्वराज मेरा जन्मसिद्ध अधिकार है और मैं इसे लेकर रहूँगा।”

समग्र शिशु बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम (एसएसबीएसके) शुरू किया गया



- केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जगत प्रकाश नड्डा ने 16वीं केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण परिषद की बैठक के दौरान समग्र शिशु बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम (एसएसबीएसके) का शुभारंभ किया।
- यह कार्यक्रम जन्म से 36 माह तक के बच्चों के लिए घर एवं समुदाय आधारित स्वास्थ्य सेवाओं हेतु एकीकृत ढाँचा प्रदान करता है।
- एसएसबीएसके के तहत होम-बेस्ड न्यूबॉर्न केयर (एचबीएनसी) और होम-बेस्ड केयर फॉर यंग चाइल्ड (एचबीवाईसी) योजनाओं को “जीवन के पहले तीन वर्षों में समग्र देखभाल” की अवधारणा के अंतर्गत एकीकृत किया गया है।
- कार्यक्रम में जोखिम-आधारित दृष्टिकोण अपनाया गया है, जिसके तहत कम जन्म भार, समय से पूर्व जन्म, कुपोषण, बार-बार होने वाली बीमारियों तथा विकास में विलंब से प्रभावित बच्चों की अतिरिक्त निगरानी और घर-घर जाकर देखभाल की व्यवस्था की गई है।
- इससे आशा, एएनएम, सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी (सीएचओ) तथा आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं के बीच समन्वय को मजबूत कर शीघ्र पहचान, उपचार, परामर्श और रेफरल सेवाओं में सुधार किया गया है।
- समुदाय स्तर पर विकासात्मक जाँच, वृद्धि निगरानी और बाल स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने के लिए वेल-बेबी सत्र तथा मासिक शिशु शिविरों की शुरुआत की गई है।
- यह कार्यक्रम उत्तरदायी अभिभावकत्व, प्रारंभिक बाल विकास, बाल सुरक्षा तथा छोटे बच्चों में स्क्रीन समय कम करने को भी बढ़ावा देता है।
- एसएसबीएसके में डिजिटल ट्रेकिंग की व्यवस्था की गई है तथा इसे राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्लेटफॉर्मों से जोड़ा गया है, ताकि बच्चों की निरंतर निगरानी और निर्बाध स्वास्थ्य सेवाएँ सुनिश्चित की जा सकें।

डिजिटल न्याय वितरण को सुदृढ़ बनाने हेतु ‘DISHA 2.0’ योजना को मंजूरी



- केंद्रीय विधि एवं न्याय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने जून 2026 में दिशा 2.0 योजना को मंजूरी दी।
- इस योजना का उद्देश्य उन्नत डिजिटल प्रौद्योगिकियों और एकीकृत ई-कोर्ट प्रणाली के माध्यम से न्यायिक अवसरचना का आधुनिकीकरण करना है।
- इसका लक्ष्य देशभर में न्याय वितरण प्रणाली को अधिक सुलभ, पारदर्शी, दक्ष और जवाबदेह बनाना है।
- दिशा 2.0 के तहत पेपरलेस न्यायालय, डिजिटल फाइलिंग, वर्चुअल सुनवाई, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) आधारित वाद प्रबंधन तथा एकीकृत न्यायिक डेटाबेस को बढ़ावा दिया जाएगा।
- यह पहल डिजिटल इंडिया के दृष्टिकोण के अनुरूप है और ई-कोर्ट परियोजना चरण-III को भी समर्थन प्रदान करती है।
- इस योजना से लंबित मामलों में कमी, कानूनी सेवाओं तक बेहतर पहुँच तथा न्यायिक प्रशासन को और मजबूत करने की उम्मीद है।
- यह योजना न्यायालयों, पुलिस, कारागारों तथा फॉरेंसिक संस्थानों के बीच बेहतर समन्वय और अंतरसंचालनीयता को भी बढ़ावा देती है।

स्टैटिक जीके

- भारतीय संविधान का अनुच्छेद 39A सभी के लिए न्याय तक समान पहुँच को बढ़ावा देता है।
- भारत के सर्वोच्च न्यायालय की स्थापना वर्ष 1950 में हुई थी।
- ई-कोर्ट परियोजना का क्रियान्वयन न्याय विभाग द्वारा किया जाता है।
- भारत में एकीकृत न्यायिक प्रणाली लागू है।

वीबी-जी रैम जी अधिनियम, 2025 एक जुलाई 2026 से लागू



- विकसित भारत-रोज़गार एवं आजीविका मिशन (ग्रामीण) [वीबी-जी रैम जी] अधिनियम, 2025 1 जुलाई 2026 से लागू हो गया। इसका उद्देश्य ग्रामीण रोजगार और आजीविका सुरक्षा को सुदृढ़ करना है।
- इस अधिनियम के तहत प्रत्येक पात्र ग्रामीण परिवार के लिए वैधानिक मजदूरी रोजगार की गारंटी 100 दिनों से बढ़ाकर 125 दिन कर दी गई है।
- यह अधिनियम स्थायी सामुदायिक परिसंपत्तियों के निर्माण, जल संरक्षण, प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन, कृषि, ग्रामीण अवसंरचना तथा सतत ग्राम विकास पर विशेष बल देता है।
- अधिनियम में स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) की अधिक भागीदारी, प्रौद्योगिकी आधारित कार्यान्वयन, पारदर्शिता, जवाबदेही तथा अन्य ग्रामीण विकास कार्यक्रमों के साथ समन्वय को बढ़ावा दिया गया है।
- केंद्र सरकार ने इस योजना के देशव्यापी क्रियान्वयन और समयबद्ध कार्यान्वयन के लिए राज्यों एवं केंद्रशासित प्रदेशों को 95,692.31 करोड़ रुपये की अंतरिम राशि आवंटित की है।
- सरकार ने स्पष्ट किया कि ई-केवाईसी सत्यापित जॉब कार्ड नए ग्रामीण रोजगार गारंटी कार्ड जारी होने तक वैध रहेंगे, जिससे रोजगार और मजदूरी भुगतान में कोई बाधा नहीं आएगी।
- इस मिशन का राष्ट्रीय शुभारंभ 2 जुलाई 2026 को आंध्र प्रदेश के तिरुपति जिले के मुक्कावरिपल्ली गाँव में निर्धारित किया गया।

स्टैटिक जीके

- ग्रामीण विकास मंत्रालय भारत में प्रमुख ग्रामीण विकास और आजीविका कार्यक्रमों के कार्यान्वयन के लिए उत्तरदायी है।
- स्वयं सहायता समूह (एसएचजी) सामुदायिक आधारित समूह हैं, जो वित्तीय समावेशन, आजीविका सृजन और महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देते हैं।
- आंध्र प्रदेश नए अधिनियम के तहत वीबी-जी रैम जी मिशन के राष्ट्रीय शुभारंभ की मेजबानी करने वाला पहला राज्य है।

राष्ट्रीय संचालन समिति ने पीएम-सेतु योजना के देशव्यापी विस्तार को मंजूरी दी

- राष्ट्रीय संचालन समिति ने 60,000 करोड़ रुपये की पीएम-सेतु योजना को देशभर के 200 चयनित आईटीआई क्लस्टरों में लागू करने की मंजूरी दी।



- समिति ने ओडिशा, गुजरात और तेलंगाना के आईटीआई क्लस्टरों के लिए रणनीतिक निवेश योजनाओं के तहत 1,237.58 करोड़ रुपये के तत्काल निवेश को भी मंजूरी दी।
- इस योजना का उद्देश्य 200 हब आईटीआई और 800 स्पोक आईटीआई विकसित कर 1,000 सरकारी आईटीआई का आधुनिकीकरण करना है।
- ज़िंदल नवीन अवसर, आर्सेलरमिस्तल निप्पोन स्टील और अपोलो मेडिस्किल्स सहित प्रमुख उद्योग साझेदार योजना के कार्यान्वयन में सहयोग करेंगे।
- इस पहल के तहत आईटीआई को उद्योग-प्रबंधित संस्थानों में विकसित किया जाएगा तथा उन्नत प्रशिक्षक विकास के लिए पाँच राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र स्थापित किए जाएंगे।

स्टैटिक जीके

- कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय (एमएसडीई) की स्थापना 2014 में हुई थी।
- प्रशिक्षण महानिदेशालय (डीजीटी) भारत में औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों (आईटीआई) के नेटवर्क का संचालन करता है।
- स्किल इंडिया मिशन की शुरुआत 2015 में भारत के युवाओं में कौशल विकास और रोजगार क्षमता बढ़ाने के उद्देश्य से की गई थी।

कैबिनेट ने सेमीकॉन 2.0 को मंजूरी दी



- केंद्रीय मंत्रिमंडल ने भारत के सेमीकंडक्टर इकोसिस्टम को मजबूत बनाने के लिए 1,27,500 करोड़ रुपये की लागत वाली सेमीकॉन 2.0 योजना को मंजूरी दी।

- इस कार्यक्रम का उद्देश्य चिप डिजाइन, निर्माण, पैकेजिंग, सामग्री, अनुसंधान और कौशल विकास को शामिल करते हुए सेमीकंडक्टर की संपूर्ण वैल्यू चेन विकसित करना है।
- इस पहल का लक्ष्य घरेलू सेमीकंडक्टर उत्पादन बढ़ाना, आयात पर निर्भरता कम करना और भारत को वैश्विक स्तर पर विश्वसनीय सेमीकंडक्टर हब बनाना है।
- यह कार्यक्रम वैश्विक सेमीकंडक्टर निर्माताओं को आकर्षित करने, सप्लाय चैन को मजबूत करने, नवाचार को बढ़ावा देने और तकनीकी आत्मनिर्भरता को बढ़ाने पर केंद्रित है।
- इस नीति में छह रणनीतिक स्तंभ निर्धारित किए गए हैं— सेमीकंडक्टर डिजाइन, मशीनें और सामग्री, सेमीकंडक्टर फैब, एटीएमपी/ओसैट, अनुसंधान एवं विकास तथा प्रतिभा विकास।
- यह पहल इलेक्ट्रॉनिक्स, एआई, दूरसंचार, ईवी, रक्षा, स्वास्थ्य सेवा और औद्योगिक विनिर्माण जैसे क्षेत्रों को समर्थन प्रदान करेगी।
- सेमीकॉन 1.0 के तहत सरकार ने लगभग 1.64 लाख करोड़ रुपये के अनुमानित निवेश वाली 12 सेमीकंडक्टर विनिर्माण परियोजनाओं को मंजूरी दी थी।
- स्वीकृत परियोजनाओं में दो फैब्रिकेशन प्लांट, एक सिलिकॉन वेफर निर्माण इकाई, एक सिलिकॉन कार्बाइड वेफर प्लांट, एक इंटीग्रेटेड माइक्रो एलईडी डिस्प्ले सुविधा और नौ सेमीकंडक्टर असेंबली इकाइयां शामिल हैं।
- इस पहल का उद्देश्य आर्थिक विकास को बढ़ावा देना, राष्ट्रीय सुरक्षा को मजबूत करना, तकनीकी नेतृत्व को प्रोत्साहित करना और भारत को वैश्विक सेमीकंडक्टर महाशक्ति के रूप में स्थापित करना है।

राष्ट्रीय यूरिया निवेश नीति-2026 को मंजूरी



- आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति (सीसीईए) ने जुलाई 2026 में घरेलू यूरिया उत्पादन बढ़ाने और आयात पर निर्भरता कम करने के लिए राष्ट्रीय यूरिया निवेश नीति-2026 (एनआईपीयू-2026) को मंजूरी दी।
- इस नीति के तहत गैस आधारित ग्रीनफील्ड और ब्राउनफील्ड यूरिया निर्माण इकाइयों में निवेश आकर्षित करने के लिए एक रूपरेखा तैयार की गई है।
- भारत का लक्ष्य लगभग 40 मिलियन टन की घरेलू यूरिया मांग और लगभग 30 मिलियन टन के उत्पादन के बीच मौजूद 10 मिलियन टन की आपूर्ति कमी को दूर करना है।

- इस नीति में निवेशकों के हितों की रक्षा और अत्यधिक लाभ को रोकने के लिए 12% से 16% के बीच विनियमित आरओई (रिटर्न ऑन इक्विटी) निर्धारित किया गया है।
- एनआईपीयू-2026 के तहत परियोजना के क्रियान्वयन के दौरान विदेशी मुद्रा विनिमय समायोजन तथा संचालन शुरू होने के चार वर्ष बाद स्थिर लागत परिवर्तन की अनुमति दी गई है।
- इस नीति का लक्ष्य 8 से 9 नई उत्पादन इकाइयों की स्थापना करना है, जिससे लगभग 10 मिलियन टन अतिरिक्त उत्पादन क्षमता विकसित होने की उम्मीद है।
- इस पहल का उद्देश्य यूरिया में आत्मनिर्भरता हासिल करना, विदेशी मुद्रा की बचत करना, खाद्य सुरक्षा को मजबूत करना और वैश्विक बाजारों पर निर्भरता कम करना है।

स्टैटिक जीके

- यूरिया कृषि में उपयोग होने वाला प्रमुख नाइट्रोजनयुक्त उर्वरक है।
- उर्वरक विभाग उर्वरकों से संबंधित नीतियों का संचालन करता है।
- भारत दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा यूरिया उपभोक्ता और सबसे बड़ा यूरिया आयातक है।
- नई निवेश नीति की शुरुआत 2012 में की गई थी।

केंद्रीय मंत्री ने किसानों के लिए प्रगति योजना शुरू की



- केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने आठ राज्यों में 20,000 ग्रामीण युवाओं को कृषि उद्यमी (एग्री-एंटरप्रेन्योर) के रूप में प्रशिक्षित करने के लिए प्रगति पहल की शुरुआत की।
- इस कार्यक्रम का उद्देश्य सरकार, कॉरपोरेट्स और वैश्विक फाउंडेशनों के सहयोग से जलवायु-अनुकूल कृषि को बढ़ावा देना है।
- प्रशिक्षित कृषि उद्यमी गांव स्तर पर किसानों को कृषि परामर्श, मृदा स्वास्थ्य सहायता और बाजार से जुड़ाव जैसी सेवाएं प्रदान करेंगे।
- इस पहल का लक्ष्य 20 लाख किसानों को लाभ पहुंचाना तथा उनकी औसत आय में 30% की वृद्धि करना है।
- यह कार्यक्रम पुनर्योजी कृषि (रेजेनेरेटिव एग्रीकल्चर) के माध्यम से धान, मक्का और आलू की उपज बढ़ाने पर केंद्रित है।

स्टैटिक जीके

- केंद्रीय कृषि मंत्री: शिवराज सिंह चौहान
- कृषि मंत्रालय का मुख्यालय: नई दिल्ली
- राष्ट्रीय किसान दिवस: 23 दिसंबर

ईपीएफओ ने विश्वास, 2026 योजना शुरू की



- कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) ने विश्वास, 2026 योजना शुरू की है। यह जुर्माना और हर्जाने से जुड़े विवादों के सौहार्दपूर्ण समाधान के लिए छह महीने की एकमुश्त विवाद निपटान योजना है।

- यह योजना 29 जून से 29 दिसंबर 2026 तक लागू रहेगी और ईपीएफ अधिनियम की धारा 14B तथा सामाजिक सुरक्षा संहिता (Code on Social Security) के अंतर्गत आने वाले विवादों को कवर करती है।
- 14 जून 2024 से पहले के चूक मामलों के लिए जुर्माना दरों को देरी की अवधि के आधार पर 0.25% से 1% प्रति माह तक कम किया गया है।
- इस योजना का लाभ लेने के लिए नियोक्ताओं को भविष्य निधि (पीएफ) की बकाया राशि और ब्याज का भुगतान करना होगा तथा संबंधित कानूनी अपीलें वापस लेनी होंगी।
- पूरी समझौता प्रक्रिया ईपीएफओ नियोक्ता पोर्टल के माध्यम से डिजिटल रूप से संचालित की जाती है।

स्टैटिक जीके

- कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) की स्थापना 4 मार्च 1952 को ईपीएफ अधिनियम के तहत की गई थी।
- ईपीएफओ श्रम एवं रोजगार मंत्रालय के अधीन कार्य करता है।
- ईपीएफओ का मुख्यालय नई दिल्ली में स्थित है।
- केंद्रीय भविष्य निधि आयुक्त ईपीएफओ के प्रशासनिक प्रमुख होते हैं।



‘ब्रिज मैन ऑफ इंडिया’ गिरीश भारद्वाज का 76 वर्ष की आयु में निधन



- पद्मश्री से सम्मानित तथा ‘ब्रिज मैन ऑफ इंडिया’ के नाम से प्रसिद्ध गिरीश भारद्वाज का 7 जुलाई 2026 को कर्नाटक के सुलिया में 76 वर्ष की आयु में निधन हो गया।
- उन्होंने पीईएस कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, मांड्या से मैकेनिकल इंजीनियरिंग की पढ़ाई की थी।
- उन्होंने तीन दशकों में मुख्य रूप से कर्नाटक, केरल, तेलंगाना और ओडिशा में 140 से अधिक कम लागत वाले सर्पेंशन पुलों का निर्माण किया।
- उनके बनाए पुलों ने दूरस्थ गाँवों को स्कूलों, अस्पतालों, बाजारों तथा सरकारी सेवाओं से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।
- उन्होंने 1989 में दक्षिण कन्नड़ के अराम्बुर में पयस्विनी नदी पर अपना पहला सर्पेंशन पुल बनाया था।
- ग्रामीण अवसंरचना और सामाजिक कार्यों में उनके योगदान के लिए भारत सरकार ने उन्हें 2017 में पद्मश्री से सम्मानित किया।

पंडवानी लोकगायिका तीजन बाई का निधन



- प्रसिद्ध पंडवानी लोकगायिका तथा पद्म पुरस्कारों से सम्मानित तीजन बाई का लंबी बीमारी के बाद 70 वर्ष की आयु में रायपुर, छत्तीसगढ़ में निधन हो गया।
- उन्होंने छत्तीसगढ़ की पारंपरिक पंडवानी लोककला को भारत और विदेशों में लोकप्रिय बनाने में अग्रणी भूमिका निभाई।
- उनकी प्रस्तुतियाँ महाभारत की कथाओं पर आधारित पंडवानी लोककथा-गायन परंपरा पर केंद्रित थीं।
- भारतीय लोककला और संस्कृति में उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए उन्हें पद्मश्री, पद्म भूषण तथा पद्म विभूषण से सम्मानित किया गया था।

स्टैटिक जीके

- पंडवानी महाभारत, विशेष रूप से पांडवों की कथाओं पर आधारित एक पारंपरिक लोककथा-गायन कला है।
- रायपुर छत्तीसगढ़ की राजधानी है।
- संगीत नाटक अकादमी भारत की संगीत, नृत्य और नाटक की राष्ट्रीय अकादमी है।
- भारत रत्न भारत का सर्वोच्च नागरिक सम्मान है।

दक्षिण भारत की ‘नाइटिंगेल’ एस. जानकी का 88 वर्ष की आयु में निधन



- दक्षिण भारत की ‘नाइटिंगेल’ के नाम से प्रसिद्ध भारतीय पार्श्व गायिका एस. जानकी का 11 जुलाई 2026 को मैसूरु में 88 वर्ष की आयु में निधन हो गया।
- छह दशक से अधिक लंबे और रिकॉर्ड बनाने वाले अपने करियर में उन्होंने 18 से 20 भाषाओं में लगभग 48,000 गीत रिकॉर्ड किए, जिनमें कन्नड़, तमिल, तेलुगु और मलयालम भाषाओं के गीत प्रमुख हैं।
- उन्हें “पीढ़ियों की आवाज़” के रूप में व्यापक सम्मान मिला। उम्र संबंधी स्वास्थ्य समस्याओं के कारण उनके निधन के बाद कर्नाटक के मैसूरु में राजकीय सम्मान के साथ उनका अंतिम संस्कार किया गया।

- भारतीय सिनेमा में उनके अतुलनीय योगदान के लिए उन्हें चार राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार, रिकॉर्ड 33 राज्य फिल्म पुरस्कार मिले। वर्ष 2013 में उन्हें पद्म भूषण के लिए चुना गया, जिसे उन्होंने स्वीकार नहीं किया।
- उन्होंने 2016 में पार्श्व गायन से औपचारिक रूप से संन्यास लिया। उनका अंतिम सार्वजनिक कार्यक्रम 2017 में मैसूर में आयोजित एक संगीत कार्यक्रम में हुआ।

स्टैटिक जीके

- पहला राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार: वर्ष 1977 में तमिल फिल्म “16 वयाथिनिले” के गीत के लिए मिला।
- राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार की शुरुआत 1954 में हुई।
- मैसूर: वर्ष 1947 तक मैसूर साम्राज्य की ऐतिहासिक राजधानी था।

कतर के पूर्व अमीर शेख हमद के सम्मान में भारत ने राष्ट्रीय शोक मनाया



- भारत ने कतर के पूर्व अमीर शेख हमद बिन खलीफा अल थानी के निधन पर 13 जुलाई 2026 को एक दिन का राष्ट्रीय शोक मनाया।
- विदेश मंत्रालय ने कतर के पूर्व नेता के सम्मान में यह निर्णय घोषित किया।
- शोक अवधि के दौरान पूरे देश में राष्ट्रीय ध्वज आधा झुका रहा।
- शोक के दिन सरकार ने सभी आधिकारिक मनोरंजन कार्यक्रमों और सार्वजनिक समारोहों को स्थगित कर दिया।
- भारतीय नेताओं ने शोक व्यक्त करते हुए भारत-कतर संबंधों को मजबूत बनाने में शेख हमद के योगदान को रेखांकित किया।

स्टैटिक जीके

- कतर की राजधानी: दोहा
- कतर की मुद्रा: कतरी रियाल
- कतर के वर्तमान अमीर: शेख तमीम बिन हमद अल थानी

कठपुतली कलाकार मूझिकल पंकजाक्षी का निधन



- पद्मश्री से सम्मानित कठपुतली कलाकार मूझिकल पंकजाक्षी का 90 वर्ष की आयु में केरल के कोट्टायम में निधन हो गया।
- उन्होंने केरल की दुर्लभ पारंपरिक नोक्कुविद्या पावाकली कठपुतली कला का पुनर्जीवन किया और उसे लोकप्रिय बनाया।
- उन्होंने आठ दशकों से अधिक समय तक इस कला का प्रदर्शन किया तथा रामायण और महाभारत की कथाओं का मंचन भारत और विदेशों में किया।
- उन्हें भारतीय लोक कला में उनके योगदान के लिए 2020 में पद्मश्री से सम्मानित किया गया।

स्टैटिक जीके

- नोक्कुविद्या पावाकली केरल की एक पारंपरिक बिना डोरी वाली कठपुतली कला है।
- पद्मश्री भारत का चौथा सर्वोच्च नागरिक सम्मान है।
- केरल फोकलोर अकादमी का मुख्यालय कन्नूर में स्थित है।

‘द सेकंड ऑर्बिट: बिलीफ ऑफ अ मैन... ड्रीम्स ऑफ 1.4 बिलियन हार्ट्स’ संस्मरण का विमोचन



- अमर प्रीत सिंह ने नई दिल्ली में आयोजित एक कार्यक्रम में ‘द सेकंड ऑर्बिट: बिलीफ ऑफ अ मैन... ड्रीम्स ऑफ 1.4 बिलियन हार्ट्स’ नामक संस्मरण का विमोचन किया।
- इस संस्मरण के लेखक शुभांशु शुक्ला हैं।
- यह पुस्तक उनके भारतीय वायु सेना के लड़ाकू पायलट से अंतरिक्ष यात्री बनने तथा अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) तक की उनकी यात्रा का वर्णन करती है।
- इसमें अंतरिक्ष यात्री चयन, प्रशिक्षण, मिशन की तैयारी तथा अंतरिक्ष में प्राप्त अनुभवों का विस्तृत विवरण दिया गया है।
- यह कार्यक्रम एक्सओम-4 मिशन की पहली वर्षगांठ के अवसर पर आयोजित किया गया, जिसे पिछले वर्ष 25 जून को प्रक्षेपित किया गया था।
- यह संस्मरण मानव अंतरिक्ष उड़ान और अंतरिक्ष अन्वेषण में भारत की बढ़ती भागीदारी को दर्शाता है।
- कार्यक्रम में विभिन्न विद्यालयों के विद्यार्थियों ने भाग लिया और अंतरिक्ष यात्री से संवाद भी किया।

स्टैटिक जीके

- अमर प्रीत सिंह भारतीय वायु सेना के वायु सेना प्रमुख हैं।

- अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) पृथ्वी की निचली कक्षा में स्थित एक बहुराष्ट्रीय अंतरिक्ष प्रयोगशाला है।
- भारतीय वायु सेना का मुख्यालय नई दिल्ली में स्थित है।

उपराष्ट्रपति ने ‘आरएसएस @ 100: ए सेंचुरी ऑफ सर्विस, यूनिटी एंड सैक्रिफाइस’ पुस्तक का विमोचन किया



- उपराष्ट्रपति सी. पी. राधाकृष्णन ने उपराष्ट्रपति भवन में ‘आरएसएस @ 100: ए सेंचुरी ऑफ सर्विस, यूनिटी एंड सैक्रिफाइस’ पुस्तक का विमोचन किया।
- इस पुस्तक के लेखक श्याम जाजू और अनुपम त्रिवेदी हैं। इसमें राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की 100 वर्षों की यात्रा और उसके योगदान का दस्तावेजीकरण किया गया है।
- पुस्तक के विमोचन के अवसर पर उपराष्ट्रपति ने राष्ट्र निर्माण और सामाजिक सेवा में संगठन के योगदान पर प्रकाश डाला।
- इस कार्यक्रम में केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह तथा इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र के अध्यक्ष राम बहादुर राय भी उपस्थित रहे।

स्टैटिक जीके

- राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की स्थापना 27 सितंबर 1925 को डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार ने की थी।
- राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) का मुख्यालय नागपुर, महाराष्ट्र में स्थित है।



विश्व संगीत दिवस: 21 जून



- विश्व संगीत दिवस, जिसे 'फेट द ला म्यूज़िक' के नाम से भी जाना जाता है, 21 जून 2026 को विश्वभर में मनाया गया।
- इस दिवस का उद्देश्य संगीत को सार्वभौमिक भाषा के रूप में बढ़ावा देना तथा निःशुल्क सार्वजनिक संगीत प्रस्तुतियों को प्रोत्साहित करना है।
- इस अवसर पर संगीतकारों, कलाकारों, शैक्षणिक संस्थानों और सांस्कृतिक संगठनों ने विभिन्न कार्यक्रमों और संगीत समारोहों का आयोजन किया।
- यह आयोजन सांस्कृतिक विविधता, रचनात्मकता और कलात्मक अभिव्यक्ति को बढ़ावा देने का संदेश देता है।
- इसका उद्देश्य प्रत्येक व्यक्ति तक, उसकी पृष्ठभूमि की परवाह किए बिना, संगीत को सुलभ बनाना है।
- यह दिवस 100 से अधिक देशों में मनाया जाता है तथा सांस्कृतिक आदान-प्रदान और सामाजिक सद्भाव को प्रोत्साहित करता है।

स्टैटिक जीके

- विश्व संगीत दिवस की शुरुआत 1982 में फ्रांस में हुई थी।
- इसकी शुरुआत जैक लैंग ने की थी।
- 'फेट द ला म्यूज़िक' का अर्थ "संगीत उत्सव" है।
- यह दिवस प्रत्येक वर्ष 21 जून को मनाया जाता है।

अंतरराष्ट्रीय उष्णकटिबंधीय दिवस: 29 जून

- अंतरराष्ट्रीय उष्णकटिबंधीय दिवस 29 जून 2026 को उष्णकटिबंधीय क्षेत्रों की जैव विविधता, सांस्कृतिक समृद्धि तथा विकास संबंधी चुनौतियों को उजागर करने के उद्देश्य से मनाया गया।



- इस दिवस की घोषणा संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 2016 में की थी।
- यह दिवस 29 जून 2014 को प्रकाशित पहली 'स्टेट ऑफ द टूँपिक्स रिपोर्ट' की स्मृति में मनाया जाता है।
- उष्णकटिबंधीय क्षेत्र विश्व के लगभग 40% भू-भाग में फैले हैं तथा यहाँ विश्व की लगभग 40% आबादी निवास करती है।
- इस अवसर पर जलवायु परिवर्तन, वनों की कटाई, खाद्य सुरक्षा, जनस्वास्थ्य तथा सतत विकास जैसे मुद्दों पर विशेष ध्यान दिया गया।
- सरकारों और अंतरराष्ट्रीय संगठनों ने उष्णकटिबंधीय देशों में पर्यावरण संरक्षण और जलवायु अनुकूलता को बढ़ावा देने वाली नीतियों को प्रोत्साहित किया।

स्टैटिक जीके

- कर्क रेखा भारत के 8 राज्यों से होकर गुजरती है।
- मकर रेखा 10 देशों से होकर गुजरती है।
- अमेज़न वर्षावन विश्व का सबसे बड़ा उष्णकटिबंधीय वर्षावन है।
- भारत के प्रमुख उष्णकटिबंधीय वन पश्चिमी घाट, पूर्वोत्तर भारत तथा अंडमान एवं निकोबार द्वीपसमूह में स्थित हैं।

विश्व एमएसएमई दिवस: 27 जून



- विश्व एमएसएमई दिवस 27 जून 2026 को सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) के रोजगार सृजन, नवाचार और आर्थिक विकास में योगदान को सम्मानित करने के उद्देश्य से मनाया गया।
- इस दिवस का उद्देश्य उद्यमिता, सतत औद्योगिकीकरण तथा छोटे व्यवसायों के लिए वित्तीय संसाधनों तक बेहतर पहुँच को बढ़ावा देना है।
- इस अवसर पर डिजिटल अपनाने, कौशल विकास, वित्तीय समावेशन तथा व्यवसाय वृद्धि से संबंधित विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए।
- इस दिवस ने प्रौद्योगिकी, डिजिटल भुगतान, हरित विनिर्माण तथा महिला उद्यमिता की भूमिका को एमएसएमई क्षेत्र को सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण बताया।
- एमएसएमई भारत के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी), निर्यात, विनिर्माण उत्पादन तथा आत्मनिर्भर भारत पहल में महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं।
- यह दिवस मजबूत और सतत छोटे उद्यमों के निर्माण के लिए वैश्विक सहयोग को भी प्रोत्साहित करता है।

स्टैटिक जीके

- विश्व एमएसएमई दिवस प्रत्येक वर्ष 27 जून को मनाया जाता है।
- इसे संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 2017 में घोषित किया था।
- भारत में एमएसएमई का वर्गीकरण निवेश और वार्षिक कारोबार के आधार पर किया जाता है।
- इस क्षेत्र के लिए उत्तरदायी मंत्रालय सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय है।

अंतरराष्ट्रीय क्षुद्रग्रह दिवस: 30 जून



- अंतरराष्ट्रीय क्षुद्रग्रह दिवस प्रतिवर्ष 30 जून को क्षुद्रग्रहों, पृथ्वी के निकट स्थित पिंडों (एनईओ) तथा ग्रहीय रक्षा के प्रति वैश्विक जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से मनाया जाता है।
- यह दिवस रूस के साइबेरिया में 1908 में हुई तुंगुस्का घटना की स्मृति में मनाया जाता है, जिसे आधुनिक इतिहास की सबसे बड़ी दर्ज क्षुद्रग्रह टक्कर की घटना माना जाता है। इस घटना में लगभग 2,000 वर्ग किलोमीटर वन क्षेत्र नष्ट हो गया था।
- इस दिवस को अंतरिक्ष अन्वेषकों के संघ (एएसई) के प्रस्ताव के आधार पर 2016 में संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूनजीए) द्वारा घोषित किया गया था।
- इस अवसर पर सरकारें, वैज्ञानिक और अंतरिक्ष एजेंसियाँ क्षुद्रग्रहों की पहचान, संभावित टक्कर के जोखिम को कम करने तथा जन-जागरूकता

बढ़ाने के लिए शैक्षिक कार्यक्रम, जन-जागरूकता अभियान और वैज्ञानिक चर्चाओं का आयोजन करती हैं।

स्टैटिक जीके

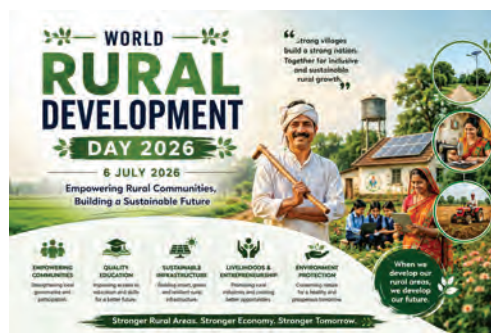
- अंतरराष्ट्रीय क्षुद्रग्रह दिवस प्रतिवर्ष 30 जून को मनाया जाता है।
- तुंगुस्का घटना 30 जून 1908 को साइबेरिया (रूस) में हुई थी।
- पृथ्वी के निकट स्थित पिंड (एनईओ) की निगरानी अंतरिक्ष एजेंसियों द्वारा संभावित टक्कर के जोखिम का आकलन करने के लिए की जाती है।
- क्षुद्रग्रह मुख्य रूप से मंगल और बृहस्पति ग्रह के बीच स्थित क्षुद्रग्रह घेरे (Asteroid Belt) में पाए जाते हैं।

विश्व जूनोटिक रोग दिवस: 6 जुलाई



- विश्व जूनोटिक रोग दिवस 6 जुलाई 2026 को पशुओं और मनुष्यों के बीच फैलने वाले रोगों के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से मनाया गया।
- यह दिवस 6 जुलाई 1885 को लुई पाश्चर द्वारा विश्व के पहले रेबीज टीके के सफल प्रयोग की स्मृति में मनाया जाता है।
- इस अवसर का उद्देश्य जूनोटिक रोगों की रोकथाम, निगरानी, शीघ्र पहचान तथा उनके विरुद्ध समन्वित कार्रवाई के प्रति जागरूकता बढ़ाना है।
- विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के अनुसार, ज्ञात संक्रामक रोगों में लगभग 60% तथा मनुष्यों में उभरने वाले 75% संक्रामक रोगों की उत्पत्ति पशुओं से होती है।
- रोगों की बेहतर रोकथाम और नियंत्रण के लिए चिकित्सकों, पशु चिकित्सकों, पर्यावरण विशेषज्ञों तथा नीति-निर्माताओं के बीच सहयोग बढ़ाने हेतु वन हेल्थ दृष्टिकोण पर विशेष बल दिया गया।

विश्व ग्रामीण विकास दिवस: 6 जुलाई



- विश्व ग्रामीण विकास दिवस 6 जुलाई 2026 को विश्वभर में ग्रामीण समुदायों के धैर्य, योगदान और विकास को सम्मानित करने के उद्देश्य से मनाया गया।
- 2026 के लिए इस दिवस की आधिकारिक थीम “फाइनेंसिंग द फर्स्ट माइल ऑफ फूड सिस्टम्स” निर्धारित की गई।
- यह वार्षिक दिवस एशिया और प्रशांत के लिए समेकित ग्रामीण विकास केंद्र (सीआईआरडीएपी) की स्थापना वर्षगांठ के उपलक्ष्य में मनाया जाता है।
- कृषि विकास के लिए अंतरराष्ट्रीय कोष (आईएफएडी) सहित प्रमुख अंतरराष्ट्रीय संस्थानों ने जमीनी स्तर पर वित्तीय सशक्तीकरण को बढ़ावा देने की वकालत की।
- भारत में सहकारिता मंत्रालय ने स्थानीय सेवाओं के विस्तार और समावेशी विकास को बढ़ावा देने के लिए ग्रामीण सहकारी समितियों को सशक्त बनाने पर जोर दिया।

स्टैटिक जीके

- सीआईआरडीएपी का मुख्यालय ढाका, बांग्लादेश में स्थित है।
- आईएफएडी का मुख्यालय रोम, इटली में स्थित है।
- विश्व ग्रामीण विकास दिवस प्रतिवर्ष 6 जुलाई को मनाया जाता है।
- सीआईआरडीएपी की स्थापना 1979 में हुई थी।

भारत ने स्वच्छता कर्मियों के सम्मान में तीसरा नमस्ते दिवस मनाया



- भारत ने 14 जुलाई 2026 को नमस्ते योजना के तीन वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में तथा स्वच्छता कर्मियों के सम्मान में तीसरा नमस्ते दिवस मनाया।
- सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय ने कोलकाता के रवींद्र सदन में मुख्य कार्यक्रम आयोजित किया, जबकि देशभर के शहरी स्थानीय निकायों (यूएलबी) ने भी इसी प्रकार के कार्यक्रम आयोजित किए।
- इस अवसर पर सीवर कर्मियों, सेप्टिक टैंक कर्मियों, कचरा बीनने वालों और पूर्व मैनुअल स्कैवेंजर्स के योगदान को सम्मानित किया गया तथा उनकी सुरक्षा, गरिमा और कल्याण को बढ़ावा दिया गया।
- यूएलबी ने स्वास्थ्य जांच शिविर, सुरक्षा प्रशिक्षण, मशीनीकृत स्वच्छता उपकरणों का प्रदर्शन, पीपीई जागरूकता कार्यक्रम तथा कल्याणकारी लाभों के वितरण जैसे कार्यक्रम आयोजित किए।
- नमस्ते योजना का उद्देश्य खतरनाक मैनुअल सफाई कार्यों की जगह मशीनीकृत स्वच्छता सेवाओं को बढ़ावा देना तथा स्वच्छता कर्मियों के सामाजिक, आर्थिक और व्यावसायिक कल्याण में सुधार करना है।

स्टैटिक जीके

- नमस्ते योजना की शुरुआत: वित्तीय वर्ष 2023–24
- नमस्ते दिवस 2026 का मुख्य कार्यक्रम: रवींद्र सदन, कोलकाता
- नमस्ते योजना का क्रियान्वयन: सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय

विश्व युवा कौशल दिवस: 15 जुलाई

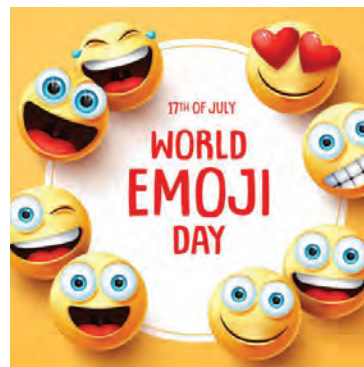


- विश्व युवा कौशल दिवस प्रतिवर्ष 15 जुलाई को मनाया जाता है। वर्ष 2026 में इसे “साझा भविष्य के लिए कौशल (Skills for a Shared Future)” थीम के साथ मनाया गया।
- वर्ष 2026 की थीम ने युवाओं को भविष्य की नौकरियों और सतत विकास के लिए तैयार करने हेतु एआई, डिजिटल, हरित (ग्रीन) और व्यावसायिक कौशल के महत्व पर प्रकाश डाला।
- इस अवसर पर आजीवन सीखने, समावेशी शिक्षा तथा भविष्य के लिए तैयार कार्यबल के निर्माण हेतु सरकारों, उद्योगों और शैक्षणिक संस्थानों के बीच सहयोग को बढ़ावा दिया गया।
- यह दिवस रोजगार क्षमता, उद्यमिता, नवाचार और आर्थिक विकास को बढ़ाने के लिए कौशल विकास के महत्व पर बल देता है।

स्टैटिक जीके

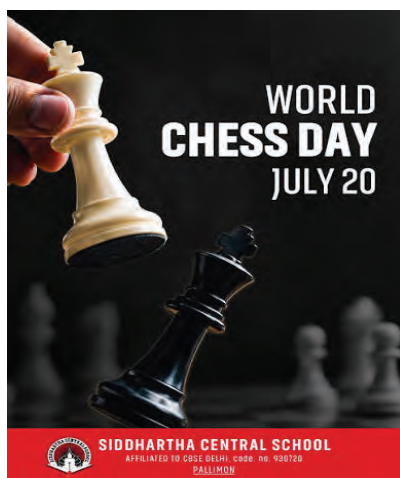
- विश्व युवा कौशल दिवस प्रतिवर्ष 15 जुलाई को मनाया जाता है।
- पहला विश्व युवा कौशल दिवस 2015 में मनाया गया।

विश्व इमोजी दिवस: 17 जुलाई



- विश्व इमोजी दिवस 17 जुलाई 2026 को डिजिटल संचार में इमोजी की भूमिका का उत्सव मनाने के लिए मनाया गया।
- 2026 की थीम थी — “यूनिवर्सल एक्सप्रेसंस, वन डिजिटल वर्ल्ड”।
- इस अवसर पर समावेशी, अभिव्यक्तिपूर्ण और सांस्कृतिक विविधता से युक्त डिजिटल संचार को बढ़ावा दिया गया।
- यूनिकोड कंसोर्टियम ने विविध प्रकार के इमोजी के विकास को निरंतर समर्थन दिया।
- 17 जुलाई की तिथि इसलिए चुनी गई क्योंकि प्रमुख ऑपरेटिंग सिस्टम में कैलेंडर इमोजी (□) पर यही तारीख प्रदर्शित होती है।
- विश्व इमोजी दिवस की शुरुआत इमोजीपीडिया के संस्थापक जेरेमी बर्ज ने की थी।

विश्व शतरंज दिवस: 20 जुलाई



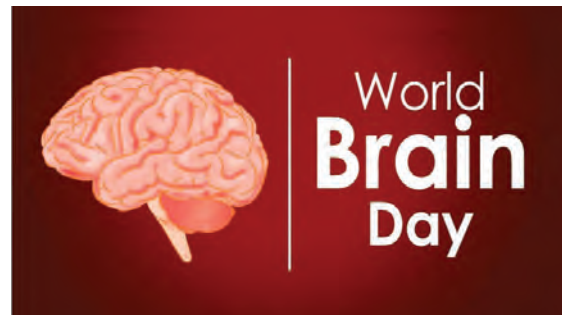
- विश्व शतरंज दिवस 20 जुलाई 2026 को विश्व शतरंज महासंघ (फिडे) की स्थापना की 102वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में मनाया गया।
- फिडे और इंटरनेशनल स्कूल चैस फेडरेशन ने 2026 को “ईयर ऑफ चैस इन एजुकेशन” घोषित किया।
- इस अवसर पर शतरंज शिक्षा को बढ़ावा दिया गया तथा प्रतीकात्मक सार्वजनिक स्थानों पर शतरंज खेलने के लिए लोगों को प्रोत्साहित किया गया।
- यह दिवस 20 जुलाई 1924 को फ्रांस के पेरिस में फिडे की स्थापना की स्मृति में मनाया जाता है।
- विश्व शतरंज दिवस का उद्देश्य विश्वभर में शतरंज के शैक्षिक, सांस्कृतिक और बौद्धिक महत्व को बढ़ावा देना है।

स्टैटिक जीके

- विश्व शतरंज महासंघ (फिडे) की स्थापना 20 जुलाई 1924 को पेरिस, फ्रांस में हुई थी।
- फिडे का मुख्यालय लॉज़ेन, स्विट्जरलैंड में स्थित है।

- विल्हेम स्टाइनिट्ज़ 1886 में पहले आधिकारिक विश्व शतरंज चैंपियन बने थे।
- आर्कादी द्वोरकोविच फिडे के अध्यक्ष हैं।

विश्व मस्तिष्क दिवस: 22 जुलाई



- विश्व मस्तिष्क दिवस 22 जुलाई 2026 को मस्तिष्क स्वास्थ्य और तंत्रिका संबंधी विकारों के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से मनाया गया।
- 2026 की थीम थी — “ब्रेन हेल्थ: एक्सेस फॉर ऑल”।
- इस अभियान में तंत्रिका संबंधी स्वास्थ्य सेवाओं तक समान पहुंच पर बल दिया गया तथा समान अवसर, प्रारंभिक हस्तक्षेप, रोकथाम और स्थानीय स्तर पर उपचार की उपलब्धता पर विशेष ध्यान केंद्रित किया गया।
- इस अवसर का उद्देश्य विश्वभर में 3.4 अरब से अधिक लोगों को प्रभावित करने वाले तंत्रिका संबंधी विकारों के प्रति जागरूकता बढ़ाना था।
- इस अभियान का समन्वय विश्व तंत्रिका विज्ञान महासंघ द्वारा किया गया।

स्टैटिक जीके

- विश्व मस्तिष्क दिवस प्रत्येक वर्ष 22 जुलाई को मनाया जाता है।
- विश्व तंत्रिका विज्ञान महासंघ की स्थापना 1957 में हुई थी।
- विश्व तंत्रिका विज्ञान महासंघ का मुख्यालय लंदन, यूनाइटेड किंगडम में स्थित है।

राष्ट्रीय प्रसारण दिवस: 23 जुलाई



- राष्ट्रीय प्रसारण दिवस 23 जुलाई को भारत के पहले रेडियो प्रसारण की स्मृति में मनाया गया, जिसकी शुरुआत 1927 में हुई थी।

- 23 जुलाई 1927 को इंडियन ब्रॉडकास्टिंग कंपनी (IBC) ने बॉम्बे स्टेशन से पहला रेडियो प्रसारण किया था।
- यह अवसर भारत में संगठित सार्वजनिक प्रसारण की शुरुआत का प्रतीक है, जिसने आगे चलकर 1936 में ऑल इंडिया रेडियो (AIR) की स्थापना का मार्ग प्रशस्त किया।
- इस दिन जनसंचार, शिक्षा, आपदा प्रबंधन और राष्ट्रीय एकता में रेडियो की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित किया गया।
- आधुनिक प्रसारण का विस्तार एफएम रेडियो, ऑनलाइन स्ट्रीमिंग, पॉडकास्ट और डिजिटल प्लेटफॉर्म तक हो चुका है।

स्टैटिक जीके

- राष्ट्रीय प्रसारण दिवस प्रत्येक वर्ष 23 जुलाई को मनाया जाता है।
- ऑल इंडिया रेडियो (AIR) की स्थापना 1936 में हुई थी और 1956 में इसका नाम आकाशवाणी रखा गया।
- प्रसार भारती 1997 में आकाशवाणी और दूरदर्शन की स्वायत्त प्रसारण संस्था बनी।
- भारत की पहली एफएम रेडियो सेवा 23 जुलाई 1977 को चेन्नई में शुरू की गई।